@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

# कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार, 26 जनवरी 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 77 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

## 26 जनवरी आज, कर्तव्य पथ गणतंत्र दिवस परेड के स्वागत के लिए तैयार

**सिम्मी कौर बब्बर**

**नई दिल्ली।** राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रीय राजधानी के ऐतिहासिक कर्तव्य पथ पर 26 जनवरी की सुबह दुनिया भारत की सांस्कृतिक विविधता और सैन्य कौशल को देखेगी। इस साल गणतंत्र दिवस पर संविधान लागू होने के 75 वर्ष पूरे होने और जनभागीदारी पर विशेष फोकस किया है। समारोह के मुख्य अतिथि इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोलो सुबियंतो होंगे। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह के अनुसार, इंडोनेशिया से 160 सदस्यीय मार्चिंग दल और 190 सदस्यीय बैंड दल भारतीय सशस्त्र बलों की टुकड़ियों के साथ कर्तव्य पथ पर परेड में हिस्सा लेंगे। विभिन्न राज्यों, केंद्रशासित प्रदेशों और केंद्र सरकार के मंत्रालयों और विभागों की 31 झांकियां भाग लेंगी। झांकियों की विषय वस्तु 'स्वर्णिम भारत : विरासत और विकास' है।

राष्ट्रगान के बाद भारतीय संविधान के 75वें वर्ष के आधिकारिक लोगो के बैनर वाले गुब्बारे छोड़े जाएंगे। कार्यक्रम का समापन 47 विमानों के फ्लाईपास्ट के साथ होगा। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सुबह राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ गणतंत्र दिवस परेड की शुरुआत होगी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु पारंपरिक बग्गी में कर्तव्य पथ पर पहुंचेंगी और एक औपचारिक मार्च पास्ट के दौरान सलामी लेंगी। इसमें सशस्त्र बल, अर्धसैनिक बल, सहायक नागरिक बल, एनसीसी और एनएसएस की इकाइयां शामिल होंगी। राष्ट्र और समाज निर्माण में विशेष योगदान करने वालों को सम्मानित करने के लिए जीवन के विभिन्न क्षेत्रों के विशेष मेहमानों को इस कार्यक्रम को देखने के लिए सरकार के विशेष मेहमानों के रूप में आमंत्रित किया गया है। गणतंत्र दिवस परेड की शुरुआत देश के विभिन्न हिस्सों के 300 सांस्कृतिक कलाकार 'सारे जहां से अच्छा' संगीत वाद्ययंत्र बजाते हुए करेंगे। संस्कृति मंत्रालय संगीत नाटक अकादमी के माध्यम से 'जयति जया ममः भारतम' शीर्षक से 5000 कलाकारों के साथ 11 मिनट के सांस्कृतिक प्रदर्शन का आयोजन करेगा। गणतंत्र दिवस समारोह का समापन 'बीटिंग रिट्रीट समारोह' के साथ होगा। यह समारोह 29 जनवरी को विजय चौक पर होगा। दिल्ली में बीटिंग रिट्रीट के दिन शाम को 6:15 बजे बिगुल बजाकर राष्ट्रीय ध्वज को झुका दिया जाएगा। संगीतमय धुन में राष्ट्रगान गाया जाएगा। गणतंत्र दिवस समारोह का गवाह बनने के लिए राष्ट्रीय स्कूल बैंड प्रतियोगिता के फाइनलिस्ट विद्यार्थियों को विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। फाइनलिस्ट टीमों में से झारखंड की लड़कियों की एक टीम राष्ट्रपति के मंच के सामने प्रदर्शन करेगी और दो टीमें विजय चौक के पास कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस परेड के साथ प्रदर्शन करेंगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कल अपने आवास पर गणतंत्र दिवस समारोह के एनसीसी कैडेट्स, एनएसएस स्वयंसेवकों, यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम कैडेट्स, झांकी कलाकारों और जनजातीय अतिथियों आदि से मुलाकात कर चुके है।

## सुबियांतो का राष्ट्रपति भवन में स्वागत, भारत और इंडोनेशिया के बीच घनिष्ठ सहयोग की जताई प्रतिबद्धता

**नरेश मल्होत्रा**

**नई दिल्ली।** इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो का शनिवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने औपचारिक स्वागत किया। उनकी यात्रा भारत-इंडोनेशिया संबंधों में एक महत्वपूर्ण अध्याय है, क्योंकि राष्ट्रपति प्रबोवो रविवार को भारत के 76 वें गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि होंगे।

राष्ट्रपति प्रबोवो गुरुवार शाम नई दिल्ली पहुंचे और एयरपोर्ट पर विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा ने उनका स्वागत किया। औपचारिक स्वागत के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने सम्मान के लिए गहरा आभार व्यक्त किया। इंडोनेशियाई राष्ट्रपति ने कहा, ÷मैं आज मुझे मिले महान सम्मान के लिए अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त करना चाहता हूं। इंडोनेशिया भारत को अपना बहुत करीबी मित्र मानता है। भारत उन पहले देशों में से एक था, शायद पहला, जिसने हमारी स्वतंत्रता को मान्यता दी और स्वतंत्रता के लिए हमारे संघर्ष में

हमारा समर्थन किया। हम कभी नहीं भूलेंगे कि भारत ने हमारी मदद के लिए क्या किया।' उन्होंने कहा, 'मैं आज बहुत सम्मानित महसूस कर रहा हूं और कल मैं आपके गणतंत्र दिवस परेड में मुख्य अतिथि बनकर दोगुना सम्मानित महसूस कर रहा हूं। मैं भारत के साथ घनिष्ठ सहयोग और घनिष्ठ साझेदारी को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हूं। यह मेरा दृढ़ संकल्प है।' दें कि अक्टूबर 2024 में पदभार ग्रहण करने के बाद से यह प्रबोवो की पहली आधिकारिक भारत यात्रा है।वह राजघाट में पुष्पांजलि समारोह में भाग लेंगे और दोपहर में हैदराबाद हाउस में पीएम मोदी के साथ बैठक करेंगे। बैठक में समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान और प्रेस वक्तव्य शामिल होंगे।

## दिल्ली पोस्टर वार ने राजनीतिक माहौल को गरमाया : सियासत के केंद्र में राहुल गांधी

**सौरभ शर्मा**

**नई दिल्ली।** दिल्ली की राजनीति में हर दिन नया मोड़ आ रहा है। शनिवार सुबह आम आदमी पार्टी ने एक पोस्टर जारी किया, जिसने राजनीतिक गलियारों में हड़कंप मचा दिया। इस पोस्टर में पीएम मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के साथ कांग्रेस नेता राहुल गांधी को 'बेईमानों' की लिस्ट में शामिल किया गया है। पोस्टर का संदेश भी साफ है–'केजरीवाल की ईमानदारी सभी बेईमानों पर भारी पड़ेगी।'

**बीजेपी ने आप पर लगाया फिजूल खर्च का आरोप**

बीजेपी ने इस पोस्टर वॉर पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। पार्टी ने AAP पर 'फिजूल की राजनीति' का आरोप लगाया है और केजरीवाल पर सवाल खड़े किए हैं।' "AAP मुद्दों से भटकाने के लिए कांग्रेस को निशाना बना रही है।

ये पोस्टर जनता को गुमराह करने की चाल है।'

**दिल्ली में केजरीवाल का कांग्रेस पर निशाना**

दिलचस्प बात यह है कि कांग्रेस और AAP, जो लोकसभा चुनाव में गठबंधन की चर्चा में थीं, अब दिल्ली चुनाव में एक-दूसरे के खिलाफ खड़ी हैं।' 'यह AAP की रणनीति का हिस्सा हो सकता है। कांग्रेस को निशाना बनाकर वह दिल्ली में अपने वर्चस्व को और मजबूत करना चाहती है।' दिल्ली के नागरिक कहते हैं कि 'हमें पोस्टर की नहीं, काम की राजनीति चाहिए। चुनाव में इनसे कौन बेहतर होगा, ये देखना है।'

## मेक इन ओडिशा कॉन्क्लेव में सौ से अधिक अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि भाग लेंगे-माझी

**तेजिन्दर कौर बब्बर**

**भुवनेश्वर।** ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने कहा है कि मेक इन ओडिशा कॉन्क्लेव-2025 में 20 देशों के सौ से अधिक अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि भाग लेंगे। इस सम्मेलन का उद्घाटन 28 जनवरी को भुवनेश्वर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करेंगे।

श्री माझी ने इस दो दिवसीय सम्मेलन को हर लिहाज से ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह ओडिशा के लिए एक मजबूत आर्थिक और औद्योगिक बुनियादी ढांचे के निर्माण में मील का पत्थर साबित होगा।

उन्होंने एक उच्च स्तरीय बैठक

के दौरान आयोजन की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा, 'भारत में शीर्ष पांच राज्य अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने का हमारा लक्ष्य निश्चित रूप से हासिल किया जाएगा।' मुख्यमंत्री ने बताया कि निवेशकों की बैठक के दौरान पांच लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव आने की उम्मीद है जिससे 3.5 लाख से अधिक रोजगार के अवसर पैदा होने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि ओडिशा अपार संभावनाओं वाले राज्य के रूप में उभर रहा है जहां इस आयोजन के दौरान 100 से अधिक निवेशक समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर करेंगे।

प्रधानमंत्री के अलावा केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, ज्वेल ओरम और अश्विनी वैष्णव भी सम्मेलन में भाग लेंगे। श्री माझी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि मेक इन ओडिशा वेबसाइट पर 7,500 से अधिक प्रतिनिधियों ने पंजीकरण कराया है जिसमें 20 से अधिक देशों के 100 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि शामिल हैं। सिंगापुर, ऑस्ट्रेलिया और मलेशिया जैसे भागीदार देशों से अतिरिक्त भागीदारी की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि विशेष 'देश फोकस' सत्र होंगे जहां लगभग 20 देशों के प्रतिनिधि वैश्विक औद्योगिक मंच पर ओडिशा की छवि को बढ़ाने के उद्देश्य से चर्चा में शामिल होंगे। सम्मेलन के हिस्से के रूप में 'मेक इन ओडिशा एक्सपो' भी आयोजित किया जाएगा जहां लगभग 150 प्रदर्शक अपने उत्पादों, सेवाओं और नवाचारों का प्रदर्शन करेंगे।

## ट्रंप पहुंचे लॉस एंजिल्स, आग प्रभावित क्षेत्र का दौरा किया, गवर्नर न्यूसम को हर तरह की मदद का दिया भरोसा

एजेंसी

**लॉस एंजिल्स।** संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप शुक्रवार दोपहर वायुसेना के विशेष विमान से लॉस एंजिल्स पहुंचे। राष्ट्रपति का यहां पहुंचने पर कैलिफोर्निया के गवर्नर और डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता गेविन क्रिस्टोफर न्यूसम ने स्वागत किया। इसके बाद ट्रंप ने आग प्रभावित क्षेत्र का दौरा किया। राष्ट्रपति पैसिफिक पैलिसेड्स के तटीय लॉस एंजिल्स काउंटी में आग प्रभावित क्षेत्र में हुई तबाही को देखकर अवाक रह गए। सीबीएस न्यूज की खबर के अनुसार, ट्रंप ने लॉस एंजिल्स अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर टरमैक के पास इंतजार कर रहे पत्रकारों को संबोधित करने से पहले गवर्नर न्यूसम से संक्षेप में बात की। ट्रंप ने न्यूसम को हर तरह की मदद देने का भरोसा दिया। उन्होंने गर्मजोशी से स्वागत के लिए न्यूसम की प्रशंसा भी की। गवर्नर न्यूसम ने कहा कि आग प्रभावित क्षेत्र में भारी तबाही हुई है। इसकी भरपाई बिना सरकारी के मदद के संभव नहीं है। ट्रंप ने कहा कि हर तरह की संघीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। संघीय सरकार पूरी तरह साथ में खड़ी है।

## श्रीलंका में मंत्रियों के विशेषाधिकारों में कटौती

**कोलंबो।** श्रीलंका में मंत्रियों के विशेषाधिकारों में बड़ी कटौती की गई है। सरकार ने मंत्रियों को दिए जाने वाले लाभों को सीमित करते हुए सख्त नियमों की घोषणा की है। राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने गुरुवार को इस संबंध में परिपत्र जारी किया। इसमें कैबिनेट और उप मंत्रियों के लिए दो सरकारी वाहनों की सीमा तय की है। इसका उद्देश्य राजनीतिक विशेषाधिकार और जवाबदेही पर जनता की चिंताओं को दूर करना है। श्रीलंका के समाचार पत्र डेली न्यूज़ के अनुसार, राष्ट्रपति के सचिव डॉ. एनएस कुमानायके ने मंत्रालय सचिवों को सलाहकारों और कर्मचारियों की नियुक्ति करते समय नई प्रक्रिया अपनाने के निर्देश दिए हैं। निर्देश में कहा गया है कि अभी एक मंत्री के निजी स्टाफ के लिए नियुक्त की जा सकने वाली अधिकतम संख्या 15 है और एक उप मंत्री के निजी स्टाफ के लिए नियुक्त की जाने वाली अधिकतम संख्या 12 है। अब एक मंत्री के लिए दो निजी सहायक, दो समन्वयक सचिव, एक प्रेस सचिव, एक जनसंपर्क अधिकारी, पांच प्रबंधन सहायक, दो कार्यालय सहायक और दो ड्राइवर नियुक्त किए जा सकते हैं। उप मंत्री दो समन्वयक सचिव, तीन प्रबंधन सहायक और अन्य पदों के लिए एक-एक की भर्ती कर सकते हैं। साफ किया गया है कि मंत्री इन पदों पर परिवार के सदस्यों या करीबी रिश्तेदारों को नियुक्त नहीं कर सकते हैं। परिपत्र के अनुसार, मंत्रियों के ईंधन भत्ते, कार्यालय, आवासीय और मोबाइल फोन व्यय के लिए मासिक भुगतान की भी नई सीमा तय की गई।

## अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे दूसरे देशों के नागरिकों की धरपकड़ तेज, 538 गिरफ्तार

**वाशिंगटन।** संयुक्त राज्य अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे दूसरे देशों के नागरिकों की धरपकड़ तेज हो गई है। कुछ दिन पहले देश की दूसरी बार बागडोर संभालने वाले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कह चुके हैं कि देश में एक भी व्यक्ति को अवैध रूप से रहने नहीं दिया जाएगा। राष्ट्रपति की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि आज 538 अवैध आप्रवासी अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने एक्स पर लिखा है, आज ट्रंप प्रशासन ने एक संदिग्ध आतंकवादी ट्रेन डी अरागुआ गिरोह के चार सदस्यों और नाबालिगों के खिलाफ यौन अपराधों के दोषी कई लोगों सहित 538 अवैध आप्रवासी अपराधियों को गिरफ्तार किया है। अरब न्यूज की खबर के अनुसार अमेरिकी राष्ट्रपति की प्रेस सचिव लेविट ने गुरुवार देर रात यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि इस अभियान के अंतर्गत सैकड़ों लोगों को सैन्य विमानों के जरिये निर्वासित किया गया। अमेरिका के इतिहास का यह सबसे बड़ा निर्वासन अभियान अच्छी तरह से चल रहा है। किए गए वादे निभाए जा रहे हैं। ट्रंप ने दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ अपना दूसरा कार्यकाल शुरू किया है। नेवार्क शहर के मेयर रास जे. बाराका ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) एजेंटों ने एक स्थानीय प्रतिष्ठान पर छापा मारा। यहां से बिना दस्तावेज के रह रहे दूसरे देशों के निवासियों और कुछ स्थानीय नागरिकों को हिरासत में लिया गया।

## महाराष्ट्र रेल हादसे में मारे गए सात नेपाली नागरिकों की शिनाख्त, शवों को स्वदेश लाने की तैयारी

**काठमांडू।** महाराष्ट्र के जलगांव में 22 जनवरी को हुए रेल हादसे में मरने वाले नेपाली नागरिकों की संख्या 7 पहुंच गई है। सभी मृतकों की पहचान हो गई है। अपने नागरिकों के शवों को स्वदेश लाने के लिए नेपाल सरकार दिल्ली स्थित नेपाली दूतावास के साथ समन्वय कर रही है। लखनऊ से मुंबई जा रही पुष्पक एक्सप्रेस के यात्रियों के ट्रेन से कूदने के बाद हुए हादसे में अब तक सात नेपाली नागरिकों की मौत होने की पुष्टि हो चुकी है। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में सात नेपाली नागरिकों की मौत होने और उन सभी की पहचान होने की जानकारी दी है। विदेश मंत्रालय के मुताबिक मरने वालों में नेपाल के अछाम जिले के चार, कैलाली जिले के दो और बांके जिला का एक नागरिक है। इन मृतकों की पहचान अछाम जिला मंगलसेन के 11 वर्षीय हिमुनन्दराम विश्वकर्मा, 44 वर्षीय नन्दराम पद्य विश्वकर्मा, 42 वर्षीया मैसारा कामी विश्वकर्मा और अछाम कमलबजार की 60 वर्षीया जोक्ला उर्फ कला कामी के रूप में हुई है।

# इजरायली सेना 60 दिन पूरे होने के बाद भी लेबनान में रहेगी - पीएमओ

एजेंसी

**यरूशलम।** इजरायल ने घोषणा की कि उसकी सेना युद्धविराम समझौते के 60 दिन के भीतर दक्षिणी लेबनान से पूरी तरह वापसी नहीं करेगी। देश के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने बताया कि इजरायल 26 जनवरी को यह अवधि समाप्त होने के बाद भी वहां अपनी सेना रखेगा।

बताया जा रहा है कि यह निर्णय 27 नवंबर 2024 को हुए संघर्ष विराम समझौते के बाद लिया गया है, जिसमें कहा गया था कि इजरायल को 60 दिन के भीतर अपनी सेना को लेबनान से पूरी तरह से वापस ले लेना चाहिए। यह समय सीमा रविवार को समाप्त हो रही है। हालांकि, नेतन्याहू के कार्यालय ने स्पष्ट किया कि इज़रायल यह समय सीमा को नहीं मानेगा क्योंकि लेबनानी सेना ने अभी तक दक्षिणी लेबनान पर पूरी तरह से नियंत्रण नहीं स्थापित किया है और हिजबुल्लाह ने लिटानी नदी के उत्तर से अपनी सेनाओं को पूरी तरह से पीछे नहीं हटाया है। नेतन्याहू के

कार्यालय ने एक बयान में कहा, लेबनानी सरकार ने संघर्ष विराम समझौते को पूरी तरह से लागू नहीं किया है, इसलिए इजरायली सैनिकों की वापसी चरणबद्ध तरीके से जारी रहेगी। इसमें यह भी कहा गया है कि इजरायल की वापसी लेबनानी सेना की तैनाती और समझौते के प्रभावी क्रियान्वयन पर निर्भर करेगी, जिसमें हिजबुल्लाह का लिटानी नदी से पीछे हटना भी शामिल है। यह फैसला अमेरिका के साथ समन्वय में लिया गया है, और यह संकेत करता है कि इजरायल की सेनाओं की वापसी का काम धीरे-धीरे और सावधानीपूर्वक किया जाएगा। दक्षिणी इजरायल पर 7 अक्टूबर को हमास द्वारा हमले और उसके बाद गाजा में इजरायल की जवाबी कार्रवाई के बाद, इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच सीमा पार से गोलीबारी में बढ़ गई थी। इसके बाद, अक्टूबर 2024 में इजरायल ने दक्षिणी लेबनान में जमीनी आक्रमण किया। इस बीच, कुवैत के विदेश मंत्री और खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के प्रमुख ने लेबनान का दौरा किया और युद्ध से तबाह हुए देश के खाड़ी देशों के साथ संबंधों को बहाल करने के प्रयासों के तहत समर्थन का वादा किया। कुवैत के विदेश मंत्री अब्दुल्ला अली अल-याह्या ने बेरूत में लेबनान के राष्ट्रपति मिशेल औन से मुलाकात की और कुवैत की ओर से लेबनान की मदद करने की प्रतिबद्धता को दोहराया। लेबनानी राष्ट्रपति मिशेल औन ने कुवैत और जीसीसी से मिले समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया और कहा कि उनका देश अपने खाड़ी पड़ोसियों के साथ रिश्तों को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।

# इजरायली महिला सैनिक रिहा होंगी

एजेंसी

**यरूशलम।** गाजा से संघर्ष विराम समझौते के तहत शनिवार को चार इजरायली महिला सैनिकों को रिहा किया जाएगा। इजरायल के प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा कि उसे हमास से मध्यस्थ देशों के माध्यम से चार इजरायली महिला सैनिकों के नाम मिले हैं जिन्हें संघर्ष विराम समझौते के तहत आज गाजा से रिहा किया जाएगा।इस सूची में 19-20 वर्ष की आयु की सेना पर्यवेक्षक लिरी अलबाग, करीना एरीव, डेनिएला गिल्बोआ और नामा लेवी शामिल हैं, जिन्हें हमास ने सात अक्टूबर 2023 को गाजा पट्टी सीमा के पास नाहल ओज में इजरायली सेना के निगरानी अड्डे से अगवा किया था। इजरायली मीडिया आउटलेट्स ने बताया कि हमास की सूची समझौते की शर्तों का उल्लंघन करती है। समझौते में कहा गया है कि महिला नागरिकों को किसी अन्य से पहले रिहा किया जाना चाहिए।

हिब्रू मीडिया आउटलेट्स ने बताया कि इजरायल ने हमास द्वारा नामित चार बंधकों की रिहाई पर सहमति व्यक्त की और यह तय किया गया कि उल्लंघन इतना गंभीर नहीं था

कि समझौता टूट जाए। इस समझौते की शर्तों के अनुसार इज़रायल को चार सैनिकों के बदले में लगभग 200 फ़िलिस्तीनी कैदियों को रिहा करना है। गाजा युद्धविराम समझौते के तहत यह इज़रायली बंधकों और फ़िलिस्तीनी कैदियों की दूसरी अदला-बदली होगी। इससे पहले रविवार को पहली अदला-बदली में तीन इज़रायली नागरिक महिलाओं और 90 फ़िलिस्तीनी महिलाओं और नाबालिगों को रिहा किया गया था।

## जेनिन पर इज़रायली हवाई हमले में दो लोगों की मौत

एजेंसी

**रामल्लाह/यरूशलम।** उत्तरी वेस्ट बैंक में जेनिन के दक्षिण में कबातिया में एक वाहन को निशाना बनाकर किए गए इज़रायली हवाई हमले में दो फ़िलिस्तीनी मारे गए। जेनिन के गवर्नर कमाल अबू अल-रब ने कहा कि शहर के मेडिकल कॉम्प्लेक्स के पास एक इज़रायली ड्रोन ने वाहन पर हमला किया। हमले में वाहन पूरी तरह जल गया। उन्होंने पीड़ितों की पहचान महमूद कामिल और हमूद ज़कारनेह के रूप में की।

इज़रायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने हमले की पुष्टि करते हुए कहा कि यह पिछले चार दिनों से उत्तरी वेस्ट बैंक में आतंकवाद विरोधी अभियान का हिस्सा था। अभियान में आईडीएफ, इज़रायल सुरक्षा एजेंसी और सीमा पुलिस बल शामिल थे। अबू अल-रब ने बताया कि इन मौतों के साथ जेनिन में बड़े पैमाने पर सैन्य अभियान की शुरुआत से लेकर अब तक इज़रायली सेना द्वारा मारे

गए फ़िलिस्तीनियों की संख्या 14 हो गई है। इजरायली सेना ने 'आतंकवादी समूहों' को खत्म करने और वेस्ट बैंक में सैन्य नियंत्रण बनाए रखने के लिए आयरन वॉल नामक अभियान शुरू किया।अक्टूबर 2023 से वेस्ट बैंक में तनाव बढ़ गया है, जब गाजा में इजरायल और हमास के बीच युद्ध छिड़ गया था। फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार तब से इजरायली सेना और फिलिस्तीनी सशस्त्र समूहों के बीच संघर्ष में वेस्ट बैंक में 800 से अधिक फिलिस्तीनी मारे गए हैं।

## टिकटॉक वीडियों बनाने वाला व्यक्ति शेर का बच्चा रखने के आरोप में गिरफ्तार

एजेंसी

**लाहर।** पाकिस्तान के पंजाब वन्यजीव विभाग और पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से की गई छापेमारी के बाद टिकटॉक वीडियों बनाने वाले रजब बट को लाहौर में उनके आवास से गिरफ्तार कर लिया गया। उसने पिछले महीने कानूनों का उल्लंघन कर शावक को रखने की बात स्वीकार की थी।

'एक्सप्रेस ट्रिब्यून' की रिपोर्ट के अनुसार, गिरफ्तारी एक वन्यजीव अधिकारी द्वारा लाहौर में एक स्थानीय न्यायिक मजिस्ट्रेट के पास दर्ज कराई गई शिकायत के बाद की गई थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि अधिकारियों ने तब कार्रवाई की जब एक वीडियो सामने आया जिसमें बट को शादी के तोहफे के रूप में एक नवजात शेर का बच्चा लेते हुए दिखाया गया, जिससे वन्यजीवों के अवैध कब्जे पर चिंता बढ़ गई। अदालत के फैसले के मुताबिक बट

को एक साल तक परिवीक्षा अधिकारी की देखरेख में सामुदायिक सेवा प्रदान करनी होगी। अपनी सेवा के हिस्से के रूप में, बट पशु अधिकारों पर चर्चा करते हुए व्लॉग बनाएंगे। पशु संरक्षण और अधिकारों पर ध्यान केंद्रित करते हुए, परिवीक्षा अधिकारी से अनुमोदन प्राप्त करने के बाद ये वीलॉग मासिक रूप से अपलोड किए जाएंगे।

## चीन ने शीत लहर और घने कोहरे के लिए अलर्ट जारी किया

एजेंसी

**बीजिंग।** चीन ने शीत लहर और घने कोहरे के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। चीन के मौसम विज्ञान प्राधिकरण ने शीत लहर के लिए येलो अलर्ट को नवीनीकृत किया। देश के अधिकांश हिस्सों में अगले तीन दिनों में तापमान में 8-12 डिग्री सेल्सियस की गिरावट देखी जाएगी। राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (एनएमसी) ने कहा कि इस अवधि के दौरान उत्तर-पश्चिमी चीन के पूर्वी हिस्से के कुछ क्षेत्रों के साथ-साथ उत्तरी चीन और सिचुआन पठार के पश्चिमी हिस्सों में 14 डिग्री सेल्सियस से अधिक की गिरावट का अनुभव होने की संभावना है। एनएमसी ने लोगों को गर्म रहने की सलाह दी है और फसलों और जलीय उत्पादों की सुरक्षा के लिए आवश्यक उपाय करने का आह्वान किया है। केंद्र ने घने कोहरे के लिए येलो अलर्ट को भी नवीनीकृत किया एवं चेतावनी दी कि से शाम तक किओन्गझोउ जलडमरूमध्य, लीझोउ प्रायद्वीप और गुआंग्शी के तटीय जल सहित कुछ क्षेत्रों में दृश्यता एक किलोमीटर से कम हो जाएगी और कुछ मामलों में

500 मीटर से भी कम हो जाने की संभावना है। केन्द्र ने चालकों को सुरक्षित गति बनाए रखने के लिए कहा है जबकि हवाई अड्डों, फ्रीवे और बंदरगाहों को उचित सुरक्षा उपाय करने का निर्देश दिया गया है। चीन में गंभीर मौसम के लिए चार-स्तरीय रंग-कोडित चेतावनी प्रणाली है जिसमें लाल सबसे गंभीर है।

# यूक्रेन ने पश्चिमी रूस में तेल संयंत्रों और माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स संयंत्र पर किया ड्रोन हमला

एजेंसी

**कीव।** यूक्रेनी सेना ने शुक्रवार रात पश्चिमी रूस में तेल संयंत्रों और एक माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स संयंत्र पर ड्रोन हमला किया। यूक्रेन के सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ ने फेसबुक पर इसकी पुष्टि की। फेसबुक पोस्ट में उन्होंने लिखा कि हमले के कारण रियाजान तेल शोधन कंपनी और रियाजान तेल पम्पिंग स्टेशन के उत्पादन संयंत्रों में आग लग गई।

समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, ड्रोन हमले यूक्रेन की सुरक्षा सेवा और विशेष अभियान बलों द्वारा अन्य इकाइयों के सहयोग से किए गए। इससे पहले मास्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन ने अपने टेलीग्राम चैनल पर लिखा था कि मास्को की वायु रक्षा प्रणालियां शुक्रवार की सुबह यूक्रेनी ड्रोन हमलों को रोकने में सक्रिय रूप से लगी हुई थीं। सोबयानिन ने लिखा कि ड्रोन हमले मास्को के आसपास के कई स्थानों पर हुए जिनमें राजधानी के दक्षिण-

पूर्व में स्थित कोलोम्ना और रामेंस्की शहरी जिले भी शामिल हैं। प्रारंभिक रिपोर्टों से पता चलता है कि घटना स्थल पर कोई महत्वपूर्ण क्षति नहीं हुई है। उन्होंने लिखा कि आपातकालीन प्रतिक्रिया टीमों को तुरंत प्रभावित स्थलों पर भेज दिया गया।पोडोल्स्क शहरी जिले में मास्को की ओर बढ़ते हुए दो अतिरिक्त ड्रोनों को वायु रक्षा प्रणालियों द्वारा मार गिराया गया। यूक्रेन की राष्ट्रीय सुरक्षा एवं रक्षा परिषद में दुष्प्रचार निरोधक केन्द्र के प्रमुख आंद्रेई कोवलेंको ने दावा किया था कि यूक्रेन की सेना ने पश्चिमी रूस के स्मोलेंस्क क्षेत्र में स्थित एक रूसी विमानन संयंत्र पर हमला किया था। कोवलेंको ने मंगलवार को कहा कि संयंत्र सैन्य विमानों और विशेष रूप से एसयू-25 हमलावर विमानों के उत्पादन में भाग लेता है। जिसमें विमानन उपकरणों का रखरखाव भी शामिल है। उन्होंने कहा, ÷यह संयंत्र रूसी रा उद्योग के अन्य उद्यमों से निकटता से जुड़ा हुआ है, जो आधुनिक विमानन प्रणालियों के निर्माण के लिए घटकों की आपूर्ति करता है या सहयोग में भाग लेता है। कोवलेंको ने हमले में इस्तेमाल किये गये साधनों का खुलासा नहीं किया।

# अमेरिकी सीनेट ने जॉन रैटक्लिफ को सीआईए डायरेक्टर के रूप में दी मंजूरी

एजेंसी

**वाशिंगटन ।** अमेरिकी सीनेट ने पूर्व राष्ट्रीय खुफिया निदेशक (डीएनआई) जॉन रैटक्लिफ को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शासन में केंद्रीय खुफिया एजेंसी (सीआईए) के अगले निदेशक के रूप में नियुक्त करने के पक्ष में वोट किया है। समाचार एजेंसी के अनुसार, सीनेट गुरुवार को 25 के मुकाबले 74 वोट से रैटक्लिफ के नामांकन को मंजूरी दी। उन्होंने अपने पहले कार्यकाल के आखिरी आठ महीनों में ट्रंप के राष्ट्रीय खुफिया निदेशक के रूप में काम किया। इस खबर की पुष्टि करते हुए, व्हाइट हाउस ने एक्स पर एक पोस्ट शेयर की और लिखा, जॉन रैटक्लिफ की सीआईए के निदेशक के रूप में पुष्टि, विश्व मंच पर अमेरिका की ताकत को बहाल करने के राष्ट्रपति ट्रंप के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। डीएनआई निदेशक के रूप में,

रैटक्लिफ ने चीन पर निर्णायक रणनीतिक लाभ हासिल करने के लिए अमेरिकी खुफिया समुदाय की प्राथमिकताओं में बदलाव का नेतृत्व किया। साथ ही आतंकवाद का समर्थन करने वाले अनेक नेताओं को हटाने के लिए कई अभियानों की निगरानी की। निदेशक रैटक्लिफ ने अमेरिकी खुफिया समुदाय के 18वें सदस्य के रूप में अमेरिकी अंतरिक्ष बल को जोड़कर अंतरिक्ष को प्राथमिकता वाले खुफिया डोमेन में बढ़ाने का ऐतिहासिक निर्णय भी लिया। व्हाइट हाउस के अनुसार, खुफिया और राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में खास उपलब्धि के लिए देश का सर्वोच्च सम्मान, राष्ट्रीय सुरक्षा पदक प्राप्त किया। कांग्रेस के सदस्य के रूप में, रैटक्लिफ हाउस इंटेलिजेंस, होमलैंड सिक्योरिटी और न्यायपालिका समितियों के सदस्य के रूप में राष्ट्रीय सुरक्षा मुद्दों पर एक अग्रणी नीति निर्माता रहे। रैटक्लिफ ने पहले 2015 से 2020 तक टेक्सास के चौथे कांग्रेसनल जिले के लिए यूएस हाउस के प्रतिनिधि के रूप में कार्य किया। रैटक्लिफ के नामांकन का समर्थन करने में 21 डेमोक्रेट सांसदों ने रिपब्लिकन का समर्थन किया। हुआ यह मतदान सीनेट द्वारा फ्लोरिडा से अमेरिकी सीनेटर मार्को रुबियो को राज्य सचिव के रूप में सर्वसम्मति से नियुक्ति के तीन दिन बाद हुआ।

## जल्द से जल्द पुतिन से मिलना चाहता हूं, लाखों जिंदगियों का सवाल है ; रूस-यूक्रेन युद्ध पर ट्रंप

एजेंसी

**वाशिंगटन ।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह यूक्रेन के साथ युद्ध को खत्म करने के लिए जल्द से जल्द रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मिलना चाहते हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की युद्ध खत्म करने के लिए समझौते के लिए तैयार हैं। ट्रंप की यह टिप्पणी उनके पिछले बयान से काफी अलग है। इस हफ्ते की सप्ताह की शुरुआत में, उन्होंने धमकी थी कि अगर मॉस्को समझौता नहीं करता है तो वह रूस पर 'उच्च स्तर' के प्रतिबंध लगा देंगे और वहां से आयात पर शुल्क लगा देंगे। 5 नवंबर को चुनाव जीतने से पहले ट्रंप ने कई बार दावा किया कि वह पहले दिन ही यूक्रेन और रूस के बीच समझौता कर लेंगे। हालांकि अब उनके सलाहकार मानते हैं कि युद्ध को सुलझाने में महीनों लग जाएंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप ने दावोस में विश्व आर्थिक मंच को वीडियो लिंक के

जरिए संबोधित करते हुए कहा, मैं वास्तव में जल्द ही राष्ट्रपति पुतिन से मिलना चाहूंगा ताकि युद्ध समाप्त हो सके।और यह अर्थव्यवस्था या किसी अन्य चीज के नजरिए से नहीं कह रहा हूं। यह इस दृष्टिकोण से कह रहा हूं कि लाखों लोगों की जिंदगी बर्बाद हो रही हैं... यह एक नरसंहार है। और हमें वास्तव में युद्ध को रोकना होगा। बाद में व्हाइट हाउस में बोलते हुए ट्रंप ने मीडिया से कहा कि वह इस हास्यास्पद युद्ध को समाप्त करने के लिए जल्द से जल्द पुतिन से मिलने के लिए तैयार हैं। ट्रंप ने कहा, ÷मैंने जो सुना है, उसके अनुसार पुतिन मुझसे मिलना चाहेंगे। उन्होंने ने दावा किया कि यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने उनसे कहा था कि वह युद्ध समाप्त करने के लिए एक समझौता करने के लिए तैयार हैं।

## खालिदा जिया को लंदन में अस्पताल से बेटे के घर शिफ्ट करने की तैयारी

**लंदन।** बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष बेगम खालिदा जिया को अस्पताल से उनके बेटे तारिक रहमान के लंदन स्थित किंग्स्टन निवास पर शिफ्ट किया जाएगा। उनके निजी चिकित्सक ने कहा कि वयोवृद्ध बेगम खालिदा जिया का इलाज अब तारिक रहमान के घर पर होगा। बेगम खालिदा इस समय द लंदन क्लिनिक में भर्ती हैं।


**कौमी पत्रिका**

**संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर**

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

**Corporate Office:**
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
**मोबाइल नंबर :** 9312262300

**E - mail address :**
qpatrika@gmail.com
**Website:** www.qaumipatrika.in

**R.N.I. No.**
**UP-HIN/2007/21472**

**Legal Advisors:**
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma


# डोनाल्ड ट्रंप को झटका, जन्मसिद्ध नागरिकता को सीमित करने वाले कार्यकारी आदेश पर अदालत ने लगाई रोक

एजेंसी

**वाशिंगटन ।** एक फेडरल जज ने संयुक्त राज्य अमेरिका में स्वतः जन्मसिद्ध नागरिकता के अधिकार को सीमित करने वाले कार्यकारी आदेश पर अस्थायी रोक लगा दी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल के पहले दिन यह एग्जीक्यूटिव ऑर्डर जारी किया था। जज ने इस आदेश को 'स्पष्ट रूप से असंवैधानिक' बताया।

इस बीच, ट्रंप ने अदालत के आदेश पर कहा, 'जाहिर है कि हम अपील करेंगे।' एमीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सिएटल स्थित अमेरिकी जिला जज जॉन कफनौर ने चार डेमोक्रेटिक नेतृत्व वाले राज्यों - वाशिंगटन, एरिजोना, इलिनोइस और ओरेगन - की अपील पर एक अस्थायी निरोधक आदेश जारी किया। रिपब्लिकन पूर्व राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन द्वारा नियुक्त जज ने इमिग्रेशन पर ट्रंप प्रशासन की कठोर नीतियों को पहला कानूनी झटका दिया। बता दें ट्रंप ने चुनाव अभियान के दौरान अवैध प्रवासियों का मुद्दा बार-बार उठाया था। न्यायाधीश ने ट्रम्प के आदेश का बचाव करने वाले अमेरिकी न्याय विभाग के वकील से कहा, 'मुझे यह समझने में परेशानी हो रही है कि बार का एक सदस्य स्पष्ट रूप से कैसे कह सकता है कि यह आदेश संवैधानिक है। यह मेरे दिमाग को चकरा देता है।' इससे पहले सोमवार को राष्ट्रपति

ने जन्मसिद्ध नागरिकता के खिलाफ एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करते हुए इसे 'बिल्कुल हास्यास्पद' अवधारणा करार दिया। उन्होंने यह भी दावा किया कि अमेरिका 'दुनिया का एकमात्र देश' है, जिसके पास ऐसा नियम है। कार्यकारी आदेश के मुताबिक अमेरिका में जन्मे बच्चे - [जिनके माता-पिता में से कम से कम एक नागरिक या वैध स्थायी निवासी नहीं है] - को अब स्वचालित रूप से अमेरिकी नागरिकता नहीं मिलेगी।

यह फेडरल एजेंसियों को ऐसे बच्चों के लिए अमेरिकी नागरिकता साबित करने वाले प्रासंगिक दस्तावेज जारी करने या मान्यता देने से भी रोकता है। यह आदेश अनधिकृत अप्रवासियों और अस्थायी वीजा पर अमेरिका में वैध रूप से रहने वालों के बच्चों को लक्षित करता है। अगर यह आदेश पारित हो जाता है तो अस्थायी वर्क वीजा या टूरिस्ट वीजा पर अमेरिका में रहने वाले लोगों के बच्चों को स्वचालित रूप से नागरिकता नहीं मिलेगी। ट्रंप ने आदेश पर जब से हस्ताक्षर किए हैं, तब से इसे चुनौती देते हुए कम से कम छह मुकदमे दायर किए गए हैं, जिनमें से अधिकांश नागरिक अधिकार समूहों और 22 राज्यों के डेमोक्रेटिक अटॉर्नी जनरल द्वारा दायर किए गए हैं।

## कश्मीरी गेट में आयोजित होगा राष्ट्रीय मतदाता दिवस

एजेंसी

**नई दिल्ली।** दिल्ली का मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय कश्मीरी गेट स्थित आईजीडीटीयू ऑडिटोरियम में 15वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस आयोजित करेगा। इस वर्ष की थीम 'मतदान से बढ़कर कुछ नहीं, मैं निश्चित रूप से मतदान करूंगा' है। दिल्ली के स्टेट आइकन पैरा ओलंपिक की जेवलिन थ्रो स्पर्धा में स्वर्ण पदक विजेता नीरज यादव, रेडियो जॉकी (आरजे) नावेद और ट्रांसजेंडर शाइन सोनी कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर युवा मतदाताओं को मतदाता फोटो पहचान पत्र (ईपीआईसी) वितरित किया जाएगा।योग्य अधिकारियों और कर्मचारियों को ट्रॉफी, प्रमाण पत्र और चेक सहित सर्वोत्तम चुनावी आचरण पुरस्कार-2024 प्रदान किया जाएगा।

## दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए 7,449 बुजुर्ग और दिव्यांग ने घर से मतदान का विकल्प चुना

**नई दिल्ली।** दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए घर से मतदान करने के लिए बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं से करीब 7,449 पुष्टिकरण फॉर्म प्राप्त हुए हैं जिन्होंने घर से मतदान की इच्छा व्यक्त की है। एक अधिकारी ने बताया कि कुल 1,09,063 में से 6399 अनुपस्थित मतदाता वरिष्ठ नागरिकों (एवीएससी) ने फॉर्म 12डी दाखिल करके घर से मतदान करने की सुविधा का लाभ उठाने की इच्छा व्यक्त की है। वहीं कुल 79,114 में से 1050 अनुपस्थित मतदाता दिव्यांग व्यक्ति (एवीपीडी) ने घर से मतदान करने की इच्छा व्यक्त करते हुए बीएलओ को अपने अनुरोध भेजे हैं।मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के अनुसार, उत्तर पश्चिम जिले में कुल 10001 एवीएससी से 362, वहीं कुल 8580 एवीपीडी में से 67 ने घर से वोट के विकल्प को चुना है। इसी प्रकार उत्तर पूर्व जिले में 5593-66 तथा 7030-47, दक्षिण जिले में 8651-543 तथा 5637-57, मध्य जिला 10686-273 तथा 7724-106, दक्षिण पश्चिम 9612-887 तथा 12235-244, पूर्व जिला 6906-534 तथा 5809-115, पश्चिम 14772-1050 तथा 6882-78, उत्तर जिला 15030-572 तथा 8949-102, नई दिल्ली 8892-986 तथा 3063-102, शाहदरा 8248-728 तथा 6434-75, दक्षिण पूर्व 10672-398 तथा 6771-57 ने घर से वोट का विकल्प चुना है।

## भाजपा में शामिल हुए कांग्रेस नेता शिवजी सिंह

**नई दिल्ली।** दिल्ली में विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस पूर्वांचल के दिल्ली में बिजवासन विधानसभा नेता शिवजी सिंह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हुए। भाजपा दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा तथा सांसद मनोज तिवारी ने पार्टी कार्यालय में पटका पहना कर स्वागत किया। शिवजी सिंह को पार्टी में शामिल करते हुए दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि विश्व भोजपुरी सम्मेलन में प्रसिद्ध कालाकारों का 15 साल से बौद्धिक और साहित्यिक प्रभाव रहा है। उन्होंने कहा कि सिंह के भाजपा में शामिल होने से पूर्वांचलियों में काफी प्रभाव पड़ेगा। इनके आने से भारतीय जनता पार्टी का आगामी विधानसभा चुनाव में प्रभुत्व बढ़ेगा। शिवजी सिंह ने बताया कि वह लगभग 35 साल से कांग्रेस पार्टी के लिए काम कर रहे हैं लेकिन कांग्रेस में अस्तित्व का सवाल आ गया था, इसलिए भाजपा में शामिल हो रहा हूं। उन्होंने कहा कि भाजपा के साथ मिलकर दिल्ली की जनता के काम करेंगे। उल्लेखनीय है कि दिल्ली में पांच फरवरी को वोट डाले जाएंगे और आठ फरवरी को मतगणना होगी।

## आआपा विधायक अमानतुल्लाह खान का बेटा बिना लाइसेंस चला रहा था मोडिफाइड बाइक, कटा चालान

**नई दिल्ली।** दिल्ली पुलिस ने मोडिफाइड साइलेंसर मोटरसाइकिल का उपयोग करने और ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों के साथ दुर्व्यवहार करने के आरोप में दो युवकों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। मोटर वाहन अधिनियम की कई धाराओं का उल्लंघन करने के लिए उन पर 20 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है। यह घटना तब हुई जब पुलिस टीम गणतंत्र दिवस से पहले दिल्ली के ओखला इलाके में गश्त कर रही थी। बताया गया कि युवक की बुलेट के मोडिफाइड साइलेंसर से तेज आवाज हो रही थी और वे बाइक को गलत साइड से आते हुए जिगजैग तरीके से चला रहे थे। दक्षिण-पूर्वी जिले के डीसीपी रवि कुमार सिंह ने बताया कि जब पुलिस ने उन्हें रोककर पूछताछ की तो उनमें से एक ने बताया कि मैं विधायक अमानतुल्लाह खान का बेटा हूं। पुलिस ने जब उससे गाड़ी के कागजात और लाइसेंस मांगा तो युवक ने कहा कि मेरे पिता विधायक हैं, मुझे लाइसेंस की जरूरत नहीं है। साथ ही उसने अमानतुल्लाह खान से वहां मौजूद एसएचओ की बात भी कराई। पुलिस के अनुसार जब उनसे नाम पूछा गया तो वे अपना बिना नाम-पता बताए फरार हो गए।

# रोहिणी विधानसभा के सेक्टर-8 में नेता प्रतिपक्ष ने पदयात्रा कर निवासियों की समस्याओं को जाना

एजेंसी

**नई दिल्ली।** दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और रोहिणी विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी विजेंद्र गुप्ता ने आज रोहिणी के सेक्टर -8 में पदयात्रा की । इस दौरान क्षेत्रीय निवासियों के साथ संवाद कर उनकी समस्याएं जानीं और अगले पांच साल में रोहिणी के विकास कार्यों का रोडमैप जनता के सामने रखा।

रोहिणी के सेक्टर-8 के प्रसिद्ध श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में जैन समाज के सैकड़ों प्रतिनिधियों ने भाजपा प्रत्याशी का स्वागत किया। इस अवसर पर रोहिणी के 24 जैन मंदिरों के प्रधान उपस्थित थे। विजेंद्र गुप्ता ने सेक्टर-8 के पॉकेट ई-16 से अपनी पदयात्रा का आगाज़ किया और सेक्टर-8 के ही पॉकेट सी-8 पर इसे खत्म किया।

इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए विजेंद्र गुप्ता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार के कामों को गिनवाया और केजरीवाल सरकार के

भ्रष्टाचार से अवगत करवाया। उन्होंने आरोप लगाया कि आआपा सरकार ने पिछले दस सालों के कुशासन में दिल्ली की जनता के लिए कुछ नहीं किया। आआपा ने केवल भ्रष्टाचार को बढ़ाया है और लोगों को सुविधाओं के नाम पर गुमराह किया।

गुप्ता ने बताया कि अपने आपको कट्टर ईमानदार बताने वाले केजरीवाल ने दिल्ली के जनता की गाढ़ी कमाई को अपने शीश महल पर बेदर्दी से लुटा दिया। अपने इस शीशमहल पर करोड़ों के संसाधन जुटाकर लोगों को कोरोना की महामारी में मरने के लिए छोड़ दिया।

इस अवसर पर उन्होंने मोदी सरकार के कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में केंद्र सरकार ने दिल्ली के विकास के लिए बहुत सारी विकास योजनाओं की सौगात दी है।

ईस्टर्न पेरिफेरियल रोड, दिल्ली मेरठ एक्सप्रेस वे, नया रिंग रोड, प्रगति मैदान टनल, द्वारका में कन्वेंशन सेंटर, प्रगति मैदान में भारत मंडपम, नेशनल वार मेमोरियल, नया संसद भवन, दिल्ली मेट्रो का नरेला तक विस्तार, सराय काले खां बस अड्डे से मेरठ तक रेपिड रेल, दिल्ली-मुम्बई एक्सप्रेस वे, दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस वे शामिल हैं।

उन्होंने जनता से अपील की कि अब आआपा सरकार को बदलने की जरूरत है और ये काम दिल्ली की प्रबुद्ध जनता हर हालत में करने के लिए तत्पर दिख रही है।

## भाजपा प्रत्याशी रमेश बिधूड़ी के खिलाफ आआपा ने की चुनाव आयोग से शिकायत

एजेंसी

**नई दिल्ली।** आम आदमी पार्टी की कालकाजी से उम्मीदवार एवं दिल्ली की मुख्यमंत्री अतिशी के चुनाव एजेंट ने भाजपा के उम्मीदवार रमेश बिधूड़ी के खिलाफ चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन करने की शिकायत दी है। शिकायत में कहा गया है कि रमेश बिधूड़ी ने गोविंदपुरी में पोलिंग बूथ के 80 मीटर की परिधि के भीतर चुनाव कार्यालय खोला है, जो चुनाव आयोग के नियमों का उल्लंघन करता है। चुनाव आयोग के नियमों के अनुसार चुनाव कार्यालय पोलिंग बूथ से 200 मीटर की परिधि में नहीं खोला जा सकता।

अतिशी के चुनाव एजेंट विजय कुमार ने विधानसभा क्षेत्र 51 कालकाजी के रिटर्निंग अधिकारी के पास उपरोक्त आशय की शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में कहा गया है कि रमेश बिधूड़ी ने गोविंदपुरी के बनारस हाउस, 1/42, डी.डी.ए. लोकल शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में चुनाव कार्यालय खोला है, जो गिरी नगर स्थित एमसीडी को-एड स्कूल के पास है और यह स्कूल मतदान केंद्र के रूप में इस्तेमाल होता है।

शिकायत के अनुसार यह चुनाव आयोग द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों का स्पष्ट उल्लंघन है। चुनाव आचार संहिता के नियमों के तहत मतदान केंद्र से 200 मीटर की निर्धारित दूरी की परिधि में कोई चुनाव कार्यालय नहीं खोला जा सकता है, ताकि मतदाताओं के लिए एक निष्पक्ष माहौल सुनिश्चित किया जा सके।

आम आदमी पार्टी द्वारा दी गई आधिकारिक शिकायत में मांग की गई है कि इस मामले की जांच की जाए। रमेश बिधूड़ी द्वारा खोले गए चुनाव कार्यालय को तुरंत बंद किया जाए। इस उल्लंघन के लिए जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाए।

## चुनाव जीतते ही कांग्रेस कूपन होगा जारी: देवेन्द्र यादव

एजेंसी

**नई दिल्ली।** दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष व बादली विधानसभा कांग्रेस के प्रत्याशी देवेन्द्र यादव ने स्वरूप नगर एक्सटेंशन और के ब्लाक जहांगीर पुरी में आयोजित जनसभाओं को संबोधित किया। देवेन्द्र यादव ने कहा कि जनता में बढ़ते विश्वास के बाद वह कह सकते हैं कि 8 फरवरी को दिल्ली विधानसभा चुनावों के नतीजे बदलाव के होंगे। देवेन्द्र यादव के चुनाव प्रचार के दौरान पंजाब फिरोजपुर सांसद शेर सिंह घुबाया, पूर्व सांसद खंडूर साहब, जसबीर सिंह डिंपा, होशियारपुर के पूर्व विधायक श्याम शुंदर अरोड़ा, पूर्व विधायक अमृतसर उत्तर सुनील दत्त मौजूद रहे। देवेन्द्र यादव ने जनता से अपील की कि पांच फरवरी को आपने क्षेत्र का विकास करने या हालत बरकार रहने का निर्णय करना है। मैंने विधायक रहते हुए क्षेत्र में जो विकास किया था,

पिछले 10 वर्षों में सत्ताधारी विधायकों ने पूरे क्षेत्र को बर्बाद कर दिया है। नालियां भरी हुई है, टूटी हुई है, गलियां चलने लायक नही, सड़कों पर बिना मानसून के पानी भरा रहता है। क्योंकि मुख्य निकासी पर नालें गंदगी के कारण भरे हुए हैं।

उन्होंने आगे कहा कि बिजली बिल की मार से लोग परेशान थे। लोगों की समस्या को दूर करने के लिए उन्होंने कांग्रेस कूपन जारी किया है। जिसके क्यूआर कोड को स्केन करके मुफ्त बिजली योजना का फार्म भरा जा सकेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार बनते ही इस योजना का लाभ सभी को मिलेगा। अंत में उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में झूठे वादे करके भाजपा और आम आदमी पार्टी ने दिल्ली वालों को धोखा दिया है। कांग्रेस जीत के बाद दिल्ली में उसी तर्ज पर अपनी गारंटियों को तुरंत लागू करेगी। जिस तरह कर्नाटक, हिमाचल, तेलंगाना, झारखंड में करके दिखाया है।

## केजरीवाल ने विपक्ष पर लगाया नकदी बांटने का आरोप

एजेंसी

**नई दिल्ली।** आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने विपक्ष पर नकदी और कपड़े आदि कीमती सामान बांट कर मतदाताओं को लुभाने का आरोप लगाया। उन्होंने मतदाताओं को सलाह दी कि वे राजनीतिक दलों से मुफ्त उपहार ले लें लेकिन वोट आआपा को दें। उन्होंने मतदाताओं को आश्वस्त किया कि मतदान गुप्त होता है इसलिए वे निश्चिंत रहें, किसी को पता नहीं चलेगा कि आपने पैसे लेने के बाद वोट उन्हें दिया या नहीं।

आआपा के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दिल्ली की जनता से कहा कि अक्सर चुनावों में कहा जाता है कि चुनाव से पहले वाली रात कत्ल की रात होती है। उस रात को खूब शराब, पैसे और मुर्गा बंटता है। लेकिन दिल्ली का यह चुनाव एक अलग ही चुनाव है।

इसमें चुनाव से डेढ़ महीने पहले से ही खुलेआम पैसे और सामान बंटना शुरू हो गया है। 1100-1100 रुपये, चादरें, साड़ियां, जूते, कंबल, जैकेट, राशन और सोने की चेन बंट रही है। यह सब पुलिस के संरक्षण में बांटा जा रहा है। केजरीवाल ने कहा कि ये जितना सामान और पैसा बांट रहे हैं, सब ले लो। चिंता मत करो। लेकिन अपना वोट मत बेचना। 1100-1100 रुपये में वोट मत बेचना। एक साड़ी, चादर और जूते की जोड़ी के बदले अपना वोट कतई मत बेचना। वोट बेशकीमती है। केजरीवाल ने कहा कि जिसे मर्जी अपना वोट दे दो लेकिन जो आपके वोट खरीदने की कोशिश कर रहा है, उसे कतई वोट मत देना। केजरीवाल ने कहा कि 1100 रुपये, साड़ी और जैकेट देने वाले आपको धमका रहे हैं कि अगर उन्हें वोट नहीं दिया तो पता चल जाएगा। किसी को भी नहीं पता चलता है कि आप किसे वोट दे रहे हैं। इसलिए सारा सामान ले लो, वोट अपनी मर्जी से देना। आप लोगों को किसी से डरने की जरूरत नहीं है।

# गणतन्त्र दिवस के उपलक्ष पर क्रांतिकारियों को शहीद का दर्जा मिले - पम्मा व राकेश यादव

**नई दिल्ली।**सदर बाजार में फेडरेशन ऑफ सदर बाजार ट्रेड एसोसिएशन की ओर से चेयरमैन परमजीत सिंह पम्मा अध्यक्ष श्री राकेश यादव की अध्यक्षता में गणतन्त्र दिवस भारत की आजादी के लिए अपनी जान गंवाने वाले क्रांतिकारियों को श्रद्धांजलि देकर आजादी के लिए अपनी जान गंवाने वाले भगत सिंह जी राजगुरु जी, सुखदेव जी, चंद्रशेखर आजाद जी, अशफ़ाक़ुल्लाह खाँ जी, राम प्रसाद %बिस्मिल% जी सहित अन्य क्रांतिकारियों को शहीद का दर्जा देने की मांग की। इस अवसर पर फेडरेशन के महासचिव राजिन्दर शर्मा, कमल कुमार, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुरेंद्र महेंद्रु, कोषाध्यक्ष दीपक मित्तल, सहकोषाध्यक्ष गोपाल ग्रोवर व उपाध्यक्ष रमेश सचदेवा सहित

अनेक व्यापारियों ने क्रांतिकारियों को श्रद्धांजलि दी।

परमजीत सिंह पम्मा व राकेश यादव ने कहा सरकार को क्रांतिकारियों को शहीद का दर्जा देने की घोषणा करती है तो इससे बढ़कर बड़ी श्रद्धांजलि कुछ नहीं हो सकती। क्योंकि जब भी किसी क्रांतिकारी का जन्मदिन या शहीद दिवस आता है तो हम हमेशा सरकार से यही मांग करते हैं।

परमजीत सिंह पम्मा व राकेश यादव ने कहा बड़े दुख की बात है कोई मंत्री बन जाए या फिर नेता बन जाए उसको और उसके परिवार को सरकार की ओर से सभी सुविधाएं मिलती हैं मगर हमारे क्रांतिकारी जिन्होंने देश के लिए अपनी जान कुर्बान कर दी उनको शहीद का दर्जा तक नहीं ना ही उनके परिवार को किसी प्रकार की भी कोई सुविधा यह एक बड़ा गंभीर विषय है जिसके लिए सरकार को जल्द से जल्द निर्णय करके क्रांतिकारियों को शहीद का दर्जा देना चाहिए और उनके परिवार को सभी सरकारी सुविधा उपलब्ध कराने का निर्णय लेना चाहिए क्योंकि इससे हमारे नौजवानों में आने वाले समय में और देशभक्ति की भावना जागती है ।

## गणतंत्र दिवस पर तड़के तीन बजे से चलेगी मेट्रो

एजेंसी

**नई दिल्ली।**गणतंत्र दिवस के मौके पर दिल्ली मेट्रो ने अपनी ट्रेन सेवा शुरू होने के समय में बदलाव किया है। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) के प्रवक्ता अनुज दयाल ने बतायाा कि मेट्रो ट्रेन 26 जनवरी को सभी लाइन पर तड़के 3 बजे से शुरू हो जाएगी।

उन्होंने बताया कि देश भर में गणतंत्र दिवस के जश्न के अवसर पर दिल्ली मेट्रो 26 जनवरी 2025 को तड़के 3:00 बजे सभी लाइनों पर अपनी सेवाएं शुरू करेगी। ट्रेनों को सुबह जल्दी चलाने का उद्देश्य है कि लोग कर्तव्य पथ पर समय से पहुंच सकें और गणतंत्र दिवस समारोह देख सकें। उन्होंने आगे बताया कि यात्रियों के लिए सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए सुबह 6:00 बजे तक 30 मिनट के अंतराल पर ट्रेनें चलेंगी। इसके बाद दिन के बाकी समय के लिए नियमित टाइम टेबल का पालन किया जाएगा।

# मुनीश रायज़ादा ने राले गण सिद्धि में अन्ना हज़ारे से की मुलाकात

**नई दिल्ली।** 25 जनवरी 2025 को भारतीय लिबरल पार्टी के अध्यक्ष और दिल्ली विधानसभा चुनाव में नई दिल्ली विधानसभा सीट से उम्मीदवार डॉ. मुनीश कुमार रायज़ादा ने महाराष्ट्र के महाराष्ट्रा के रालेगण सिद्धि में प्रसिद्ध समाजसेवी और 2011 के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन के नेता अन्ना हज़ारे से मुलाकात की। डॉ. रायज़ादा अन्ना आंदोलन के शुरुवाती दिनों से जुड़े हुए थे। उन्होंने इस आंदोलन का समर्थन अमेरिका के शिकागो से, जहाँ उनका 22 वर्षों का मेडिकल करियर (नियोनेटोलॉजिस्ट) रहा है, और भारत दोनों जगहों से किया।

अपनी इस मुलाकात में, डॉ. रायज़ादा ने अन्ना हज़ारे को एक पत्र सौंपा और दिल्ली की राजनीतिक स्थिति और वर्तमान में चल रहे विधानसभा चुनावों पर चर्चा की। अपने पत्र में, डॉ. रायज़ादा ने लिखा कि दिल्ली में तीनों पार्टियां - आम आदमी पार्टी (क), भारतीय जनता पार्टी ( , और कांग्रेस - जनता के बीच

वोट खरीदने के लिए नकद और शराब बाँट रही हैं इससे लोकतंत्र और निष्पक्ष चुनाव की प्रक्रिया को नुकसान पहुँच रहा है। डॉ. रायज़ादा ने अपने पत्र में यह भी कहा कि कैसे अन्ना जी के मार्गदर्शन में शुरू हुए भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन को एक राजनेता (अरविंद केजरीवाल) ने दूषित कर दिया है। डॉ रायज़ादा पत्र में आगे लिखते हैं कि अरविंद केजरीवाल भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई को बहुत नुकसान पहुँचाया है और अन्ना आंदोलन की छवि को बर्बाद कर दिया है।

डॉ. रायज़ादा के प्रयासों का समर्थन करते हुए और उनके द्वारा सौंपे गए पत्र का उत्तर देते हुए, अन्ना हज़ारे ने डॉ. रायज़ादा और सुनील लाल के साथ बैठकर एक वीडियो संदेश जारी भी किया। इस वीडियो संदेश में अन्ना हज़ारे ने धन और शराब के उपयोग का विरोध किया और दिल्ली की जनता से ईमानदार राजनीति का समर्थन करने और आगामी 5 फरवरी को होने वाले विधानसभा चुनाव में ईमानदार और नैतिक नेताओं को वोट देने की अपील की।

डॉ. मुनीश कुमार रायज़ादा ने नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र में चार महीने से ज़मीनी प्रचार के माध्यम से काफी समर्थन प्राप्त किया है। डॉ रायज़ादा ने डोर टू डोर कैंपेनिंग, नुक्कड़ नाटक और स्थानीय बैठकों के माध्यम से अपने क्षेत्र के लोगों से लगातार संपर्क कर रहे हैं।

### नाम परिवर्तन

मैं नितिन भागवतराव कामड़े पुत्र भागवतराव कामड़े स्थायी रूप से आदर्श नगर, कापसे चौक, गुप्ता किराना स्टोर के पास, गरोबा मैदान, बगड़गंज, नागपुर, महाराष्ट्र-440008 में रहता हूं, वर्तमान में एसी-29, ब्लॉक एसी टैगोर गार्डन, नई दिल्ली-110027 में रहता हूं। मेरी 15 साल की बेटी रूपेरी का नाम बदल दिया गया और वह अब रूपेरी नितिन कामड़े के नाम से जानी जाएगी।

### NAME CORRECTION

I, BHUPENDER SINGH S/o SH. RAM PRKASH R/o Ho No. 108, Street No.3, Shakti Vihar, DAYAL PUR, North East, Delhi-110094 have changed my name from BHUPENDRA SINGH to BHUPENDER SINGH for all future purposes. That both names i.e. BHUPENDRA SINGH and BHUPENDER SINGH are same of one person.

### NAME CHANGE

It is for general information that I OMPRAKASH TRIPATHI S/O CHANDER SHEKHAR R/O N-116/411, J.J. Camp Badli, North West Delhi, Delhi-110042, declare that name of mine and my has been wrongly written as RAM JI DUBEY and MEENA in my minor daughter SANJANA aged 14 years in her school record. The actual name of mine and my wife are OMPRAKASH TRIPATHI and VIJAY LAXMI respectively which may be amended accordingly.

### NAME CHANGE

I, RAMAGOUDA is the father of No. 16136088X SPR, CHETAN TOPUGOL R/O HEBBAGODI, TQ: ANEKAL, STATE: KARNATAKA 560099 have changed my name from RAMAGOUDA to RAMAGOUDA TOPUGOL Vide Affidavit No. IN-KA27025658132522X dated: 20/01/2025 Sworn Before Vinod B. Patil Notary, Chikodi.

### NAME CHANGE

I, LAXMIBAI is the mother of No. 16136088X SPR, CHETAN TOPUGOL R/O HEBBAGODI, TQ: ANEKAL, STATE: KARNATAKA 560099 have changed my name from LAXMIBAI to LAXMIBAI TOPUGOL Vide Affidavit No. IN-KA27022462317089X dated: 20/01/2025 Sworn Before Vinod B. Patil Notary, Chikodi.

### सार्वजनिक सूचना

मैं अरुण यादव पुत्र स्वर्गीय श्री पहलाद सिंह निवासी गांव कनाहरवास, पोस्ट ऑफिस-कोसली, जिला रेवाड़ी, हरियाणा सूचित करता हूं कि मेरे पिता श्री पहलाद सिंह का देहांत 31 जनवरी 2002 को हो गया था। उनकी मृत्यु के बाद उनके कानूनी उत्तराधिकारी निम्नानुसार हैं-
(क) श्रीमती शकुंतला देवी पत्नी
(ख) सुमन यादव पुत्री
(ग) अनिल यादव पुत्र
(घ) अरुण यादव पुत्र
2. आम जनता को सूचित किया जाता है कि इन बताए गए वारिसों के अलावा कोई अन्य कानूनी वारिस नहीं है। यदि किसी को इन वारिसों के सम्बन्ध में कोई आपत्ति हो तो 30 दिन के अन्दर नगर परिषद रेवाडी में सम्पर्क करें।
**आवेदक-अरुण यादव**

### NAME CHANGE

I hitherto known as known as RESHMA KHATUN alias ALIA D/O AFTAM ALAM W/O SHAHNAWAZ R/O D-1/7, F/F Gali No. 4, Opp. SVN Public School, Kabir Nagar Gokul Puri North East Delhi, Delhi-110094, have changed my name and shall hereafter be known as RESHMA KHATUN.

### NAME CHANGE

I hitherto known as BALVINDER MOHAN alias BALVINDER MOHAN DHAWAN S/O RAJ KUMAR DHAWAN R/O B-413, Amrapali Leisure Valley, Greater Noida West Surajpur, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201306, have changed my name and shall hereafter be known as BALVINDER MOHAN DHAWAN.

### NAME CHANGE

I, CHANDER SINGH Father of No.-15233758F Rank-NK Name-BIJAY PAL Presently residing at VILL-SHAHJAHNPUR, PO-CHANDPUR (190), DIST-FARIDABAD, HARYANA-121101, have changed my name from CHANDER SINGH to CHANDRA PAL for all future purposes vide Affidavit dated 25/01/2025 before Notary Public, Delhi.

### NAME CHANGE

I, Mrs. ESHEY DOLMA W/O TSERING NAMGIAL R/o TARCHIT, UT, LADAKH-194101 have changed my name to Mrs. ISHEY DOLMA for all future purpose.

### NAME CHANGE

I, KM SHEBA MEHARBAN W/O MUHAMMAD RASHID QURESHI Residing at H NO-A-6/24 GALI NO-3 NEAR INSHA ALLAH MASJID, CHAUHAN BANGER SEELAMPUR, NORTH EAST, DELHI 110053 have changed my name to SHEEBA RASHID for all future purpose.

### NAME CHANGE

I, RUCHIKA RASTOGI W/o GAURAV RASTOGI residing at SA - 18/1, Shastri Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201002 have changed the name of my minor Daughter ANNIE RASTOGI alias PEARRL RASTOGI aged 14 years and she shall hereafter be known as PEARRL RASTOGI.

### NAME CHANGE

I, No-17004462H Rank-NK (AUTO TECH B VEH) Name-NARENDRA KUMAR Residing at VPO-SIKAN-DARPUR KARAN, TEHSIL-UNNAO, DIST-UNNAO, UTTAR PRADESH-209801 have change my father's name from SONELAL AWASTHI to SONE LAL for all future purposes vide Affidavit dated 25/01/2025 before Notary Public, Delhi.

### NAME CHANGE

I, No-17004462H Rank-NK (AUTO TECH B VEH) Name-NARENDRA KUMAR Residing at VPO-SIKAN-DARPUR KARAN, TEHSIL-UNNAO, DIST-UNNAO, UTTAR PRADESH-209801, have changed my mother's name from SAVITRI DEVI to SHAKUNTLA AWSTHI for all future purposes and in my service records my mother's date of birth wrongly mentioned as 02/08/1960 instead of her correct date of birth as 08/09/1958 vide Affidavit dated 25/01/2025 before Notary Public, Delhi.

### NAME CHANGE

I, SHEELA DEVI Mother of No.-15233758F Rank-NK Name-BIJAY PAL Presently residing at VILL-SHAHJAHNPUR, PO-CHANDPUR (190), DIST-FARIDABAD, HARYANA-121101, have changed my name from SHEELA DEVI to SHEELA for all future purposes vide Affidavit dated 25/01/2025 before Notary Public, Delhi.

### NAME CHANGE

I, PRAMEELA SHARMA Mother of No.-8036259Y Rank-HAV Name-DHARMENDRA KUMAR SHARMA Presently residing at VILL-KHANUA, PO-VIDYAPATI NAGAR, DIST-SAMASTIPUR, BIHAR-848503, have changed my name from PRAMEELA SHARMA to PARMILA SHARMA for all future purposes vide Affidavit dated 25/01/2025 before Notary Public, Delhi.

### NAME CHANGE

I, hitherto know as Kavya Sharma S/O Manoj Kumar R/O House no-2, Ward NO-31, Near Attri Property, Sec-2, Huda, Palwal, Haryana - 121102. have changed my name and shall hereafter be known as to Tanuj Sharma.

### NAME CHANGE

I, Jyoti W/O Amit Kumar,R/O House No-154, Near Old Shiv Mandir,Singhu,North West Delhi-110040,have changed the name of my minor son Praansh alias Kavish aged 5 years and he shall hereafter be known as Kavish.

### NAME CHANGE

I, RAMESH KAUSHIK S/o Lalgudi Mahalingam Ramamurthy, R/O, 1001, Hillscapes Pashan Baner Link Road , Pashan,PUNE , MAHARASHTRA , 411021,have shifted my name KAUSHIK from given name to Surname. AS RAMESH KAUSHIK for all future purposes

### NAME CHANGE

It is for general information that I, BABITA KUMARI W/o HARSH KUMAR GULERIA R/o Flat No. - 189, Pkt-C, DDA Janta Flat Hastsal, Uttam Nagar, PO: D.K Mohan Garden, Dist : West Delhi, Delhi - 110059, declare that name of my minor daughter has been wrongly written as SIMRAN in my minor daughter namely SIMRAN GULERIA, aged 13 year in her School Record. The actual name of my minor daughter is SIMRAN GULERIA respectively, which may be amended accordingly.

### NAME CHANGE

It is for general information that I, SONIYA KHATOON W/o MOHAMMAD GUDDU R/O H.No. - E-45, GALI No.-11, Swami Shardhanand Colony, Mangal Bajar Gola Chowk, Bhalswa Dairy, Libas Pur, Dist North West Delhi - 110042 declare that name of mine has been wrongly written as SONI in my minor Daughter namely SHAMA PARVEEN aged 15 year in her school record. The actual name of mine is SONIYA KHATOON which may be amended accordingly.

### NAME CHANGE

I, SONU AGGARWAL S/o CHHEDI LAL AGGARWAL residing at H.No. - A150, Kilokari Village, South Delhi, Delhi - 110014 have changed the name of my minor Son NAVYA AGGARWAL, aged 15 years and he shall hereafter be known as NIKHIL AGGARWAL.

### NAME CHANGE

I, AFREEN W/O NASEEM SAFI Residing at H NO-S-21 MAIN ROAD BRAHAMPURI NEAR MAZAR, GAUTAMPURI SEELAMPUR, NORTH EAST, DELHI 110053 have changed my name to AAFRIN for all future purpose.

### NAME CHANGE

I, MUSTAQEEM S/O SHAREEF AHMED Residing at H. NO.A-49 A-BLOCK MAIN ROAD, SHASTRI PARK, DELHI 110053 have changed my name to MUSTKEEM AHMED for all future purpose

### NAME CHANGE

I hitherto known as Gian Chand S/o Bakshi Ram R/o B-358, 1st Floor, Sudershan Park, Ramesh Nagar, West Delhi, Delhi-110015 have changed my name and shall hereafter be known as Gyan Chand.

### NAME CHANGE

I hitherto known as Ravi Kumar S/o Ram Kishore R/o 7284 Prem Nagar, Shakti Nagar, Malka Ganj, Delhi North Delhi, Delhi-110007 have changed my name and shall hereafter be known as Bintoo Gupta.

### NAME CHANGE

I hitherto known as Dhan Bahadur alias Dilip Birgha S/O BIRU BIRGHA, R/O B-42, GAUTAMPURI PHASE-2, Badarpur, South Delhi, Delhi - 110044,have changed my name and shall hereafter be known as Dilip Birgha.

### PUBLIC NOTICE

Mr. Brian Felix Fernandes and Mrs. Monica Fernandes Owner of the Residential Flat/Dwelling Unit No. 122, on 1st Floor in Tower- F, having a total super area 1067.5 sq. ft., in the "Supertech Eco-Village-III" built on Plot No. GH-06, situated at Sector-16B, Greater Noida, Distt. Gautam Budh Nagar, U.P Mr. Brian Felix Fernandes and Mrs. Monica Fernandes have lost Original page no 6 to 16 of Allotment Letter dated 31/08/2015 issued by M/s Supertech Ltd in favour of Mr. Brian Felix Fernandes and Mrs. Monica Fernandes , for which complaint lodged to the police. That any person(s)/Appropriate authority etc. if finds the misplaced pages of Allotment aforesaid said person may come forward and inform the undersigned within 15 days from the date of Publication.

**RAHUL KUMAR GUPTA**
**ADVOCATE**
43B, Third Floor, Patparganj Village, MayurVihar, Phase-1, Delhi. M-NO-7252922875

### PUBLIC NOTICE

Mr. Nitin Goel Owner of the Residential House no 1307 , Block - B , in the residential colony Known as Ansal's Palam Vihar Gurgaon Teh. and Distt. Gurgoan , Haryana . Mr. Nitin Goel have lost Original Allotment Letter issued by M/s Ansal Properties and Industries (P) Ltd. In favour of Mrs. Saroj Gargi Goswami , for which complaint lodged to the police. That any person(s)/Appropriate authority etc. if finds the misplaced Allotment letter aforesaid said person may come forward and inform the undersigned within 15 days from the date of Publication.

**RAHUL KUMAR GUPTA**
**ADVOCATE**
43B, Third Floor, Patparganj Village, MayurVihar, Phase-1, Delhi. M-NO-7252922875

### NAME CHANGE

It is for general information that I, SONIYA KHATOON W/o MOHAMMAD GUDDU R/O H.No. - E-45, GALI No.-11, Swami Shardhanand Colony, Mangal Bajar Gola Chowk, Bhalswa Dairy, Libas Pur, Dist North West Delhi - 110042 declare that name of mine and my husband have been wrongly written as SANA BEGAM and GUDDU in my minor daughter namely RUKSAR KHATUN aged 13 years in her School Record. The actual name of mine and my husband are SONIYA KHATOON and MOHAMMAD GUDDU respectively which may be amended accordingly.

## उपमंडल स्तर पर गणतंत्र दिवस समारोह की फुल ड्रेस रिहर्सल आयोजित

एजेंसी

**नांगल चौधरी।** उपमंडल स्तर पर चौधरी बैजनाथ महिला कॉलेज में मनाए जाने वाले गणतंत्र दिवस समारोह की आज फुल ड्रेस रिहर्सल की गई। एसडीएम मनोज कुमार ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इसके बाद उन्होंने परेड निरीक्षण किया तथा मार्च पास्ट की सलामी ली। उपमंडल स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में एनआईटी फरीदाबाद विधायक सतीश कुमार फागना मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत कर ध्वजारोहण करेंगे। एसडीएम ने संबोधित करते हुए कहा कि 26 जनवरी का दिन भारत के इतिहास में एक स्वर्णिम दिन है। गणतंत्र दिवस के अवसर पर हम अपने देश के प्रति अपनी श्रद्धा और समर्पण को व्यक्त करते हैं। यह दिन हमें हमारे संविधान की याद दिलाता है, जो हमारे देश का मूलभूत कानूनी दस्तावेज है।फुल ड्रेस रिहर्सल के बाद उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे पूरे उत्साह के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाएं। उन्होंने सभी सांस्कृतिक कार्यक्रमों के टीम के इंचार्ज को निर्देश दिए कि वे बच्चों का लगातार अभ्यास करवाते रहें। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रमों का समय निश्चित होना चाहिए।उन्होंने झांकियों के संबंध में भी अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी अपनी-अपनी झांकियों को सही वक्त पर मैदान में लेकर पहुंचे।

## विकास कार्य पूरा होने से पहले न किए जाए रनिंग पेमेंट : कृष्णपाल गुर्जर

**पलवल।** केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर की अध्यक्षता में जिला सचिवालय स्थित सभागार में जिला परिषद विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की बैठक हुई, जिसमें उन्होंने केंद्र व प्रदेश सरकार से संबंधित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को कहा कि पलवल जिला में जितने भी विकास कार्य चल रहे हैं उनके पूरा होने पर उस क्षेत्र के तीन प्रमुख लोगों के बिल पर हस्ताक्षर करवाकर भी पास किए जाए। वहीं कार्य पूर्ण होने से पहले रंनिग पेमेंट न की जाए। इस आदेशों की अवहेलना करने पर संबंधित विभाग का अधिकारी जिम्मेदार होगा। उन्होंने कहा कि पलवल जिला से रंगदारी और सट्टा को पूर्णत रोका जाए। इसके अलावा गलत काम में शामिल लोगों को किसी भी सूरत में नहीं बख्शा जाए। इस दौरान उन्होंने जिला में चल रहे विकास कार्यों के बारे में संबंधित विभागों के अधिकारियों से जानकारी लेकर उन्हें जल्द से जल्द पूरा करवाने को लेकर दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने जिला में बनने वाले मेडिकल कॉलेज, घुघेरा स्टेडियम, मंडकोला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सहित अन्य विकास कार्यों के निर्माण कार्यों को जल्द पूरा करवाने के निर्देश दिए। उन्हें संबंधित अधिकारी द्वारा बताया गया कि रसूलपुर मार्ग पर रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है।

## नगर निगम गुरुग्राम में अतिरिक्त निगमायुक्त ने सुनी जन शिकायतें

**गुरुग्राम।** नगर निगम गुरुग्राम द्वारा आयोजित समाधान शिविर में अतिरिक्त निगमायुक्त महावीर प्रसाद ने नागरिकों की समस्याओं को सुना। अधिकारियों को निर्धारित समय सीमा में शिकायतों का समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर एवेन्यू 69 आरडब्ल्यूए के प्रतिनिधियों ने स्ट्रीट लाइट्स और सडक़ों की मरम्मत संबंधी शिकायत दर्ज करवाई। वहीं, डीएलएफ फेज-2 निवासी शिवजीत सिंह ने प्रॉपर्टी टैक्स डाटा में सुधार की मांग को लेकर शिकायत की। अतिरिक्त निगमायुक्त महावीर प्रसाद ने अधिकारियों को तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि ऐसे समाधान शिविरों का आयोजन नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि सभी शिकायतों का शीघ्र और प्रभावी समाधान किया जाएगा। नागरिकों ने समाधान शिविर की पहल को सराहा और उम्मीद जताई कि इस तरह की और पहलें भविष्य में भी जारी रहेंगी।

## तावडू में सड़क दुर्घटना में उपचार के दौरान एक व्यक्ति की मौत, मामला दर्ज

**तावडू।** उपमंडल के गांव भडंगपुर चौक के समीप एक तेज रफ्तार गाड़ी ने एक बाइक में पीछे से टक्कर मार दी। इस सड़क दुर्घटना में बाइक पर सवार एक युवक को अधिक चोटों के कारण उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के साथी की शिकायत पर गाड़ी के अज्ञात चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

गांव रानियाकी निवासी लखन ने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि वह व उसके साथ सुभाष निवासी नीलम चौक भिवाड़ी उसके साथ मेहनत मजदूरी का काम करता है। जो गत 19 जनवरी को गांव बावला में मेहनत मजदूरी का काम कर रहे थे। जो काम खत्म होने के बाद वह अपने साथी सुभाष को बाइक पर नीलम चौक भिवाड़ी छोडने के लिए जा रहा था। बाइक को वह स्वयं चला रहा था और जब वह गांव भडंगपुर चौक पर पहुंचे तो पीछे से एक गाडी बुलैरो का चालक अपनी गाडी को बड़ी तेज रफ्तार व लापरवाही से चलाता हुआ तावडू की तरफ से आया। जिसने उसकी बाइक में पीछे से टक्कर मारी, जिससे वह बाइक सहित सडक़ पर गिर गये। उसे व उसके पीछे बैठे हुए सुभाष के पैर व सिर में चोटे लगी तथा उसे भी चोटें लगी। गाडी चालक गाडी को मौका पर छोडक़र भाग गया। राहगीरों ने उसे व सुभाष को ईलाज के लिए ग्लोबल अस्पताल में भेज दिया, जहां अधिक चोटों के कारण दिल्ली अस्पताल रैफर कर दिया।

# पांच साल में दो लाख युवाओं को देंगे सरकारी नौकरी : नायब सैनी

एजेंसी

**चंडीगढ़।** हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश सरकार आगामी पांच सालों में योग्यता के आधार पर प्रदेश के युवाओं को दो लाख सरकारी नौकरियां देगी। इस सरकार ने पिछले 10 सालों में एक लाख 71 हजार युवाओं को सरकारी नौकरियां दी है। इस सरकार ने युवाओं को सरकारी नौकरियां देने के साथ-साथ अपना रोजगार स्थापित करने के लिए विभिन्न योजनाओं को अमलीजामा पहनाने का काम किया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आईजीएन कॉलेज धनौरा लाडवा (कुरुक्षेत्र) के स्वर्ण जयंती समारोह में बोल रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री ने कॉलेज की तरफ से आयोजित हवन यज्ञ में आहुति डाली और शिक्षण संस्थान के संस्थापक स्वर्गीय ओम प्रकाश गर्ग की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। इसके बाद मुख्यमंत्री ने कॉलेज के

प्रांगण में पौधारोपण किया। मुख्यमंत्री ने कालेज की स्वर्ण जयंती की स्मारिका का विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने संस्थान के 51 वर्ष पूरे होने पर शिक्षकों, विद्यार्थियों और प्रबंधकों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में युवाओं को शिक्षित करने के लिए वर्ष 1974 में आईजीएन कॉलेज की स्थापना की गई। इस 50 साल के ऐतिहासिक सफर में शिक्षण संस्थान ने हजारों विद्यार्थियों को अच्छा नागरिक बनाने और उन्हें हुनरमंद बनाने का काम किया है। विकसित हरियाणा के लक्ष्य को पूरा करने के लिए आईजीएन कॉलेज जैसे शिक्षण संस्थान का अहम योगदान रहेगा। प्रदेश व देश को प्रगति के पथ पर आगे ले जाने में शिक्षण संस्थानों का सबसे महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने युवाओं को उच्च शिक्षा प्रदान करने के लिए 79 राजकीय कॉलेज खोलने का काम किया। इसमें से 32 कॉलेज बेटियों के लिए ही बनाए गए है। अब प्रदेश में हर 20 किलोमीटर के दायरे में राजकीय कालेज स्थापित किया जा चुका है। इसके अलावा 13 नए विश्वविद्यालय स्थापित किए गए है।

## अमृत सरोवर योजना में हो रहा है करोड़ों का घोटाला, होनी चाहिए जांच : हुड्डा

एजेंसी

**चंडीगढ़।** पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा का कहना है कि अमृत सरोवर योजना के तहत प्रदेश में सैंकड़ों करोड़ का घोटाला हुआ है। जल संरक्षण के लिए केंद्र और राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई इस योजना में हर स्तर पर गड़बड़झाला देखने को मिल रहा है। क्योंकि जमीन पर जो काम पूरे भी नहीं हुए, उनको रिकॉर्ड में पूरा दिखा दिया गया। दलदल से लबालब तालाबों को भी योजना के तहत रिकॉर्ड में अमृत सरोवर घोषित कर दिया गया। हुड्डा ने कहा कि आरटीआई के जरिए जो जानकारी निकल कर सामने आई है, उससे स्पष्ट हो जाता है कि इस योजना के नाम पर करोड़ों रुपये का खेल हुआ है। इस योजना के लिए जारी कुल बजट 25,390.96 लाख के मुकाबले अब तक करीब 29,331.81 लाख रुपए खर्च कर दिए गए यानी बजट से 3940.85 लाख रुपए अधिक खर्च किए गए। प्रदेश के हर जिले में जारी बजट के मुकाबले अधिक खर्च किया गया और सौंदर्यकरण का कोई भी काम किए बिना, तालाबों को अमृत सरोवर घोषित कर दिया गया। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। संभावना है कि इसमें नीचे से ऊपर के स्तर के पदों पर बैठे लोगों की भूमिका हो सकती है। क्योंकि इतना बड़ा गड़बड़झाला बिना सरकार की मिलीभगत के नहीं हो सकता। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि हरेक योजना और हरेक कार्य में घोटाले करना बीजेपी की आदत बन चुकी है। अमृत सरोवर योजना से पहले बीजेपी सरकार के दौरान प्रदेश में सरकारी एंबुलेंस घोटाला(सीएजी रिपोर्ट), दवाई खरीद घोटाला(सीएजी रिपोर्ट), मनरेगा घोटाला, FPO घोटाला, सहकारिता घोटाला, शराब घोटाला, जहरीली शराब घोटाला, CAG आबकारी घोटाला, HSSC भर्ती घोटाला, HPSC घोटाला, पेपर लीक घोटाला, कैश फॉर जॉब, डाडम खनन घोटाला, नूंह खनन घोटाला, यमुना खनन घोटाला, ग्वाल पहाड़ी घोटाला जैसे मामले सामने आ चुके हैं।

# मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का जन्म दिन धूमधाम से मनाएंगे कार्यकर्ता : बड़ौली

एजेंसी

**चंडीगढ़।** भारतीय जनता पार्टी की कोर ग्रुप की महत्वपूर्ण बैठक गुरुग्राम में हुई। बैठक में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, भाजपा के प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली, केंद्रीय संसदीय बोर्ड की सदस्य डा. सुधा यादव, केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह, केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर, कैबिनेट मंत्री अनिल विज, मंत्री कृष्ण बेदी, राज्यसभा सांसद सुभाष बराला, संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा, प्रदेश महामंत्री डा. अर्चना गुप्ता, सुरेंद्र पूनिया, पूर्व मंत्री राम बिलास शर्मा, पूर्व मंत्री कैप्टन अभिमन्यु, पूर्व मंत्री डा. कमल गुप्ता, पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल आदि कोर कमेटी के नेताओं ने लगभग दो घंटे तक पार्टी के आगामी कार्यक्रमों की योजना, संगठन विस्तार और संगठनात्मक नियुक्तियों पर मंथन किया। बैठक में दिल्ली विधानसभा चुनाव जिताने में हरियाणा के नेताओं द्वारा निभाई जा रही भूमिका पर भी बातचीत हुई। बैठक में सदस्यता अभियान, संगठनात्मक चुनाव की समीक्षा भी की गई। सबसे पहले प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने बैठक के एजेंडों को रखा। इसके बाद एक के बाद एक विषयों पर गहनता से चर्चा

हुई। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने यहां सरकार द्वारा जनहित में उठाए गए कदमों की जानकारी भी रखी। वहीं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने भी संगठन की चुनावी प्रक्रिया के बारे में बताया। प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया ने तय किए गए कार्यक्रम समय पर पूरा करने की उम्मीद जताई। आज की बैठक में संविधान गौरव अभियान के बारे में विस्तार से चर्चा हुई। यह अभियान पूरे एक वर्ष तक चलेगा। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी पर चल रहे कार्यक्रम भी साल भर जारी रहेंगे।प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने बैठक की जानकारी देते हुए कहा कि हरियाणा में अभी तक 44 लाख भाजपा के सदस्य बने हैं और 41 हजार सक्रिय सदस्य बना लिए गए हैं। बड़ौली ने कहा कि भाजपा वन नेशन, वन इलेक्शन को लेकर गंभीर है और आज इस विषय पर भी गंभीरता से चर्चा हुई है और प्रदेश में बड़े-बड़े कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि 25 जनवरी को हरियाणा भाजपा सरकार के 100 दिन पूरे हो रहे हैं। 25 जनवरी को ही मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का जन्म दिन है जिसे कार्यकर्ता धूमधाम से मनाएंगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि विधानसभा चुनाव में भाजपा ने संकल्प पत्र में जो वादे किए हैं उन्हें पूरी तरह से लागू किया जाएगा।

# महिला योजनाओं की ट्रैकिंग के लिए बाल विकास मंत्री ने 'सम्मान संजीवनी' ऐप किया लांच

एजेंसी

**चंडीगढ़।** हरियाणा की महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रुति चौधरी ने राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर महिला एवं किशोरी सम्मान योजना की ऐप सम्मान संजीवनी को लांच किया। ऐप के माध्यम से योजना के अंतर्गत दी जा रही सुविधाओं को ट्रैक किया जाएगा, ताकि समय पर लाभार्थियों को योजना का लाभ मिलता रहे। यह कार्यक्रम कैबिनेट मंत्री के चंडीगढ़ स्थित कैंप कार्यालय में आयोजित किया गया। मंत्री ने कहा कि महिला एवं किशोरी सम्मान योजना के तहत 10 से 45 साल तक की बीपीएल महिलाओं व बालिकाओं को सेनेटरी नैपकिन्स

दिए जाते हैं। यह लाभ उन्हें आंगनबाड़ी केंद्रों व स्कूलों के माध्यम से पहुंचाए जाते हैं। समय पर उन्हें सुविधा मिले इसलिए यह ऐप बनाई गई है। इसमें सभी लाभार्थियों का डाटा इकट्ठा किया जाएगा और हर महीने मिलने वाले लाभ को अपडेट किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि महिला एवं बाल विकास विभाग ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना की दसवीं वर्षगांठ भी मनाई। इसके तहत विभाग द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करते हुए महिला सशक्तिकरण और बेटियों के प्रति जागरूकता पैदा करने की दिशा में कार्य किया जाएगा। इसमें रैलियां, सांस्कृतिक कार्यक्रम, सम्मान समारोह और संकल्प की गतिविधियां शामिल हैं।

महिला सशक्तिकरण के तहत अभियान शामिल होंगे, जिसमें स्कूली छात्राएं, सफल महिलाएं और सामुदायिक समूह सहित विविध हितधारकों को शामिल किया जाएगा। पूरे उत्सव के दौरान प्रिंट, डिजिटल और सोशल मीडिया के माध्यम से देशभर में अभियान चलाकर योजना के संदेश को प्रचारित किया जाएगा। प्रदेश सरकार की ओर से लिंगानुपात सुधार का लक्ष्य रखा गया था इस दिशा में कार्यक्रम रखे जाएंगे।

## डीसी ने किया लघु सचिवालय में स्थित कार्यालयों का औचक निरीक्षण

एजेंसी

**नारनौल।** उपायुक्त डा. विवेक भारती ने आज स्वच्छ हरियाणा मिशन के तहत लघु सचिवालय में स्थित सभी कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि इस अभियान को लेकर प्रधानमंत्री तथा मुख्यमंत्री का पूरा फोकस है। उन्होंने सभी अधिकारियों से स्वच्छता माह में चलाए गए अभियान की बारीकी से जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए की सरकार के नियमों अनुसार जो पुराना रिकॉर्ड वीड आउट किया जाना है उसे जल्द से जल्द करवाएं। डीसी ने कहा कि सभी कार्यालयों में नकारा सामान की सूची तैयार करके उसका नियमों के अनुसार निष्पादन करें। उन्होंने कहा कि वे जल्द ही सभी कार्यालय का फिर से निरीक्षण करेंगे तब तक सारी व्यवस्थाएं दुरुस्त होनी चाहिए। उन्होंने बीएंडआर विभाग के एक्सईएन को निर्देश दिए कि जरूरत के अनुसार लघु सचिवालय भवन की मरम्मत करवाई जाए। उन्होंने शौचालय में भी साफ सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वच्छता बनाए रखना केवल सफाई कर्मचारी का ही नहीं बल्कि सभी कर्मचारी व अधिकारियों की जिम्मेदारी है। इसके बाद उन्होंने अंत्योदय तथा सरल केंद्र का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार की सेवाओं तथा योजनाओं को आम जनता तक सहज भाव से उपलब्ध करवाना हरियाणा सरकार का लक्ष्य है। इस लक्ष्य को पूरा करने में अंत्योदय तथा सरल केंद्र का बहुत बड़ा योगदान है। ऐसे में अधिकारी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करें।

# हमें एकता और अखंडता प्रदान करता है भारत का संविधान : कृष्ण बेदी

एजेंसी

**जींद।** चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में विधि विभाग के तत्वावधान में संविधान सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विधि विभाग के अध्यक्ष प्रो. सुनील फौगाट ने मुख्यअतिथि और कार्यक्रम में पहुंचे अन्य गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया। इस अवसर पर संविधान पर केंद्रित एक शोर्ट मूवी के माध्यम से भारतीय संविधान बनाने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी गई। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने संविधान सम्मान समारोह के अवसर पर सभी को शुभकामनाएं दी और बताया कि भारत का संविधान दुनिया में सबसे बड़ा लिखित संविधान है जो कि हमारे नागरिकों, महिलाओं व अन्य तबकों के अधिकारों को सुरक्षित करता है। उन्होंने संविधान के निर्माण में डा. भीमराव अंबेडकर की अहम भूमिका पर भी प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता के तौर प्रो. राजेश मलिक प्रोफेसर विधि विभाग केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ ने शिरकत कर संविधान सम्मान समारोह बनाने के महत्व के बारे में बताया। साथ ही उन्होंने बताया कि भारत के संविधान का निर्माण 60 से 70 देशों के कानूनों के अध्ययन के बाद किया गया है इसलिए ही भारत का संविधान हमारे देश के हर नागरिक के लिए सर्वोपरि है। मुख्यअतिथि के रूप में सामाजिक न्याय तथा अधिकारिता अनुसूचित जातियां एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण और अंतोदय विभाग हरियाणा सरकार मंत्री कृष्ण बेदी मौजूद रहे। उन्होंने संविधान गौरव अभियान की सराहना करते हुए कहा हमारा संविधान हमे गौरव प्रदान करता है। इसलिए हर व्यक्ति को हमारे संविधान की पूर्ण जानकारी होनी चाहिए। भारत का संविधान ही हमें एकता और अखंडता प्रदान करता है। कृष्ण बेदी ने भारत के संविधान में मुख्य भूमिका निभाने वाले डॉ. भीमराव अंबेडकर को भी याद किया और बताया कि हमारे देश का संविधान दुनिया के सभी संविधानों में सर्वश्रेष्ठ है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यअतिथि ने विश्वविद्यालय के वार्षिक कैलेंडर और डायरी को भी रिलीज किया। इसके साथ-साथ सभी विजेता खिलाड़ियों को मेडल पहना कर सम्मानित किया। साथ ही विश्वविद्यालय के एनएसएस कोऑर्डिनेटर डा. जितेंद्र व प्रीति वालंटियर को को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

# गणतंत्र दिवस समारोह के लिए फुल ड्रेस रिहर्सल आयोजित

एजेंसी

**नारनौल।** स्थानीय आईटीआई मैदान में 26 जनवरी को मनाए जाने वाले जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह की आज फुल ड्रेस रिहर्सल की गई। उपायुक्त डॉ विवेक भारती ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया, परेड का निरीक्षण किया तथा मार्च पास्ट की सलामी ली। इस बार गणतंत्र दिवस के जिला स्तरीय कार्यक्रम में पूर्व मंत्री एवं नारनौल के विधायक ओम प्रकाश यादव मुख्य अतिथि होंगे।

आज हुई फुल ड्रेस रिहर्सल के दौरान डीसी ने सभी अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस समारोह राष्ट्रीय पर्व है हर वर्ष की भांति इस बार भी यह कार्यक्रम पूरे उत्साह और हर्षोल्लास के साथ गरिमापूर्ण तरीके से मनाया जाएगा।

फुल ड्रेस रिहर्सल के दौरान परेड कमांडर डीएसपी हरदीप सिंह ने परेड को कमान दी। इस दौरान पीटी प्रदर्शन का भी आयोजन किया गया। वहीं 10 स्कूली टीमों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए। इनमें एमआर मित्रपुरा, डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल नारनौल, राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नारनौल, पीएम श्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नारनौल, एसडी ककराला, आरएनआर

सलीमपुर, गुरु द्रोणाचार्य वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ढाणी किरारोद, एमआर अटेली, हरियाणा पब्लिक स्कूल नारनौल व सीएल पब्लिक स्कूल नारनौल शामिल है। कार्यक्रम के बाद उपायुक्त ने गणतंत्र दिवस पर सके। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ, अतिरिक्त उपायुक्त डा. आनंद कुमार शर्मा, एसडीएम नारनौल रमित यादव तथा जिला शिक्षा अधिकारी संतोष चौहान के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

# अकबरपुर स्कूल में मनाया गया राष्ट्रीय बालिका दिवस

एजेंसी

**नारनौल।** गांव अकबरपुर में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में राष्ट्रीय बालिका दिवस उत्साह पूर्वक मनाया गया द्य इस संदर्भ में जानकारी देते हुए विद्यालय प्रवक्ता डॉ. संजय शर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय बालिका दिवस पर प्राचार्य विजय शर्मा ने निर्देशन में विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया।

मुख्य वक्ता के रूप में अंग्रेजी अध्यापिका बुलबुल शेरावत ने शिरकत की तथा सह-वक्ता के तौर पर गणित प्रवक्ता दिनेश गांधी ने संबोधन दिया द्य इस अवसर पर बोलते हुए बुलबुल शेरावत ने कहा कि बालिका दिवस का दिन खास रूप से लड़कियों के अधिकारों, उनके उत्थान और कल्याण के लिए समर्पित है द्य कानून की दृष्टि में है महिला पुरुष दोनों एक समान है। बेटियां राष्ट्र और समाज का गौरव हैं। प्रवक्ता दिनेश गांधी ने बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सरकार की योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि बेटियां देश और समाज की कर्णधार हैं। राजनीति विज्ञान के प्रवक्ता डॉ. संजय शर्मा ने कहा कि आज राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जा रहा है। हर साल ये खास दिन 24 जनवरी को मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य बालिका सुरक्षा, शिक्षा और सम्मान है। 24 जनवरी को बालिका दिवस मनाने का कारण इंदिरा गांधी हैं।

## उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने गणतंत्र दिवस की फुल ड्रेस रिहर्सल का किया निरीक्षण

एजेंसी

**नूंह।** जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह की फुल ड्रेस रिहर्सल में उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने बतौर मुख्यातिथि पुलिस लाइन में राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराते हुए स्वतंत्रता सेनानियों व वीर शहीदों को नमन किया। उन्होंने जिला सहित समस्त प्रदेश व देशवासियों को गणतंत्र दिवस की अग्रिम बधाइयां दी। साथ ही उन्होंने आम जनमानस का आह्वान किया कि वे राष्ट्रीय पर्व को एकजुट होकर हर्षोल्लास से मनाएं। फुल ड्रैस रिहर्सल समारोह में शामिल होते हुए उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने देश की आन-बान-शान के प्रतीक राष्ट्रीय ध्वज को फहराया। इसके पश्चात उन्होंने परेड का निरीक्षण किया, जिसके बाद परेड कमांडर डीएसपी हरेंद्र के नेतृत्व में की गई परेड की सलामी ली। हरियाणा पुलिस के जवान पीएसआई नंदकिशोर के नेतृत्व में, हरियाणा पुलिस महिला पीएसआई ज्योति के नेतृत्व में, हरियाणा होमगार्ड एसआई मुख्तार सिंह, एनसीसी गर्ल्स कल्याण पब्लिक स्कूल उजीना सुमन के नेतृत्व में, एनसीसी गर्ल्स शहीद लेफ्टिनेंट किरण शेखावत राजकीय महिला महाविद्यालय सलाहेड़ी की छात्रा सीनियर अंडर ऑफिसर बुलबुल, एनसीसी ब्वॉय यासीन मेव डिग्री कॉलेज नूंह सीनियर अंडर ऑफिसर अनश खान, एनसीसी गर्ल्स राजकीय कन्या सीनियर सैंकडरी स्कूल घासेड़ा, शिफा, गाईड राजकीय कन्या सीनियर सैंकडरी स्कूल नूंह शोभा चौहान, स्काउट आरोही मॉडल स्कूल रेवासन अनसार, राजकीय सीनियर सैंकडरी स्कूल फिरोजपुर-नमक प्रजातंत्र के प्रहरी तालिम, दिपालय स्कूल घुसपैठी बैंड विष्णु के नेतृत्व में परेड की सलामी ली।

विभिन्न स्कूलों के बच्चों ने गणतंत्र दिवस समारोह कीप फुल ड्रेस रिहर्सल में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दीं, जिनमें पी.टी. प्रदर्शन एवं डंबल लेजियम में विभिन्न स्कूलों के करीब 1400 बच्चों ने भाग लिया। हिन्दू विद्या निकेतन स्कूल के बच्चे सूर्य नमस्कार, कंट्री ग्रामर स्कूल के बच्चे जय जय हरियाणा..गीत पर हरियाणवी समूह नृत्य, डीएवी पब्लिक स्कूल के बच्चे योगा के साथ समूह नृत्य, जवाहर नवोदय विद्यालय, बाई के बच्चे गरबा, पीएमश्री राजकीय वरि. माध्यमिक विद्यालय पुन्हाना के बच्चे कव्वाली, राजकीय कन्या वरि. माध्यमिक स्कूल के बच्चे विजय भवः गीत पर नृत्य, हिन्दू विद्या निकेतन स्कूल के बच्चे शिव प्रस्तुति, राजकीय कन्या वरि. मा. विद्यालय उजीना के बच्चे धूम मची हरियाणा की..गीत पर समूह नृत्य, राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूल नूंह के बच्चे पधारो म्हारै देश.. गीत पर राजस्थानी नृत्य तथा मदर प्राइड स्कूल के बच्चे रामजी बता कब बरसेगा.. गीत पर नृत्य की प्रस्तुतियां दीं।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक विजय प्रताप सिंह, अतिरिक्त उपायुक्त प्रदीप सिंह मलिक,एएसपी सोनाक्षी सिंह,एसडीएम नूंह प्रदीप अहलावत, नगराधीश अशोक कुमार, जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी सुरेंद्र बजाड़,एफएलएन की संयोजक कुसुम मलिक, मंच संचालक डा.संजय कुमार, डा. सुलक्षणा सहित सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति देने वाले स्कूली बच्चे व अध्यापक सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

# जिला के विकास को लेकर धन की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी : कृष्णपाल गुर्जर

एजेंसी

**पलवल।** केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने जिला में करीब 17 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का शिलान्यास व उदघाटन किया। उन्होंने पलवल शहर के सेक्टर 2 स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय चौक पर करीब 50 लाख की लागत से बनाए गए क्लॉक टावर का उदघाटन किया। इस मौके पर पूर्व विधायक दीपक ने केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर का स्वागत किया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व प्रदेश के मुख्यमंत्री के नेतृत्व में पूरे प्रदेश सहित पलवल जिला में लगातार विकास कार्य करवाए जा रहें हैं। जिला के विकास को लेकर धन की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय चौक पर बनाया गया क्लॉक टावर पलवल शहर की सुंदरता को बढ़ाने का कार्य करेगा। इसके अलावा पलवल के सौंदर्यीकरण को लेकर भी चौक-चौराहों व ओवरब्रिज पर वॉल पेंटिंग का कार्य करवाया जा रहा है। इस दौरान उन्होंने पलवल शहर की साफ-सफाई को लेकर 2 जेसीबी, 10 ट्रैक्टर ट्रॉली व 80 रिक्शा जनता को समर्पित की। वहीं विभिन्न 12 सडक़ों और दो चौपालों के निर्माण कार्यों का शिलान्यास भी किया। इसके अलावा वार्ड नंबर 30 गांव आलापुर में करीब 5 एकड़ भूमि पर बनने वाले डा. भीमराव अंबेडकर पार्क का शिलान्यास किया। इसके अलावा उन्होंने पलवल, होडल व हथीन शहर में करोड़ों रुपये की लागत से लगाई जाने वाली एलईडी लाइटों के कार्यों का भी शिलान्यास किया। इस अवसर पर जेसीबी के माध्यम से पुष्प वर्षा कर केंद्रीय सहकारिता राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर का स्वागत किया गया। पूर्व विधायक दीपक मंगला ने कहा पलवल जिले में विकास का पहिया तेजी से घूमता रहेगा। भाजपा सरकार में विकास कार्यों के धन की कमी आड़े नहीं आएगी। इस अवसर पर विधायक होडल हरिंद्र सिंह, पूर्व विधायक दीपक मंगला, जिला अध्यक्ष चरण सिंह तेवतिया,पूर्व मंत्री सुभाष कत्याल, नगर परिषद पलवल के चेयरमैन यशपाल, जवाहर सिंह सौरोत, हरेंद्र तेवतिया आदि मौजूद रहे।

## निर्मला सीतारमण ने शुरू की बजट 2025 की तैयारी, बजट सेरेमनी में लिया हिस्सा

एजेंसी

**नई दिल्ली।** केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज हलवा समारोह में हिस्सा लिया, जो आम तौर पर 24 जनवरी को आयोजित किया जाता है। यह केंद्रीय बजट तैयार करने का अंतिम चरण है। केंद्रीय बजट 1 फरवरी को पेश किया जाएगा। हलवा समारोह 'लॉक-इन' अवधि की शुरुआत का प्रतीक है, जिसके दौरान बजट तैयार करने में सीधे तौर पर शामिल सभी अधिकारी और कर्मचारी संसद में इसे पेश किए जाने तक मंत्रालय परिसर में ही रहते हैं। इस दौरान उनके फोन कॉल की भी निगरानी की जाती है। उन्हें बाहर जाने की अनुमति नहीं होती है और सीसीटीवी कैमरों और खुफिया ब्यूरो द्वारा उन पर लगातार नज़र रखी जाती है। मीठे व्यंजनों का भारत में एक मजबूत सांस्कृतिक महत्व है और इन्हें किसी भी अवसर के लिए शुभ माना जाता है। हर साल बजट से पहले, पारंपरिक मीठा व्यंजन हलवा दिल्ली के नॉर्थ ब्लॉक में एक बड़ी कड़ाही में तैयार किया जाता है और वित्त मंत्री इसे विधिवत रूप से इसमें अपनी परम्परागत भूमिका निभाते हैं। हलवा तैयार होने के बाद इसे बजट बनाने की प्रक्रिया में शामिल मंत्रालय के अधिकारियों और कर्मचारियों को परोसा जाता है।

## अमूल ने दूध की कीमत एक रुपये प्रति लीटर घटाई, नई दरें लागू

एजेंसी

**नई दिल्ली।** अमूल कंपनी ने उपभोक्ताओं को राहत देते हुए दूध की कीमतों में एक रुपये प्रति लीटर की कटौती की है। इसके साथ ही देशभर में अमूल का दूध एक रुपये सस्ता हो गया है। नई दरें शुक्रवार से प्रभावी हो गई हैं। गुजरात सहकारी दूध विपणन संघ के प्रबंध निदेशक (एमडी) जयेन मेहता ने एक बयान में कहा कि अमूल गोल्ड, अमूल ताजा और अमूल टी स्पेशल एक लीटर पैक दूध की कीमत 1 रुपये घटा दी गई है। इस कटौती के बाद अब अमूल गोल्ड का एक लीटर पैक 66 रुपये में उपलब्ध होगा, जबकि आधे लीटर का पैक 33 रुपये का होगा। अमूल ताजा दूध अब 54 रुपये प्रति लीटर मिलेगा, जबकि आधे लीटर का पैक 27 रुपये में मिलेगा। अमूल शक्ति का एक लीटर पैक अब 60 रुपये में उपलब्ध होगा। उल्लेखनीय है कि लंबे समय के बाद दूध की कीमत में कटौती की गई है। पिछले कुछ समय में सभी कंपनियों ने दूध के दाम में इजाफा किया था, लेकिन अमूल के दूध के भाव में कटौती करने से अन्य कंपनियों पर भी दूध के रेट घटाने का दबाव बढ़ेगा।

## अच्युत घटक कोल इंडिया बोर्ड में निदेशक 'तकनीकी' नियुक्त, कार्यभार संभाला

**नई दिल्ली।** सार्वजनिक क्षेत्र की खनन कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने अच्युत घटक को बोर्ड में निदेशक (तकनीकी) नियुक्त किया है। अच्युत घटक ने अपना कार्यभार आज संभाल लिया। उन्होंने बी. वीरा रेड्डी का स्थान लिया, जो पिछले वर्ष अगस्त में सेवानिवृत्त हो गए थे। कोल इंडिया ने जारी बयान में कहा कि अच्युत घटक को बोर्ड में निदेशक (तकनीकी) के पद पर उनकी नियुक्ति उनके पदभार ग्रहण करने की तिथि 23 जनवरी, 2025 से उनकी सेवानिवृत्ति की तिथि अर्थात 31 मार्च, 2028 तक या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो प्रभावी रहेगी। सीआईएल ने अच्युत घटक के निदेशक (तकनीकी) का पदभार संभालने की जानकारी दी है। कोल इंडिया ने कहा कि हमें अच्युत घटक को डी(टी) सीआईएल के रूप में नियुक्त करने की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। उन्होंने 1989 में हमारी सहायक कंपनी वेस्टर्न कोलफील्ड्स में जूनियर एग्जीक्यूटिव ट्रेनी के रूप में अपनी यात्रा शुरू करने वाले अच्युत घटक कोयला खनन क्षेत्र में तीन दशकों से अधिक का अनुभव रखते हैं।

## चंद्रबाबू नायडू ने वित्त मंत्री से मुलाकात में आंध्र प्रदेश के लिए मांगी वित्तीय सहायता

**नई दिल्ली।** आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से नई दिल्ली में मुलाकात की।मुलाकात के दौरान चंद्रबाबू ने राज्य से जुड़े कई लंबित मुद्दों पर चर्चा करके वित्तीय सहायता का अनुरोध किया। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से नार्थ ब्लॉक स्थित कार्यालय में मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान चंद्रबाबू ने राज्य से जुड़े कई लंबित मुद्दों पर चर्चा की और वित्तीय सहायता का अनुरोध किया। चर्चा के दौरान उठाए गए प्रमुख मुद्दों में अमरावती के लिए हुडको ऋण और विश्व बैंक से वित्त पोषण शामिल थे। चंद्रबाबू नायडू पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से भी मुलाकात करेंगे। इसके बाद वे केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री प्रह्लाद जोशी से भी चर्चा करेंगे। नई दिल्ली में अपने कार्यक्रम पूरे करने के बाद एन. चंद्रबाबू नायडू के आज शाम विजयवाड़ा लौटने की उम्मीद है।

# सर्राफा बाजार में सपाट स्तर पर कारोबार, सोना और चांदी की कीमत में कोई बदलाव नहीं

एजेंसी

**नई दिल्ली।** घरेलू सर्राफा बाजार आज सपाट स्तर पर कारोबार कर रहा है। सोना और चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। कीमत में बदलाव नहीं होने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज भी 82,090 रुपये से लेकर 82,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज गुरुवार के भाव पर ही यानी 75,250 रुपये से लेकर 75,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी कोई बदलाव नहीं होने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु आज लगातार तीसरे दिन 96,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर

कारोबार कर रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 82,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 75,400 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 82,090 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 75,250 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज भी 82,090 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 75,250 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 82,090 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 75,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 82,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 75,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

## ईएसआई के तहत नवंबर, 2024 में 16.07 लाख नए श्रमिक नामांकित

एजेंसी

**नई दिल्ली।** कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) ने नवंबर माह में 16.07 लाख नए कर्मचारियों को ईएसआई योजना के तहत जोड़ा है। इससे पिछले महीने ईएसआईसी ने 17.80 लाख नए सदस्यों को जोड़े थे। इसके साथ ही नवंबर, 2024 तक 20,212 नए प्रतिष्ठानों को ईएसआई योजना के सामाजिक सुरक्षा दायरे में लाया गया है। श्रम और रोजगार मंत्रालय ने जारी आंकड़ों में बताया कि ईएसआईसी ने नवंबर, 2024 के महीने में 16.07 लाख नए कर्मचारी जोड़े हैं। सालाना आधार पर नवंबर 2023 की तुलना में नवंबर महीने में शुद्ध पंजीकरण में 0.97 फीसदी की वृद्धि हुई है। अनंतिम पेरोल आंकड़ों के मुताबिक नवंबर, 2024 में 20,212 नए प्रतिष्ठानों को ईएसआई योजना के सामाजिक सुरक्षा दायरे में लाया गया है। इससे और ज्यादा श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

आंकड़ों के मुताबिक नवंबर महीने के दौरान जोड़े गए कुल 16.07 लाख कर्मचारियों में से 7.57 लाख कर्मचारी कुल पंजीकरण का लगभग 47.11 फीसदी है, जो 25 वर्ष तक की आयु वर्ग के हैं। इस दौरान ईएसआई योजना में 3.28 लाख महिला सदस्यों का नामांकन रहा है। इसके अलावा नवंबर, 2024 में ईएसआई योजना के तहत 44 ट्रांसजेंडर कर्मचारियों का पंजीकरण हुआ। यह समाज के हर वर्ग को इसका लाभ पहुंचाने के लिए ईएसआईसी की प्रतिबद्धता को प्रमाणित करता है।

## केंद्र ने जीएसटी उल्लंघन के लिए फर्जी समन जारी करने वाले धोखेबाजों के खिलाफ लोगों को किया आगाह

एजेंसी

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार ने नागरिकों को माल एवं सेवा कर (जीएसटी) उल्लंघन के लिए फर्जी और धोखाधड़ी वाले समन जारी करने वाले धोखेबाजों को लेकर आगाह किया है।

वित्त मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने जीएसटी उल्लंघन के लिए फर्जी और धोखाधड़ी वाले समन जारी करने वालों के खिलाफ चेतावनी दी है। सीबीआईसी ने कहा कि हाल ही में यह देखा गया है कि धोखाधड़ी के इरादे से कुछ व्यक्ति करदाताओं को फर्जी समन बना रहे हैं और भेज रहे हैं, जो जीएसटी खुफिया महानिदेशालय (डीजीजीआई) की जांच के दायरे में हो भी सकते हैं और नहीं भी।मंत्रालय ने कहा कि सीबीआईसी के मुताबिक विभाग के विशेष प्रतीक चिन्ह (लोगो) और दस्तावेज पहचान संख्या (डीआईएन) के इस्तेमाल के कारण यह नकली समन मूल समन से बहुत मिलता-जुलता है। हालांकि, ये डीआईएन नंबर नकली हैं। ये धोखेबाजों द्वारा दस्तावेज को असली दिखाने के लिए इनका इस्तेमाल

किया जाता है। यह एक बार फिर स्पष्ट किया जाता है कि करदाता सीबीआईसी की वेबसाइट https://esanchar.cbic.gov.in/DIN/DINSearch ÂÚU ÒVERIFY CBIC-DINÓ विंडो का उपयोग करके सीबीआईसी के किसी भी अधिकारी द्वारा जारी किसी भी संचार (समन सहित) की वास्तविकता को आसानी से सत्यापित किया जा सकता है।डीआईएन की पुष्टि करने पर यदि कोई व्यक्ति या करदाता पाता है कि समन/पत्र/नोटिस फर्जी है, तो इसकी सूचना तुरंत संबंधित कार्यालय को दी जा सकती है। इससे सक्षम डीजीजीआई/सीजीएसटी गठन को जनता को ठगने के लिए फर्जी समन/पत्र/नोटिस का उपयोग करने वाले धोखेबाजों के खिलाफ कानून प्रवर्तन कार्रवाई करने में सक्षम बनाया जा सकेगा।

## एमएनआरई इस वर्ष गणतंत्र दिवस परेड में 'नए भारत का सूर्योदय' झांकी करेगा प्रदर्शित

एजेंसी

**नई दिल्ली।** केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) राजधानी नई दिल्ली में कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस परेड में आकर्षक झांकी प्रदर्शित करेगा, जिसमें वह भारत के उभरते ऊर्जा परिदृश्य की झलक दिखलाएगा। साथ ही देश की गहरी सांस्कृतिक विरासत मनाते हुए वह नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में अपनी उल्लेखनीय प्रगति दर्शाएगा।

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि यह झांकी मुख्य रूप से महत्वाकांक्षी पहल प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ़्त बिजली योजना पर केंद्रित होगी, जो दुनिया की सबसे बड़ी आवासीय छत सौर पहल है। साथ ही इसमें नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय की अन्य परिवर्तनकारी योजनाएं भी दर्शायी जाएंगी। एमएनआरई के ये प्रयास भारत की हरित अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने के साथ ही वर्ष 2030 तक करोंड़ो हरित नौकरियों के अवसर उत्पन्न करेंगे।

मंत्रालय के मुताबिक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के ऊर्जा परिवर्तन (संक्रमण) पर जोर देते हुए झांकी में हरित हाइड्रोजन के क्षेत्र में भारत की प्रगति को भी दर्शाया जाएगा। इसमें पवन ऊर्जा में चौथे

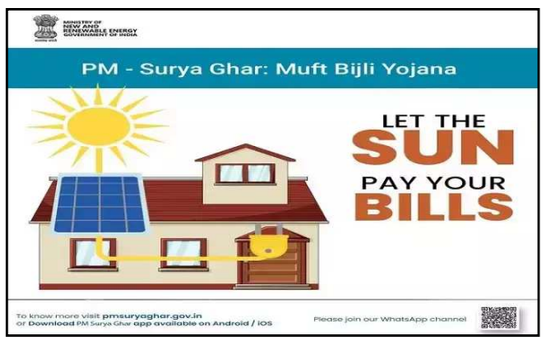


सबसे बड़े संस्थापन क्षमता वाले देश के रूप में भारत की स्थिति भी दर्शाई जाएंगी। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने कहा कि संवहनीय और आत्मनिर्भर भविष्य की ओर भारत के बढ़ते कदम की इस झांकी को देखने वाले पहले लोगों में पीएम सूर्यघर, पीएम कुसुम लाभार्थी और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा आमंत्रित नवीकरणीय ऊर्जा तकनीशियनों सहित आठ सौ विशेष अतिथि गणतंत्र दिवस परेड देखने वालों में शामिल होंगे। केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी के नेतृत्व में यह मंत्रालय अपनी परिवर्तनकारी योजनाओं और कार्यक्रमों द्वारा भारत में लाखों परिवारों को सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा उपलब्ध कराने के साथ ही नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा दे रहा है।

## देश का विदेशी मुद्रा भंडार 1.88 अरब डॉलर घटकर 623.98 अरब डॉलर पर

एजेंसी

**मुंबई/नई दिल्ली।** विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार 7वें हफ्ते गिरावट आई है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 17 जनवरी को समाप्त हफ्ते में 1.88 अरब डॉलर घटकर 623.98 अरब डॉलर रह गया। इससे पिछले हफ्ते यह 8.71 अरब डॉलर घटकर 625.87 अरब यूएस डॉलर रहा था।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने जारी आंकड़ों में बताया कि 17 जनवरी को समाप्त हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक विदेशी मुद्रा आस्तियां 2.88 अरब डॉलर घटकर 533.13 अरब डॉलर रह गई है। आंकड़ों के मुताबिक स्वर्ण भंडार का आरक्षित मूल्य 10.63 लाख डॉलर बढ़कर 68.95 अरब डॉलर हो गया है। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 10 लाख डॉलर घटकर 17.78 अरब डॉलर रहा है। रिजर्व बैंक के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार 7.4 करोड़ डॉलर घटकर 4.12 अरब डॉलर रह गया है।इससे पहले

सितंबर, 2024 के अंत में देश का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर अब तक के उच्चतम स्तर 704.88 अरब डॉलर पर पहुंच गया था। पिछले कुछ हफ्तों से विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट आ रही गिरावट का कारण रुपये में उतार-चढ़ाव को कम करने के लिए आरबीआई का विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप के साथ-साथ मूल्यांकन माना जा रहा है।

## डीपीआईआईटी ने विनिर्माण क्षेत्र में स्टार्टअप प्रणाली को बढ़ावा देने के लिए निजी फर्म से मिलाया हाथ

एजेंसी

**नई दिल्ली।** उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने परिधानों के सबसे बड़े निर्माता शाही एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड की सहायक कंपनी भाने ग्रुप के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि डीपीआईआईटी और भाने ग्रुप के साथ जो समझौता हुआ है। यह सहकार्यता विनिर्माण के साथ-साथ अन्य उत्पादन क्षेत्रों में विशेषज्ञता रखने वाले स्टार्टअप के लिए इनक्यूबेशन कार्यक्रम शुरू करेगा, जो अंतरराष्ट्रीय स्टार्टअप प्रणाली के साथ संबंधों को बढ़ावा देगा। यह समझौता देश में नए विनिर्माण उद्यमियों को बढ़ावा देने के लिए सरकार के प्रयासों का एक हिस्सा है। मंत्रालय ने कहा कि अपने व्यापक अनुभव से भाने समूह बाजार को लेकर आवश्यक जानकारी प्रदान

करके आगामी स्टार्टअप की मदद करेगी। भाने समूह स्टार्टअप्स को विदेशी बाजारों के कामकाज की समग्र समझ बनाने में मदद करेगी। इसके साथ ही स्टार्टअप जीवनचक्र के दौरान परिचालन ज्ञान पर मार्गदर्शन भी देगी। डीपीआईआईटी के संयुक्त सचिव संजीव ने कहा कि इस सहयोग से बड़े लाभ की पूर्ति होगी, जिसमें एक समृद्ध उद्यमशीलता की भावना को पोषित करना और भारत के विनिर्माण परिदृश्य को मजबूत करना शामिल है। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप और भाने समूह जैसे स्थापित खिलाड़ियों के बीच संबंधों को सुविधाजनक बनाकर हम एक पारस्परिक रूप से लाभकारी वातावरण को बढ़ावा देते हैं, जहां नवाचार पनपता है। इससे भारतीय व्यवसाय वैश्विक सफलता प्राप्त करते हैं। भाने ग्रुप के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और सह-संस्थापक आनंद आहूजा ने कहा कि वैश्विक ब्रांड भारतीय स्टार्टअप में निवेश करने को तत्पर हैं, क्योंकि यह दक्षिण एशियाई बाज़ार में अग्रणी खिलाड़ियों में से एक है। स्टार्टअप इंडिया के साथ डीपीआईआईटी का मिशन भारतीय स्टार्टअप के बीच नवाचार और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने के हमारे दृष्टिकोण के अनुरूप है।

## प्रीमियम लिस्टिंग के बावजूद लोअर सर्किट पर पहुंचे ईएमए पार्टनर्स के शेयर

एजेंसी

**नई दिल्ली** एग्जीक्यूटिव सर्च कंपनी ईएमए पार्टनर्स के शेयरों की आज स्टॉक मार्केट में 26.21 प्रतिशत प्रीमियम के साथ एंट्री हुई। कंपनी के शेयर 124 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 156.50 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये उछल कर 158.80 रुपये के स्तर तक पहुंचा। हालांकि थोड़ी ही देर बाद बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से ये गोता लगा कर 148.70 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर आ गया। लोअर सर्किट लगने के बावजूद प्रीमियम ओपनिंग के कारण कंपनी के आईपीओ

आईपीओ 17 से 21 जनवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 221.06 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल निवेशक अभी भी 19.92 प्रतिशत के फायदे में हैं। ईएमए पार्टनर्स लिमिटेड का 76.01 करोड़ रुपये का बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 147.69 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 444.08 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 167.35 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 66.14 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 5 रुपये फेस वैल्यू वाले 7.96 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के तहत बेचे गए हैं?। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी सब्सिडियरी में लीडरशिप टीम को बढ़ाने, अपने आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर को अपग्रेड करने, पुराने कर्ज को चुकाने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत उतार-चढ़ाव के बावजूद मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2021-22 में कंपनी को 11.27 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2022-23 में घट कर 3.07 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसके बाद 2023-24 में शुद्ध लाभ में एक बार फिर बढ़ोतरी हुई और लाभ का ये आंकड़ा 38.41 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष में अप्रैल से जुलाई 2024 के बीच कंपनी को 4.37 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है। इसी तरह इस अवधि में कंपनी 26.33 करोड़ रुपये का रेवेन्यू हासिल कर चुकी है।

## कोयला सचिव ने सीआईएल की सीएसआर पहल के तहत स्मार्ट क्लास रूम का उद्घाटन किया

एजेंसी

**नई दिल्ली।** कोयला मंत्रालय के सचिव विक्रम देव दत्त ने झारखंड के सरकारी स्कूलों में डिजिटल कक्षाओं (स्मार्ट क्लास रूम) का उद्घाटन किया, जिन्हें कोल इंडिया लिमिटेड की सहायक कंपनियों की सीएसआर पहल 'डिजी विद्या' के तहत बनाया गया है। कोयला मंत्रालय ने जारी बयान में कहा कि सीएसआर पहल के तहत 'डिजी विद्या' का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आठ राज्यों के खनन क्षेत्रों में स्थित स्कूलों के छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले, जहां सीआईएल की सहायक कंपनियां काम करती हैं, ताकि उनमें से कोई भी 'विकसित भारत' की यात्रा में पीछे न छूट जाए। पहले चरण में डिजी विद्या के तहत 272 सरकारी स्कूलों को स्मार्ट कक्षाओं के साथ अपग्रेड किया गया। आगामी चरणों में और भी स्कूल जोड़े जाएंगे। इस अवसर पर सीआईएल के अध्यक्ष पीएम प्रसाद, कोयला मंत्रालय में अपर सचिव

रूपिंदर बरार, कोयला मंत्रालय की उप महानिदेशक संतोष, भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) के सीएमडी समीरन दत्ता, सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के सीएमडी नीलेन्दु कुमार सिंह तथा कोयला मंत्रालय और सीआईएल एवं उसकी सहायक कंपनियों के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

## डॉ. अग्रवाल्स हेल्थ केयर का आईपीओ 29 जनवरी को खुलेगा, प्राइस बैंड 382-402 रुपये प्रति शेयर

**मुंबई/नई दिल्ली।** डॉ. अग्रवाल्स हेल्थ केयर लिमिटेड (डीएएचसीएल) का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) निवेशकों के लिए 29 जनवरी को खुलेगा और 31 जनवरी को बंद होगा। कंपनी ने इसके लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 382-402 रुपये प्रति शेयर तय किया है। कंपनी ने जारी एक बयान में बताया कि डॉ. अग्रवाल्स हेल्थ केयर लिमिटेड के आईपीओ सब्सिक्रिप्शन के लिए बड़े निवेशक 28 जनवरी को बोली लगा सकेंगे।

कंपनी के मुताबिक निवेशक इसमें न्यूनतम 35 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 35 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगा सकते हैं। इस पेशकश के लिए पात्र कर्मचारी भी बोली लगा सकेंगे। कंपनी के मुताबिक यह आईपीओ 300 करोड़ रुपये तक के नए निर्गम और 2,727.26 करोड़ रुपये मूल्य के 6.78 करोड़ इक्विटी शेयरों की बिक्री की पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। इस प्रकार कुल निर्गम आकार 3,027.26 करोड़ रुपये होगा। इसमें 1,579,399 इक्विटी शेयरों तक का कर्मचारी आरक्षण और 1,129,574 इक्विटी शेयरों तक का शेयरधारक आरक्षण है।

## उतार-चढ़ाव के बीच गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स ऊपरी स्तर से करीब 900 अंक टूटा

एजेंसी

**नई दिल्ली।** सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन आज घरेलू शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद लिवालों और बिकवालों के बीच एक-दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू हो गई, जिसकी वजह से शेयर बाजार की चाल भी ऊपर-नीचे होती रही। इस उतार-चढ़ाव के कारण सेंसेक्स दिन के ऊपरी स्तर से करीब 900 अंक तक और निफ्टी करीब 300 अंक तक टूट गए। हालांकि अंत में खरीदारी का सपोर्ट मिलने पर दोनों सूचकांक मामूली रिकवरी करने में सफल रहे। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.43 प्रतिशत और निफ्टी 0.49 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए।

आज दिनभर के कारोबार के दौरान ऑयल एंड गैस, रियल्टी और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली होती रही। इसी तरह बैंकिंग, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, मेटल और पीएसई इंडेक्स भी कमजोरी के साथ बंद हुए। दूसरी ओर टेक, एफएमसीजी और आईटी इंडेक्स मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.60 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 2.23 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया।आज शेयर बाजार में आई गिरावट के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 5 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 419.61 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 424.63 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 5.02 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,059 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,038 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,902 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 119 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,545 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 482 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान और 2,063 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 10 शेयर बढ़त के साथ और 20 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 18 शेयर हरे निशान में और 32 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 65.03 अंक की कमजोरी के साथ 76,455.35 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद पूरे दिन तेजड़ियों और मंदड़ियों के बीच एक-दूसरे पर हावी होने की कोशिश चलती रही, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा। खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 465.57 अंक की मजबूती के साथ 76,985.95 अंक के स्तर तक पहुंच गया। दूसरी ओर, बिकवाली का दबाव बनने पर ये सूचकांक ऊपरी स्तर से 894.20 अंक टूट कर 428.63 अंक की कमजोरी के साथ 76,091.75 अंक तक गिर भी गया। हालांकि आखिरी वक्त में हुई खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक निचले स्तर से करीब 100 अंक की रिकवरी करके 329.92 अंक की गिरावट के साथ 76,190.46 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

# अफगानी मोमोज से मसाला चाप तक...रिपब्लिक डे की छुट्टी पर बनाएं ये 5 टेस्टी डिश

**रिपब्लिक डे के मौके पर लोग घर पर बैठ कर इंडिया गेट की परेड एंजॉय करते हैं. छुट्टी वाले इस दिन पूरी फैमिली एक साथ टाइम स्पेंड करती हैं. लेकिन इस दिन टेस्टी खाना मिल जाए तो क्या ही बात है. आप रिपब्लिक डे पर 5 टेस्टी और आसान डिशेज बनाकर इस दिन को और यादगार बना सकती हैं.**

26 जनवरी का दिन यानी गणतंत्र दिवस न केवल हमारे देश के गौरव को सेलिब्रेट करने का दिन है, बल्कि परिवार और दोस्तों के साथ बिताने का एक बेहतरीन मौका भी है. इस खास मौके पर तिरंगे की थीम वाले डेकोरेशन, देशभक्ति के गानों और परेड देखने के साथ-साथ कुछ खास खाने-पीने का आनंद लेना इस दिन को और भी यादगार बना देता है. अगर आप भी सोच रहे हैं कि इस गणतंत्र दिवस की छुट्टी को कैसे स्पेशल बनाया जाए, तो इसका जवाब है टेस्टी डिशेज.

आज हम आपके लिए लेकर आए हैं 5 ऐसी टेस्टी डिशेज जिनकी रेसिपी फॉलो करके आप इस दिन को और भी खास बना सकते हैं. अफगानी मोमोज, मसाला चाप, तिरंगा पुलाव, पनीर टिक्का और गाजर का हलवा ये सभी डिशेज न केवल स्वाद में बेहतरीन हैं, बल्कि इन्हें बनाना भी आसान है.

1. अफगानी मोमोज

अफगानी मोमोज हर किसी को पसंद आते हैं. इन मोमोज को क्रीमी और माइल्ड फ्लेवर के लिए खास मसालों और मलाई में मैरीनेट किया जाता है. इसे बनाने के लिए आपको मोमोज को भाप में पकाना होगा और फिर मलाईदार सॉस में डालकर सर्व करना होगा. इसे हरी चटनी या तीखी रेड चटनी के साथ परोसें.

2. मसाला चाप

अगर आप वेजिटेरियन हैं, तो मसाला चाप एक बेहतरीन ऑप्शन है. ये सोया से बनी होती है और इसे तीखे और मसालेदार ग्रेवी में पकाया जाता है. इसे आप रूमाली रोटी या पराठे के साथ सर्व कर सकते हैं. मसाला चाप का स्वाद इतना लाजवाब होता है कि यह सभी के दिल को छू लेगी.

3. तिरंगा पुलाव

गणतंत्र दिवस के दिन तिरंगे की थीम पर खाना बनाना हर किसी के लिए खास होता है. तिरंगा पुलाव इसके लिए परफेक्ट डिश है. इसे बनाने के लिए चावल को तीन हिस्सों में बांटकर ग्रीन पेस्ट, सफेद चावल और केसर का इस्तेमाल करके तीन रंग तैयार किए जाते हैं. ये देखने में जितना अट्रैक्टिव लगता है, खाने में उतना ही टेस्टी भी होता है.

4. पनीर टिक्का

पनीर टिक्का हर पार्टी का स्टार होता है. इसे ग्रिल्ड किया जाता है और ये हर उम्र के लोगों को पसंद आता है. पनीर के टुकड़ों को दही और मसालों में मैरीनेट करके इसे ग्रिल करें और हरी चटनी के साथ सर्व करें. ये स्नैक के तौर पर एक परफेक्ट चॉइस है.

5. गाजर का हलवा

सर्दियों का मौसम और गाजर का हलवा , दोनों एक-दूसरे के बिना अधूरे लगते हैं. गणतंत्र दिवस की मिठास को बढ़ाने के लिए गाजर का हलवा जरूर बनाएं. इसे बनाने के लिए गाजर, दूध, मावा और घी का इस्तेमाल करें. हल्की इलायची की खुशबू के साथ इसे गर्मागर्म परोसें.

# साम्प्रदायिक सद्भाव की रक्षा करें

आप सच में निष्पक्ष सेवा करेंगे तो सभी वर्गों के वोट आपको, आपके काम के हिसाब से मिल सकते हैं। राजनेताओं में यह आत्मविश्वास होना चाहिए। हम अपने-अपने धर्म को अच्छा मानें, इसमें कोई हर्ज नहीं है, किन्तु दूसरे के धर्म को गलत या छोटा साबित करना छोड़ दें तो सद्भाव कायम करना आसान होगा। आखिर हमारे ईश्वर को इस तरह या उस तरह मानने से सूरज-चांद अपना रास्ता तो नहीं बदल लेंगे।

हम भाजपाई हो सकते हैं या कांग्रेसी, समाजवादी या बहुजनवादी, वाम हो सकते हैं या दक्षिण, किन्तु अंत में हम सब भारतीय हैं और भारत की सुरक्षा, समृद्धि और आपसी सद्भाव से ही हमारा भविष्य जुड़ा है। हम कुछ भी होकर सोचें, भारत के भविष्य से हमारा भविष्य अलग नहीं हो सकता। हमें विकास चाहिए तो उसको भोगने के लिए शांति पूर्ण माहौल भी चाहिए जो आन्तरिक और बाह्य दोनों प्रकार से वांछित है। एक देश के अंदर हम समुदायों, संप्रदायों की भिन्नता के कारण उलझते रहें या देशों के आपसी विवादों के कारण, अंत में आम आदमी को ही इन विवादों का शिकार होना है।

अधिकांश विवाद प्रभुत्व की भूख के चलते ही होते हैं, फिर चाहे बहाना आप सांप्रदायिक बना लें या आर्थिक, विस्तारवादी बना लें विचारधारा के प्रति प्रतिबद्धता का बना लें, निचोड़ तो प्रभुत्व की भूख ही है। प्रभुत्व के बजाय समानता को लक्ष्य बना लें तो अपने आप निष्कर्ष ऐसे आने लगेंगे जिनमें टकराव की जरूरतें कम होती जाएंगी। यह विश्लेषण जितना भारत के लिए प्रासंगिक है उतना ही वैश्विक पटल के लिए भी है। फ़िलहाल भारत की बात कर लें। आजकल बड़ी दुविधाजनक स्थिति में से हम गुजर रहे हैं। विकास की दौड़ में हमें अच्छी सफलताएं मिल रही हैं तो हम सभी मिलकर उसका फल उपभोग करें यह सर्वमान्य लक्ष्य होना चाहिए, किन्तु सरकार के बार-बार यह कहने के बाद भी उसी सरकार का दूसरा चेहरा हिन्दू-मुसलमान में उलझा रहता है।

राजनैतिक दलों की ऊपरी परत कुछ और कहती है और नीचे की परतें कुछ और कहती नजर आती हैं। पत्रकारिता अर्धसत्य अनुगामी होती जा रही है और उसे नियंत्रित करने के राजनैतिक और प्रशासनिक प्रयास सामने दिखने लग जाते हैं। टीवी पर जिस तरह की बहसें मुद्दों को लेकर दिखाई जाती हैं उनसे स्पष्ट तौर पर पता चलता है कि ये आपसी भेदभाव, खासकर हिन्दू-मुस्लिम भेदभाव को बढ़ाने के उद्देश्य से की जा रही हैं। उनमें जिस तरह के लोगों को ज्यादातर बुलाया जाता है उनमें से नगण्य ही समाधान मुखी दृष्टिकोण लेकर बैठते हैं। चाहे हिन्दू जानकार हों या मुस्लिम, सभी ढूंढ-ढूंढकर विवाद बढ़ाने वाली बातों को उछालते दीखते हैं। अधिकांश चैनल ऐसे ही कार्यक्रम लेकर आते हैं।मुसलमान नेतृत्व में छुपे तौर पर यह भावना काम करती दिखती है कि वे तो इस देश के हुक्मरान रहे हैं इसलिए हमारा स्तर तो कुछ विशेष ही होना चाहिए। हिन्दू नेतृत्व इस हीनभावना से ग्रस्त दीखता है कि क्योंकि मुस्लिम आक्रान्ताओं ने हिन्दुओं के साथ अन्याय और अत्याचार किया इसलिए अब हमारे हाथ में बागडोर आई है तो हम उसका पूरा बदला लेंगे। ये दोनों ही विचार खतरनाक हैं, क्योंकि ये दोनों विचार हमें भूतकाल की ओर ले जाते हैं, जबकि असल जिन्दगी तो वर्तमान में चलती है। हमें तो अपने वर्तमान को बेहतर बनाने के लिए संघर्ष करना है और यह संघर्ष सारे भारतवासियों का साझा संघर्ष है, जो हमें आपस में नहीं करना है, बल्कि वैश्विक, आर्थिक, पर्यावरणीय, तकनीकी, राजनैतिक, जलवायु परिवर्तन जनित चुनौतियों से करना है। इसकी उपलब्धियों के फल हम सभी को साझा करने हैं।यह समझना कोई कठिन बात नहीं है, बल्कि इससे अलग दिशा की बात को समझने के लिए ज्यादा तिकड़म और बनावटी कहानियाँ गढ़ने और समझने की जरूरत होगी।

देश में बीस करोड़ के लगभग मुस्लिम आबादी है जिसे विकास का हिस्सेदार बनाए बिना देश का विकास संभव नहीं। विकास का हिस्सेदार बनाने का यह अर्थ नहीं कि वे अपनी शर्तों पर जो चाहें, वह करने का प्रयास करें। यह भी नहीं कि हिन्दू जो बहुमत में हैं वे अपनी मनमानी सोच को लागू करने की दिशा में बढ़ने का सोचने लगें। हम सभी धर्मों, पंथों, भाषाओं, क्षेत्रों के लोग बराबर के हिस्सेदार हैं, इसलिए कोई विशेषाधिकार न मांगें, यही न्यायपूर्ण विकास का मार्ग है। इसमें कोई शक नहीं कि कतिपय मुस्लिम आक्रान्ताओं ने हिन्दू मंदिरों को तोड़ा, किन्तु उन घटनाओं को हम आज के वातावरण को खराब करने का कारण नहीं बना सकते। जहां भी विवाद की स्थिति आती है तो देश के क़ानून और न्याय व्यवस्था से मामले हल हों।

राम मन्दिर विवाद में दोनों पक्षों ने आरंभिक दुराग्रहों के बावजूद अंत में न्याय व्यवस्था पर अनुकरणीय रूप से सद्भावना स्थापित करने में योगदान दिया। अब हर जगह नए-नए विवाद ढूंढने के प्रयास न किए जाएं। हम मुसलमान या हिन्दू होकर सोचना बंद करें, बल्कि भारतीय होकर सोचें तो समाधान आसानी से उपलब्ध हो सकते हैं। क्या कारण है कि धार्मिक जुलूसों पर पथराव किया जाए या एक-दूसरे को चुभने वाली नारेबाजी की जाए। क्या इससे ईश्वर या खुदा खुश हो सकता है, कभी नहीं। ऐसे लोगों पर समय पर उचित कानूनी नियंत्रण होना चाहिए जो वोट की राजनीति के कारण सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने में लगे रहते हैं। हालांकि सब एक-दूसरे को दोषी ठहराते हैं, किन्तु समाज तो समझता है कि सभी कम या ज्यादा, समाज को जातियों या संप्रदायों में बांट कर फूट डाल कर उनके वकील बन कर वोट हासिल करने के चक्कर में ही रहते हैं।यदि आप सच में निष्पक्ष सेवा करेंगे तो सभी वर्गों के वोट आपको, आपके काम के हिसाब से मिल सकते हैं। राजनेताओं में यह आत्मविश्वास होना चाहिए। हम अपने-अपने धर्म को अच्छा मानें, इसमें कोई हर्ज नहीं है, किन्तु दूसरे के धर्म को गलत या छोटा साबित करना छोड़ दें तो सद्भाव कायम करना आसान होगा।

आखिर हमारे ईश्वर को इस तरह या उस तरह मानने से सूरज-चांद अपना रास्ता तो नहीं बदल लेंगे। प्रकृति अपना काम बिना किसी भेदभाव के करती ही रहेगी। हमें ही सुख से जीने की अक्ल हासिल करने की जरूरत है, अपने और अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए। ईश्वर को पाने के अनेक रास्ते हो सकते हैं, यह मानना एक-दूसरे के धर्म का आदर करना सिखाने का आसान तरीका हो सकता है। हां! हमें प्रभुत्ववाद से समतावाद की ओर बढ़ना सीखना पड़ेगा, यही प्रजातंत्र का असली आधार है।

## संपादकीय

# उच्च शिक्षा की उखड़ती जड़ें

केरल विधानसभा ने बीते मंगलवार 21 जनवरी को सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित कर केंद्र सरकार से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग या यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन (यूजीसी) के मसौदा नियमों को वापस लेने का आग्रह किया है। यूजीसी के नए मसौदा नियमों की आलोचना कर्नाटक और तमिलनाडु जैसे गैर-भाजपा शासित राज्यों ने भी की है। इस महीने की शुरुआत में तमिलनाडु सरकार ने इसकी आलोचना की थी। राज्य के उच्च शिक्षा मंत्री गोवी चेजियान ने यूजीसी नियमों के मसौदे को तानाशाही बताते हुए कहा था कि अगर केंद्र सरकार इसे वापस नहीं लेती है तो डीएमके सरकार कानून का सहारा लेगी और इस मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन भी करेगी। वहीं केरल में न केवल सत्तारुढ़ सीपीआई (एम) बल्कि विपक्षी कांग्रेस भी इस फैसले में साथ है। केरल में सरकार और विपक्ष दोनों का मानना है कि यह उच्च शिक्षा में संघ परिवार के एजेंडे का हिस्सा है। मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने अपने प्रस्ताव में यूजीसी मसौदा नियमों को उच्च शिक्षा क्षेत्र के व्यवसायीकरण के लिए एक कदम मात्र बताया है। प्रस्ताव में कहा गया है कि बदलते नियमों को उच्च शिक्षा को धार्मिक और सांप्रदायिक विचारों का प्रचार करने वालों के चंगुल में फसाने के प्रयास के रूप में देखा जा सकता है। प्रस्ताव में कहा गया है, %विश्वविद्यालयों और अन्य उच्च शिक्षण संस्थानों के कामकाज के लिए लगभग 80 प्रतिशत पैसा राज्य सरकारों द्वारा खर्च किया जाता है। विश्वविद्यालयों की गुणवत्ता को बनाए रखने में राज्य सरकारों की प्रमुख भूमिका रहती है। केरल विधानसभा का मानना है कि केंद्र सरका

गौरतलब है कि हाल ही में केंद्र सरकार ने यूजीसी के नए मसौदा नियम जारी किए, जिसमें ऊपरी तौर पर यह दिखाने की कोशिश की गई है कि ये फैसले उच्च शिक्षा की गुणवत्ता और विश्वविद्यालयों का स्तर ऊंचा उठाने के लिए किए गए। लेकिन असल में इससे उच्च शिक्षा में बड़ी सेंध लगती नजर आ रही है। गौरतलब है कि यूजीसी के नए नियम राज्यों में राज्यपालों को कुलपतियों की नियुक्ति के लिए व्यापक अधिकार दिया गया है। साथ ही कुलपति का पद शिक्षाविदों तक सीमित नहीं रखकर इसे उद्योग विशेषज्ञों और सार्वजनिक क्षेत्र के दिग्गजों के लिए भी खोल दिया गया है। मतलब अब अगर कोई उद्योगपति चाहे तो वह किसी विश्वविद्यालय का कुलपति बन सकता है, भले उसके पास शैक्षणिक योग्यता और अनुभव न हों। उच्च शिक्षा के साथ इतना भद्दा खिलवाड़ आजादी के बाद से अब तक नहीं हुआ। नरेन्द्र मोदी इसे भी मुमकिन बना रहे हैं। इस फैसले पर गैर भाजपाई दल और सरकारें तो फिक्रमंद दिख ही रहे हैं, भाजपा की सहयोगी जदयू ने भी इस पर आपत्ति दर्ज की है। जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि हमें कुलपतियों की नियुक्ति में निर्वाचित सरकारों की भूमिका सीमित करने को लेकर चिंता है। यह उच्च शिक्षा के लिए राज्य सरकार के रोड मैप को प्रभावित करेगा। भाजपा की एक अन्य सहयोगी लोजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अरविंद कुमार वाजपेयी ने कहा कि इस मामले पर विचार-विमर्श करना संसद का विशेषाधिकार है।यूजीसी ने प्रकाशनों की मानक सूची को भी बंद करने का फैसला लिया है। बता दें कि विश्वविद्यालय और डिग्री कॉलेज वे प्राध्यापकों की पदोन्नति के लिए उत्कृष्ट पत्रिकाओं औ जर्नल में शोध-पत्र किताब और लेख प्रकाशित होन चाहिए। इसके लिए यूजीसी की मानक सूची से उ पत्रिकाओं की पहचान करने में मदद मिलती थी, ज विश्वसनीय हैं और शोधपत्र प्रकाशित करने के लिए कु गुणवत्ता मानकों को पूरा करती हैं। दरअसल पहले कु कीमत अदा करके फर्जी पत्रिकाओं में शोध आलेख प्रकाशित करवा लिए जाते थे, जिस पर रोक लगाने वे लिए 2018 में यूजीसी-कंसोर्टियम फॉर एकेडमिक्स एं रिसर्च एथिक्स यानी यूजीसी केयर शुरु किया गया, ज स्कोप्स और वेब ऑफ साइंस जैसे विश्व स्तर पर स्वीकृ डेटाबेस में अनुक्रमित पत्रिकाओं की एक संदर्भ सूची है विशेषज्ञों द्वारा गहन मूल्यांकन के बाद भारतीय पत्रिकाओं को सूची में शामिल किया गया। लेकिन अब प्रकाशन के चयन का फैसला विश्वविद्यालयों पर छोड़ दिया गय है। शिक्षाविदों का मानना है कि इससे फिर से फर्जी औ स्तरहीन प्रकाशनों के पनपने के लिए जमीन तैयार होगी

# नक्सलियों के खिलाफ चल रही निर्णायक मुहिम के मिलने लगे हैं बेहतर नतीजे

आमतौर पर नक्सली, आतंकवादी और अंडरवर्ल्ड के मास्टरमाइंड अपने पूरे जमात के साथ भारतीय गणतंत्र के लिए चुनौती समझे जाते हैं। इसलिए सुरक्षाबलों ने 76वें गणतंत्र दिवस से महज कुछ दिन पहले नक्सलियों के खिलाफ जो निर्णायक कार्रवाई करते हुए अंतरराज्यीय ऑपरेशन चलाए हैं और एक दर्जन से ज्यादा नक्सलियों को मुठभेड़ में मार गिराया है, वह तिरंगे और संवैधानिक गणतांत्रिक व्यवस्था को सच्ची सलामी है। इसलिए देशवासियों की अपेक्षा है कि सुरक्षा बलों की यह कार्रवाई और अधिक तेज होनी चाहिए, क्योंकि ऐसा करके ही हम उनके नापाक हौसले को तोड़ सकते हैं।

और जानेंदेखा जाए तो चाहे अंतर्राष्ट्रीय थल या समुद्री सीमा से सटे प्रदेश हों या हमारे आंतरिक प्रदेश, यहां पर नक्सलियों, आतंकवादियों और अंडरवर्ल्ड सरगनाओं की मौजूदगी और उनके मार्फ़त जब-तब होते रहने वाली हिंसात्मक घटनाएं एक ओर जहां शासन व्यवस्था और अमनपसंद लोगों को मुंह चिढ़ाती हैं, वहीं दूसरी ओर धनी लोगों के भयादोहन का कारण भी बनती हैं। चूंकि अवैध मानव व वस्तु तस्करी, ड्रग्स सिंडिकेट, अवैध हथियारों के कारोबार, फिरौती, विवादास्पद सम्पत्तियों की खरीद-फरोख्त आदि से इनके तार जुड़े होते हैं, इसलिए सफेदपोश नेताओं-समाजसेवियों-कथित अधिकारियों-उद्योगपतियों आदि के माध्यम से इनके सरगना भी परस्पर मिले हुए होते हैं। आम धारणा रही है कि इनके खिलाफ निर्णायक कार्रवाई इसलिए भी नहीं हो पाती है, क्योंकि क्षेत्रीय दलों और स्थानीय नेताओं से इनकी गुप्त सांठगांठ रहती है! और यही इनके तार कथित राष्ट्रीय नेताओं और अर्बन नक्सलियों-अपराधियों-आतंकवादियों के सिंडिकेट तक से जोड़ते हैं। यही वजह है कि प्रशासन भी सियासी कारणों के चलते इनके खिलाफ निर्णायक कार्रवाई नहीं कर पाता है। वहीं, जम्मू-कश्मीर, पंजाब से लेकर उत्तर-पूर्वी राज्यों की आतंकी घटनाएं हों, या झारखंड, उड़ीसा, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र व बिहार की नक्सली घटनाएं, या फिर बड़े महानगरों से लेकर जिलास्तरीय शहरों की अंडरवर्ल्ड वारदातें, इनके तार परस्पर जुड़े बताए जाते हैं।

इसे भी पढ़ें- अमित शाह की रणनीति से नक्सलवाद पर लगाम

कहना न होगा कि इनमें से कई राज्यों में क्षेत्रीय दलों की मजबूती के पीछे भी इनकी राष्ट्रविरोधी सोच होती हैं, जिन्हें बरास्ता नेपाल, पाकिस्तान व चीन का भी संरक्षण हासिल होता है। वहीं, कांग्रेस समेत कई बड़े क्षेत्रीय दल भी इनके नेक्सस के समक्ष घुटने टेक चुके हैं। जबकि इन सभी बातों से उलट केंद्र में सत्तारूढ़ राष्ट्रवादी भाजपा नीत एनडीए की सरकार और उड़ीसा-छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र की भाजपा प्रदेश सरकारों की संगठित अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति से प्रोत्साहित होकर सुरक्षा बलों ने स्थानीय पुलिस के साथ संयुक्त रणनीति बनाकर नक्सलियों-दुर्दांत अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का जो बीड़ा उठाया है, उसकी एक झलक ताजा कार्रवाई से मिलती है। गौरतलब है कि भारत में नक्सलवाद के खिलाफ चल रहे अभियान को एक और बड़ी सफलता तब मिली, जब गत दिनों ओडिशा और छत्तीसगढ़ के बॉर्डर क्षेत्र में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF), छत्तीसगढ़ के एसओजी (स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप) और ओडिशा पुलिस के ज्वाइंट ऑपरेशन के दौरान 14 नक्सलियों को मार गिराया गया। इस कार्रवाई में नक्सलियों के खिलाफ सुरक्षा बलों की ओर से की गई त्वरित और रणनीतिक कार्रवाई को एक बड़ी सफलता के रूप में देखा जा रहा है। इस ऑपरेशन में बड़ी संख्या में हथियार और बाकी सामग्री भी बरामद की गई जो नक्सली गतिविधियों को और बढ़ावा दे रही थी।प्राप्त जानकारी के मुताबिक, सुरक्षा बलों के इस संयुक्त ऑपरेशन में नक्सल आंदोलन का एक प्रमुख सरगना, जयराम चलपती को ढेर किया गया। क्योंकि जयराम को नक्सली हिडमा का गुरु माना जाता था और नक्सली गतिविधियों में उसकी अहम भूमिका थी। जयराम पर 1 करोड़ रुपये का इनाम भी घोषित किया गया था। क्योंकि सुरक्षा एजेंसियों के लिए जयराम की तलाश एक बड़ी चुनौती थी। ऐसा इसलिए कि वह नक्सलवादी समूहों के लिए एक अहम रणनीतिक सोच के रूप में काम करता था। उसकी मृत्यु से न केवल छत्तीसगढ़ और ओडिशा बल्कि पूरे देश में नक्सलवादी आंदोलन को एक बड़ा झटका लगा है।बताया जाता है कि इस ऑपरेशन को सफल बनाने में छत्तीसगढ़, ओडिशा और तेलंगाना की राज्य सरकारों ने अहम भूमिका निभाई है। इन तीनों राज्यों की पुलिस और सुरक्षा बलों ने मिलकर जयराम और उसके साथी नक्सलियों के खिलाफ लंबे समय से सख्त अभियान चलाया था। यही वजह है कि गृहमंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ट्वीट कर इस सफलता पर बधाई दी और सुरक्षा बलों की कड़ी मेहनत की सराहना की। उन्होंने कहा कि ये नक्सल मुक्त भारत के लक्ष्य की दिशा में एक और अहम कदम है।बता दें कि भारत सरकार का स्पष्ट लक्ष्य है कि देश को नक्सलवाद से पूरी तरह मुक्त किया जाए। ये ऑपरेशन उस दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है जो सुरक्षा बलों और सरकार के प्रयासों से नक्सलवाद के खात्मे की ओर बढ़ रहा है। समझा जा रहा है कि जयराम की मौत के बाद अब नक्सलियों के मनोबल को भारी झटका लगेगा और उन्हें पुनः अपनी ताकत को संगठित करना मुश्किल

होगा। सुरक्षा बलों की ये सफलता न केवल एक बड़ी सैन्य जीत है बल्कि ये देश के नागरिकों के लिए एक संदेश भी है कि नक्सलवाद का खात्मा अब बिल्कुल नजदीक है।बता दें कि एक साल पहले गृह मंत्री अमित शाह ने नक्सलवाद को खत्म करने के रोडमैप को जो हरी झंडी दी थी, उसके तहत एनआईए ने नक्सलियों के खिलाफ कुल 96 मामलों की जांच कर रही है। उनकी राजनीतिक इच्छा शक्ति और सटीक रणनीति का ही यह तकाजा है कि हाल ही में 14 नक्सली एक मुठभेड़ में मारे गए हैं। उल्लेखनीय है कि एक साल पहले 21 जनवरी 2024 को गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रायपुर में छत्तीसगढ़ के शीर्ष नेतृत्व एवं सुरक्षा बलों के प्रमुखों के साथ बैठक की थी, जिसमें नक्सलवाद को खत्म करने के रोडमैप को हरी झंडी दी थी। वहीं, छत्तीसगढ़ की पूर्ववर्ती भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के विपरीत नवनियुक्त विष्णु देव साय के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने इस रोडमैप को अमली जामा पहनाने की राजनीतिक इच्छाशक्ति प्रदर्शित की, जिसका बेहतर नतीजा सबके सामने है। गौरतलब है कि नक्सलवाद को पूरी तरह से खत्म करने के लिए बनाए गए अमित शाह के रोडमैप में तीन अहम बिंदू हैं। पहला, नक्सलियों के कोर इलाके में सुरक्षा बलों की अग्रिम चौकियां स्थापित कर सुरक्षा गैप को भरना, दूसरा, मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम कानून का इस्तेमाल कर ईडी की मदद से नक्सलियों को मिलने वाली फंडिंग के स्त्रोत को पूरी तरह से बंद करना, और तीसरा गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम कानून का इस्तेमाल पर नक्सली गतिविधियों में शामिल आरोपियों के खिलाफ एनआईए की जांच कराकर कड़ा सजा सुनिश्चित करना। कहना न होगा कि तीनों ही फ्रंट में राज्य प्रशासन के सहयोग से बेहतरीन काम हुआ।मिली जानकारी के अनुसार, वर्ष 2019 के बाद सुरक्षा बलों की 290 अग्रिम चौकियां स्थापित की गई, जिनमें अकेले साल 2024 में 58 अग्रिम चौंकियां स्थापित करना शामिल हैं। वहीं, इस साल 2025 में सुरक्षा बलों की कुल 88 अग्रिम चौकियां स्थापित करने का लक्ष्य है। इसके अलावा, राज्य सरकारें, ईडी और एनआईए ने नक्सल फंडिंग से जुड़ी 72 करोड़ रुपये की संपत्तियां जब्त की है। वहीं, एनआईए ने नक्सलियों के खिलाफ कुल 96 मामलों की जांच कर रही है, जिनमें 56 मामले पिछले तीन साल में दर्ज किये गए। इनमें से 77 मामलों में चार्जशीट भी दाखिल हो चुकी है। एक्सपर्ट बताते हैं कि कहने को अग्रिम सुरक्षा चौकियों का गठन छोटी बात लग सकती है, लेकिन नक्सलियों के खिलाफ अभियान में यह कारगर रणनीति साबित हो रही है। क्योंकि अग्रिम सुरक्षा चौकियां बनने से उसके तीन-चार किलोमीटर के दायरे में नक्सलियों के लिए अपनी गतिविधि चलाना संभव नहीं रहता है। वहीं, दूसरी बात यह है कि इन चौकियों के सहारे सरकारी तंत्र और लोक कल्याणकारी व विकास योजनाएं भी ग्रामीणों तक पहुंच रही है। वहीं, गृहमंत्री अमित शाह ने मार्च 2026 तक अबूझमाड़ से लेकर दंडकारण्य और उससे आगे तक फैले नक्सल प्रभाव वाले पूरे इलाके में हर तीन-चार किलोमीटर पर एक सुरक्षा अग्रिम चौकी स्थापित कर करने का लक्ष्य रखा है। क्योंकि इन अग्रिम चौकियों का ही कमाल है कि वर्ष 2023 में जहां मात्र 50 नक्सलियों को मार गिराया गया था, वहीं उसकी तुलना में साल 2024 में 290 नक्सली मारे गए हैं। यही नहीं, इस साल 2025 में 21 जनवरी तक 48 नक्सली मारे जा चुके हैं।इससे स्पष्ट है कि वर्ष 2025 में स्थापित होने वाले नए 88 अग्रिम सुरक्षा चौकियों की स्थापना से सुरक्षा बलों के आपरेशन की ताकत में और इजाफा होगा। वहीं, अगले साल 2026 में प्रस्तावित सभी सुरक्षा चौकियों के बनने के बाद नक्सलियों के पास अपनी गतिविधि चलाने को कोई भी सुरक्षित क्षेत्र ही नहीं बचेगा। यही वजह है कि उसके बाद ही नक्सलवाद के खात्मे का एलान किया जाएगा।इससे साफ है कि अमित शाह की सटीक रणनीति ने बाजी उनके पक्ष में पलटती जा रही है, जिससे एक सफल गृहमंत्री के रूप में उनके नाम का शुमार किया जाने लगा है।

# एकता का प्रतीक, हमारा सुदृढ़ गणतंत्र

हमें गर्व है कि विश्व का सबसे बड़ा संविधान हमारे देश का है। जो डॉ.भीमराव अम्बेडकर जी द्वारा रचित और हस्तलिखित पाण्डुलिपि में श्री प्रेम बिहारी रायजादा जी द्वारा निर्मित है। जो 2 वर्ष, 11 माह, 18 दिन में तैयार किया गया था। 26 जनवरी, 1950 को देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ.राजेन्द्र प्रसाद ने 21 तोपों की सलामी के साथ ध्वजारोहण कर, भारत को पूर्ण गणतंत्र घोषित किया था।

गणतंत्र दो शब्दों से मिलकर बनता है जो 'गण' अर्थात् जनता और 'तंत्र' अर्थात् शासन से है। गणतंत्र में जनता का ,जनता के लिए व जनता के द्वारा किया जाने वाला शासन होता है। हमारे देश में जनता के लिए बनाया गया संविधान लचीले संविधान की श्रेणी में भी आता है। जो समय-समय पर विशेष प्रक्रिया द्वारा जन हितार्थ में परिवर्तित किया जा सकता है। यह एक उत्तम संकेत है कि समय-समय पर देश, काल, परिस्थितियों के आधार पर लोकतंत्र की मूल भावना अक्षुण्ण रहे। वैसे भी राष्ट्र में नियम कायदे तो जनमानस के लिए ही होते हैं तो उनका सहर्ष पालन भी जनता द्वारा होने पर ही गणतंत्र सफल है।

हमें हमारे संविधान की वृहदता यह भी याद दिलाती है कि हमें अपने अधिकार व कानून दिलवाने में कई अमर शहीदों ने अनेकों संघर्ष किए हैं।

यहाँ मैं कहूँगी कि-

**'आओं शत्-शत् वंदन करें शहीदों को,**
**जिन्होंने आज़ादी की मंजिल दिलवाई।**
**उन्होंने बहाया रक्त का कतरा-कतरा**
**तब हमने आज़ाद हवाओं में श्वासें पाई।'**

इससे हम देशवासी संविधान के प्रति संकल्पित और प्रेरित होते है कि हमें इसके नियम कायदों का पालन करते हुए अपने देश को हर क्षेत्र में उन्नति, उत्कृष के नए शिखर पर ले जाना है तथा उसके प्रति सदैव समर्पित भाव रखते हुए निरंतर प्रगतिशील बनाना है।

हमारी भारतीय संस्कृति जो पहले से ही उत्कर्ष व वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना से ओतप्रोत रही है उसी को ध्यान में रखकर लिखा गया हमारा संविधान जिसमें उस समय 395 आर्टिकल, 8 अनुसूचियाँ थी। जो 22 भागों में चर्म पत्र पर लिखी गयी थी ताकि 1000 साल बाद भी वह अपना मूल स्वरूप ना खोए।

हमारा संविधान जनता के हित में तैयार किया गया तंत्र है। साथ ही हमारी भारतीय संस्कृति, मर्यादाएं जो अक्षुण्ण थी, है और रह सके इसलिए नीति सिद्धांतों के आधार स्तम्भ पर इसे निर्मित किया गया है। हमारे यहाँ जाति, धर्म से उठकर सभी को बराबरी के मौलिक अधिकार प्रदान किए गए है।

हमारे देश में कानून के अंतर्गत कोई भी छोटा-बड़ा, अमीर-गरीब व ऊँच-नीच नहीं है बल्कि इन सबसे बढ़कर सभी समान अधिकारों से युक्त हो, समानता के अधिकारी है। हमारे देशवासियों को पूर्ण अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्राप्त है। विधि के अंतर्गत सभी अपनी गलतियों के लिए एक समान दण्ड के अधिकारी भी है। यहाँ बड़ी बात इसलिए भी है कि हमारे देश की संस्कृति में इतने बहुआयामी विविधता के रंगों का समावेश है।

जहाँ विश्व की द्वितीय सबसे अधिक जनशक्ति रहती है। जहाँ हर 5 कि.मी. पर भाषा, खानपान, नृत्य, संगीत, गायन, वादन, कलाएं व पहनावा बदल जाता है तो ऐसी बहुरंगता में इतनी कानून कायदों की समानता होना अपने आप में अद्वितीय ही है। इसका यहीं गुण तो हमारे महान संविधान के गुणगान गाने को स्वतः प्रेरित करता है। हमें चाहिए कि देश के निरंतर विकास के लिए हम और विशेषतः युवा पीढ़ी अग्रणी बने क्योंकि किसी भी देश की उन्नति का सबसे बड़ा कारक वहाँ के युवा ही होते है। हम इस बात में भी विश्व में सबसे अधिक भाग्यशाली है कि हमारे यहाँ युवा पीढ़ी की आबादी सबसे अधिक है और इसलिए भारत भी युवा है। हमारे देश से शिक्षित युवा ना केवल देश में अपितु पूरे विश्व में अपने ज्ञान से उन्नत सेवाएँ दे रहे है। हमारी आर्थिक उन्नति के लिए भी हमारा युवा वर्ग बहुत बड़ा कारण है।

इसके अलावा हमारे देश में प्रकृति ने जो अनमोल व उत्तम उपहार प्रदान किए है उससे भी हमारे देश की उन्नति हो रही है, हमारे यहाँ के हैरिटेज व्यापार विश्वव्यापी स्वरूप ले रहे है, हमारे देश का कृषि प्रधान होना भी हमारी समृद्धि को चार चाँद लगाता है।

हमारे यहाँ की संस्कृति की महानता पूरा विश्व मानता है। जो करोनाकाल में हमने प्रत्यक्ष रूप से देखी भी है। हम सदैव सभी धर्मो का आदर करते हुए, सकल मानवजाति को सम्यक रूप से देखते हैं।

कुछ विघ्नसंतोषी ताकतों के कारण हमारे देश की अखण्डता, खण्डित हुई और अनेक पड़ोसी देश जैसे- बांगलादेश, पाकिस्तान, अफगानिस्तान आदि बन गए। हमारा अखण्ड भारत खण्ड-खण्ड हुआ। जो हम भारतीयों के लिए शोकग्रस्त व घातक भी बना। हमारे यहाँ लगभग 60 सालों में देश में प्रजातंत्र होने के बाद भी राजतंत्र जैसी स्थितियाँ दर्शनीय रही।

फिर देश के महापुरुषों ने एक ऐसे संघ को स्थापित किया जिससे देश सही मायने में संगठित होने की दिशा में बढ़ा। यहाँ वास्तविक एकता की भावना पर जोर दिया गया। जो भारत अपनी धर्म, भाषा, संस्कृति के महत्व को भूल सुप्तावस्था में जा रहा था उसे जागृत करने में संघ ने महती भूमिका का निर्वहन किया।

आज भारत की धर्म, संस्कृति का युवा पीढ़ी में पुनः उदय हो रहा है। जो नवचेतना से नवभारत का अप्रतीम उदाहरण बन रहा है। संघ के नियमों से जन-जन में देशभक्ति की भावना बढ़ रही है। संघ संविधान का आदर करते हुए गणतंत्र के सही मायने सिखा रहा है। उससे जनता संविधान में लिखित अपने अधिकारों के प्रति सजग हो रही है और वास्तविक लोकतंत्र के महत्व को जान रही है।

अब जो लहरे संघ विचारधारा के रूप में उठी है वह अपने क्रियाकलापों व देशसेवा भावना से अखण्ड भारत के सपने को साकार करने में लगी है। संघ द्वारा लोक संस्कृति को बलवती करने के लिए निरंतर प्रयास हो रहे है जिससे वह दिन भी दूर नहीं होगा जब हम पुनः विश्वगुरू बन विश्व का मार्ग दर्शन करेंगे।

अभी हमने चलना शुरू ही किया है तो देश प्रगति के मार्ग पर है। प्रतीक्षा है उस दिन की, कि जब हम दौड़े और विश्व आदर से हमारे पथ का अनुगमन करें।

अब अंत में इतना ही ....

**'हम हमारे भारत वर्ष का सम्मान करते हैं,**
**सदा अपनी मातृभूमि का गुणगान करते हैं,**
**देवभूमि देश है जहाँ राम,कृष्ण जन्म लेते,**
**गर्व हमें, हम भू के स्वर्ग पर निवास करते हैं।'**

## भारतीय ध्वज संहिता से जानिए राष्ट्रीय ध्वज का महत्व और फहराने का तरीका

चक्र : इस धर्म चक्र को विधि का चक्र कहते हैं जो तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व मौर्य सम्राट अशोक द्वारा बनाए गए सारनाथ मंदिर से लिया गया है। इस चक्र को प्रदर्शित करने का आशय यह है कि जीवन गतिशील है और रुकने का अर्थ मृत्यु है।

ध्वज संहिता : 26 जनवरी 2002 को भारतीय ध्वज संहिता में संशोधन किया गया और स्वतंत्रता के कई वर्ष बाद भारत के नागरिकों को अपने घरों, कार्यालयों और फैक्टरी में न केवल राष्ट्रीय दिवसों पर, बल्कि किसी भी दिन बिना किसी रुकावट के फहराने की अनुमति मिल गई। अब भारतीय नागरिक राष्ट्रीय झंडे को शान से कहीं भी और किसी भी समय फहरा सकते हैं। बशर्ते कि वे ध्वज की संहिता का कठोरता पूर्वक पालन करें और तिरंगे की शान में कोई कमी न आने दें।

सुविधा की दृष्टि से भारतीय ध्वज संहिता, 2002 को तीन भागों में बांटा गया है। संहिता के पहले भाग में राष्ट्रीय ध्वज का सामान्य विवरण है। संहिता के दूसरे भाग में जनता, निजी संगठनों, शैक्षिक संस्थानों आदि के सदस्यों द्वारा राष्ट्रीय ध्वज के प्रदर्शन के विषय में बताया गया है। संहिता का तीसरा भाग केन्द्रीय और राज्य सरकारों तथा उनके संगठनों और अभिकरणों द्वारा राष्ट्रीय ध्वज के प्रदर्शन के विषय में जानकारी देता है।

### 26 जनवरी 2002 विधान पर आधारित कुछ नियम और विनियमन हैं कि ध्वज को किस प्रकार फहराया जाए

क्या करें

* राष्ट्रीय ध्वज को शैक्षिक संस्थानों (विद्यालयों, महाविद्यालयों, खेल परिसरों, स्काउट शिविरों आदि) में ध्वज को सम्मान देने की प्रेरणा देने के लिए फहराया जा सकता है। विद्यालयों में ध्वज आरोहण में निष्ठा की एक शपथ शामिल की गई है।
* किसी सार्वजनिक, निजी संगठन या एक शैक्षिक संस्थान के सदस्य द्वारा राष्ट्रीय ध्वज का अरोहण/प्रदर्शन सभी दिनों और अवसरों, आयोजनों पर अन्यथा राष्ट्रीय ध्वज के मान सम्मान और प्रतिष्ठा के अनुरूप अवसरों पर किया जा सकता है।
* नई संहिता की धारा 2 में सभी निजी नागरिकों अपने परिसरों में ध्वज फहराने का अधिकार देना स्वीकार किया गया है।

क्या न करें

* इस ध्वज को सांप्रदायिक लाभ, पर्दे या वस्त्रों के रूप में उपयोग नहीं किया जा सकता है। जहां तक संभव हो इसे मौसम से प्रभावित हुए बिना सूर्योदय से सूर्यास्त तक फहराया जाना चाहिए।
* इस ध्वज को आशय पूर्वक भूमि, फर्श या पानी से स्पर्श नहीं कराया जाना चाहिए। इसे वाहनों के हुड, ऊपर और बगल या पीछे, रेलों नावों या वायुयान पर लपेटा नहीं जा सकता।
* किसी अन्य ध्वज या ध्वज पट्ट को हमारे ध्वज से ऊंचे स्थान पर लगाया नहीं जा सकता है। तिरंगे ध्वज को वंदनवार, ध्वज पट्ट या गुलाब के समान संरचना बनाकर उपयोग नहीं किया जा सकता।

## मेरा देश मेरी पहचान: कैसा देश चाहते हैं आप ?

भारत को सर्वगुण संपन्न देश बनाने के लिए एक ओर तो हमें विषमता व शोषण वाली ताकतों से संघर्ष करना होगा तथा साथ ही अपने जीवन को इन आदर्शों के अनुकूल बनाना होगा। आइए जानें 30 खास महत्वपूर्ण बातें...

(1) हम ऐसा देश चाहते हैं जिसमें सभी लोगों को भरपेट पौष्टिक भोजन मिले, साफ पेयजल मिले।
(2) सभी लोगों को सर्दी-गर्मी व बरसात से रक्षा करने वाले और सफाई की उचित व्यवस्था वाले घर और वस्त्र मिलें।
(3) सभी बच्चों को शिक्षा के उचित खुशहाल अवसर मिलें। जो अशिक्षित वयस्क लोग साक्षर होना चाहते हैं उन्हें साक्षरता के पर्याप्त अवसर मिलें।
(4) बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाएं सब लोगों को उपलब्ध हों। दवा उद्योग मुनाफे पर आधारित न होकर जरूरतों पर आधारित हों। रोगों की रोकथाम व दुर्घटनाओं को कम करने को प्राथमिकता मिले।
(5) गरीब से गरीब व कमजोर से कमजोर व्यक्ति को आगे जाने का अवसर मिले। इतिहास के सैकड़ों वर्षों में जिनसे अन्याय हुआ है उन अनुसूचित जातियों व जनजातियों, अन्य बहुत पिछड़े वर्गों तथा महिलाओं को अधिक अवसर देने की विशेष व्यवस्था की जाए। छुआछूत को जड़ से समाप्त किया जाए। विकलांग व्यक्तियों को विशेष अवसर मिले व समाज उनकी जरूरतों पर ध्यान दें।
(6) गांवों व कृषि को प्राथमिकता दी जाए। गांवों के आत्मनिर्भर विकास पर जोर दिया जाए। सूखे, बाढ़ से अधिक प्रभावित रहने वाले या अन्य कारणों से अधिक गरीब गांवों पर विशेष ध्यान दिया जाए। गांव के जल, जंगल, जमीन, लघु खनिज आदि संसाधनों पर गांव का अधिकार हो। ग्रामसभा में सभी वयस्क गांववासियों की बराबर व सक्रिय जिम्मेदारी हो। गांव के जल, जंगल, मिट्टी, पत्थर पर आधारित सबको संतोषजनक आजीविका मिले, वे इन सब संसाधनों की रक्षा करें।
(7) समता व सादगी को आर्थिक-सामाजिक विकास का आधार बनाया जाए।
(8) बुनियादी उद्योगों, खाद्य, दवा आदि महत्वपूर्ण क्षेत्रों में देश की आत्मनिर्भरता सुनिश्चित की जाए।
(9) हवा, पानी को साफ रखने व प्रदूषण से बचाने के निष्ठावान प्रयास किए जाएं।
(10) जमीन का उपजाऊपन से बचाने, वनों व चारागाहों की रक्षा करने, हरियाली बढ़ाने, पानी का संरक्षण और संग्रह करने के विशेष प्रयास किए जाएं।
(11) जहां तक संभव हो विस्थापन वाली परियोजनाओं के विकल्प खोजे जाएं। जहां विस्थापन डाला न जा सके, वहां विस्थापितों से पूर्ण न्याय के बाद ही उन्हें हटाया जाए।
(12) भूमिहीन खेत मजदूरों को जमीन दी जाए। जिन किसानों की जमीन बहुत कम हो गई है, हो सके तो उन्हें भी जमीन दी जाए। ग्रामीण दस्तकारों के रोजगार की रक्षा हो। किसी भी कारखाने को बंद करना हो तो मजदूरों से पूर्ण न्याय हो। किसी को अचानक बेरोजगारी में न धकेला जाए।
(13) किसी को ऐसे कार्य करने के लिए मजबूर न होना पड़े जो उसके स्वास्थ्य व इज्जत पर आघात करें।
(14) छोटे शहरों व कस्बों के विकास पर अधिक ध्यान दिया जाए, जिससे महानगरों की झोपड़ियों व फुटपाथों पर रहने की मजबूरियों से लोग बचें। सभी शहरों के विकास में गरीब लोगों की जरूरतों का ध्यान रखा जाए। विलासिता व चमक-दमक के स्थान पर सफाई और बुनियादी जरूरतों को महत्व दिया जाए।
(15) अर्थव्यवस्था में हम गरीब देशों व विकासशील देशों में हो रहे बहुतरफा अन्याय का विरोध करें व विश्व शांति के लिए प्रयास करें। पड़ोसी देशों से संबंध अच्छे रखने का पूरा प्रयास करें, पर साथ ही किसी हमले या किसी आतंकवाद का सामना करने के लिए पूरी तरह से तैयारी में रहें।
(16) सभी तरह के हथियारों को कम करने व नाभिकीय हथियारों को पूरे विश्व में समाप्त करने के प्रयास करें।
(17) सभी धर्मों के अनुयायी अपने धर्म को मानने को स्वतंत्र हों पर किसी अन्य धर्म के विरुद्ध कुछ न कहें।
(18) सभी जीव-जंतुओं के प्रति करुणा की भावना विकसित हो। लोगों के सहयोग से लुप्त हो रहे जीव-जंतुओं की रक्षा की जाए। कृषि पशुओं व डेयरी पशुओं के प्रति कोई क्रूरता न हो। जहरीली दवाओं से पशु-पक्षी न मारे जाएं। शाकाहारिता को प्रोत्साहित किया जाए।
(19) सब तरह के नशे व धूम्रपान के विरुद्ध जन जागृति उत्पन्न की जाए।
(20) ऐसी नीतियां अपनाई जाएं जिनसे गांव-मोहल्ले के स्तर पर आपसी भाईचारा, परिवारों की एकता व प्यार बढ़े, बच्चों तथा वृद्धों का विशेष ख्याल रखा जाए। महिलाओं को गरिमामय स्थान मिले।

## लंगड़ाते हुए 'छावा' के ट्रेलर लॉन्च के लिए पहुंचीं

# रश्मिका मंदाना

## रेड सूट पहन महारानी लुक में नजर आईं एक्ट्रेस

रश्मिका मंदाना और विकी कौशल की फिल्म 'छावा' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है. फैन्स को ये ट्रेलर बहुत पसंद आ रहा है और इसकी जमकर तारीफ हो रही है. इससे पहले फिल्म के टीजर की भी जमकर तारीफ हुई थी. इस फिल्म में अक्षय खन्ना भी नजर आने वाले हैं. हालांकि 'छावा' के ट्रेलर रिलीज से कुछ वक्त पहले ऐसी खबरें थीं कि रश्मिका के पैर में चोट लग गई है और उनको डॉक्टर्स ने आराम करने की सलाह दी है. वहीं दूसरी ओर आज जब उनकी फिल्म 'छावा' का ट्रेलर रिलीज हुआ, उस इवेंट से पहले रश्मिका को लंगड़ाते हुए स्पॉट किया गया है. इसका वीडियो अब जमकर वायरल हो रहा है.रश्मिका मंदाना ने कुछ वक्त पहले अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कुछ फोटोज पोस्ट की थीं. जिसमें उन्होंने बताया था कि एक्ट्रेस को वर्कआउट के वक्त पैर में चोट लग गई और अब वो चल नहीं पा रही हैं. लेकिन अपनी फिल्म के ट्रेलर लॉन्च के लिए तो उनको पहुंचना ही था, तो बस एक्ट्रेस लंगड़ाते हुए पहुंच गईं.

**लड़खड़ाते हुए छावा ट्रेलर लॉन्च में पहुंचीं रश्मिका**

इस वीडियो में साफ तौर पर देखा जा सकता है कि 'छावा' के ट्रेलर लॉन्च के लिए रश्मिका ट्रेडिशनल गेटअप में वेन्यू पर पहुंचती हैं. कैमरे के सामने पोज देने के लिए एक्ट्रेस ने किसी का सहारा लिया और डगमगाती हुई एक पैर के सहारे खड़ी नजर आईं. इसके बाद एक पैर के सहारे उछलते हुए वो अंदर चली गईं.

इस इवेंट के लिए रश्मिका ने रेड कलर का हैवी वर्क वाला सूट कैरी किया था. इस सूट में वो पूरी तरह से महारानी लुक में नजर आ रही थीं. रश्मिका पोज देते हुए मुस्कुराईं और फिर बाद में अंदर चली गईं. उनकी मुस्कान काफी पॉजिटिव नजर आ रही थी.

**हैदराबाद एयरपोर्ट पर भी लड़खड़ाते हुए हुई थीं स्पॉट**

हालांकि इससे पहले एक्ट्रेस को हैदराबाद एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया था, जब वो मुंबई में अपने ट्रेलर लॉन्च के लिए रवाना हो रही थीं. इस दौरान वो बिना किसी का सहारा लिए व्हीलचेयर पर बैठती हुई नजर आईं. एक्ट्रेस के इन वीडियोज के सामने आने के बाद लोग प्रार्थना कर रहे हैं कि वो जल्दी से ठीक हो जाएं.

**रश्मिका का वर्कफ्रंट**

रश्मिका के वर्कफ्रंट की बात करें तो इससे पहले वो अल्लू अर्जुन के साथ 'पुष्पा 2' में नजर आई थीं. इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर बंपर कमाई की थी. अब विकी कौशल के साथ उनकी फिल्म 'छावा' 14 फरवरी को रिलीज होने वाली है. इस फिल्म में रश्मिका संभाजी महाराज की पत्नी महारानी यासुबाई के किरदार में नजर आने वाली हैं. इसके अलावा वो 'सलमान खान' के साथ फिल्म सिकंदर में भी दिखाई देंगी.

## संन्यासी बनीं बॉलीवुड एक्ट्रेस ममता कुलकर्णी, किन्नर अखाड़े से ली दीक्षा, ये है नया नाम

ममता कुलकर्णी ने बॉलीवुड की ढेरों फिल्मों में काम किया है. हालांकि, लंबे समय से वो फिल्मों से दूर हैं. अब वो संन्यासी बन चुकी हैं. उन्होंने किन्नर अखाड़े से दीक्षा ली है. उन्होंने आध्यात्मिक मार्ग अपनाते हुए प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ 2025 के दौरान किन्नर अखाड़े में संन्यास की दीक्षा ली है. उन्हें किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर की उपाधि से सम्मानित किया गया है.किन्नर अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी डॉक्टर लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी और जूना अखाड़ा की महामंडेलश्वर स्वामी जय अंबानंद गिरी के सानिध्य में ममता कुलकर्णी महामंडलेश्वर बनेंगी. आज यानी 24 जनवरी की शाम वो पिंडदान करेंगी और शाम में 6 बजे उनका पट्टा अभिषेक होगा.

**इस नाम से जानी जाएंगी ममता**

संन्यासी बनने के बाद ममता अब एक नए नाम से जानी जाएंगी. उनकी नई पहचान 'श्री यामाई ममता नंद गिरि' के तौर पर है. ये उनका नया नाम है. ममता सालों से दुबई में रह रही थीं. कुछ समय पहले ही वो भारत आई हैं. वहीं अब वो उन्होंने संन्यासी बनने का फैसला लिया है.

**ममता कुलकर्णी का फिल्मी सफर**

ममता कुलकर्णी ने अपना फिल्मी करियर साल 1991 में रिलीज हुई तमिल फिल्म 'नन्नबरगल' से शुरू किया था. उसके एक साल बाद साल 1992 में उन्होंने बॉलीवुड में कदम रखा. उनकी पहली हिंदी फिल्म 'मेरे दिल तेरे लिए थी'. उन्हें असली पहचान साल 1995 में रिलीज हुई फिल्म 'करण अर्जुन' से मिली, जिसमें वो सलमान खान के अपोजिट दिखी थीं. राकेश रोशन के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में काजोल और शाहरुख खान भी दिखे थे. ममता आज भी इस फिल्म के लिए जानी जाती हैं.उसके बाद ममता ने 'नसीब', 'सबसा बड़ा खिलाड़ी', 'वक्त हमरा है', 'घातक' समेत और भी कई फिल्मों में काम किया है. हालांकि, फिर उनका नाम ड्रग्स केस में सामने आया. उनका नाम डॉन विक्की गोस्वामी से जुड़ा, जिसके बाद वो फिल्मों से दूर हो गईं.

## Rajat Dalal ने दी धमकी! अब एक्ट्रेस ने उल्टा धमका दिया, कहा- मुझे दिक्कत हुई तो...

Bigg Boss 18 को अपना विनर मिल चुका है. 19 जनवरी को इस सीजन का फिनाले हुआ था, जहां करणवीर मेहरा के सिर 18वें सीजन का ताज सजा. पर बिग बॉस 18 खत्म होने के बावजूद सोशल मीडिया पर फैन्स के बीच छिड़ी जंग थमने का नाम नहीं ले रही है. बीते दिनों टीवी एक्ट्रेस अशिता धवन ने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर कर रजत दलाल के फैन्स को गुंडा बताया था. जिसके बाद रजत दलाल ने एक वीडियो शेयर कर एक्ट्रेस को धमकी दी. लेकिन बिना देरी किए एक्ट्रेस ने भी लॉ एंड ऑर्डर की बात की है.

करणवीर मेहरा की जीत के बाद रजत दलाल के फैन्स पर एक्ट्रेस अशिता धवन ने सवाल उठाए. उन्होंने बीते दिनों इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर कर लिखा छपरी टपरी पर बैठे हैं. दलाल झुंड, जो खुद को आर्मी बताते हैं. रजत दलाल के सारे दलाल, निकालते रह गए तुम बाल की खाल, लगता है कम पड़ गया तुम्हारा माल, फंस गए तुम अपने जाल में...अब इस स्टोरी को करणवीर मेहरा ने री-शेयर किया है.

**रजत दलाल ने दी धमकी**

13 घंटे पहले रजत दलाल ने एक वीडियो पोस्ट किया. उन्होंने कहा- बेहतरी इस चीज में रहेगी कि आप अपने परिवार पर ध्यान दो, मेरे समीकरणों की छोड़ दो. वो आपको अभी भी दिख रहा होगा और समय के साथ दिख जाएगा. आगे वो कहते हैं- कुछ भी बोलना है तो मुझे बोलो, जो पीछे नाम है न दलाल, उसको मत लाओ. दलाल साहब मेरे बहुत बढ़िया है. आप शहरी पपलू-टपलू हो आपको नहीं पता हिसाब किताब क्या होता है. इन सब चीजों पर मत पड़ो, मस्त रहो जिंदगी पड़ी है निकालो. इधर का कोई बुरा मान गया, तो आपको दिक्कत हो जाएगी.

**अब एक्ट्रेस ने उल्टा रजत को धमका दिया**

रजत दलाल के वीडियो का टीवी एक्ट्रेस अशिता धवन ने जवाब दिया है. उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है. वो कहती दिख रही हैं कि- मैंने आपका एक वीडियो देखा आपको थोड़ा कन्फ्यूजन हो गया है. मैंने आपको या आपके परिवार को कुछ नहीं कहा है. उन्होंने बताया कि आपकी तरफ से बात करने वाले लोग हमारी फैमिली और बच्चों के लिए गंदी-गंदी बाते कहते हैं.आगे वो कहती हैं- आपने अपनी पावर का सही इस्तेमाल क्यों नहीं किया. मुझसे इंटरव्यू में अपना ओपिनियन मांगा गया था, तो मैंने वो दे दिया. इसके लिए आप मेरे सिर पर बंदूक नहीं रख सकते. और जो आप कह रहे कि मुझे दिक्कत हो जाएगी, तो लॉ एंड ऑर्डर नाम की भी कोई चीज होती है. अगर दिक्कत मुझे हुई, तो आप भी नहीं बचोगे.

## 12 लाख लिए, 42 लाख का नुकसान कराया...बॉलीवुड एक्ट्रेस

# जरीन खान

## पर कोर्ट का आया फैसला

बॉलीवुड एक्ट्रेस जरीन खान को कलकत्ता हाईकोर्ट से राहत मिली है. कलकत्ता हाई कोर्ट ने एक्ट्रेस जरीन खान के खिलाफ 2018 में दायर एक आपराधिक मामले को खारिज कर दिया है. केस में जरीन खान पर कॉन्ट्रैक्ट को तोड़ने का आरोप लगाया गया था. दरअसल, नवंबर 2018 में जरीन खान को कलकत्ता में काली पूजा कार्यक्रम में अतिथि कलाकार के रूप में बुलाया था. जब वो कार्यक्रम में नही गईं तो उनके खिलाफ केस दर्ज कराया गया था. टैलेंट मैनेजमेंट एजेंसी की तरफ से जरीन खान पर ये आरोप लगाया था कि उन्हें कार्यक्रम में आने के लिए 12 लाख रुपए दिए गए थे. जरीन पर आरोप लगाया गया कि उनके कार्यक्रम में न आने के कारण 42 लाख का नुकसान हुआ है.इस मामले की सुनवाई करते हुए जज बिभास रंजन डे ने कहा कि यह मामला केवल कॉन्ट्रैक्ट के उल्लंघन से जुड़ा है और इसमें किसी भी तरह की आपराधिक कार्यवाही की जरूरत नहीं है. उन्होंने यह भी कहा कि इस मामले में मुंबई की एक ट्रायल कोर्ट में पहले से ही एक सिविल कोर्ट केस चल रहा है.

**कोर्ट ने आपराधिक कार्यवाही को किया रद्द**

अदालत ने जरीन के खिलाफ 2018 में शुरू की गई आपराधिक कार्यवाही को रद्द कर दिया. कोर्ट ने कहा कि इस मामले को कॉन्ट्रैक्ट का उल्लंघन कहा जा सकता है, जिसके लिए निश्चित रूप से एक दीवानी के मुंबई कोर्ट में चल रहा है.कोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि आपराधिक अदालतों का इस्तेमाल हिसाब बराबर करने या पक्षों पर दीवानी विवादों को निपटाने के लिए दबाव बनाने के लिए नहीं किया जाता है. एक्ट्रेस के खिलाफ (आईपीसी) की धारा 406 (आपराधिक विश्वासघात), 420 (धोखाधड़ी), 506 (आपराधिक धमकी) और 120बी (आपराधिक साजिश) के तहत केस दर्ज किया गया है.

**धमकी का लगाया आरोप**

एजेंसी के प्रतिनिधि ने कोर्ट को बताया कि जरीन खान की वजह से उन्हें कुल 42 लाख का नुकसान हुआ है. उन्होंने एक्ट्रेस और उनके सहयोगियों पर धमकी देने और उन्हें बदनाम करने का प्रयास करने का भी आरोप लगाया.

## कांग्रेस में पूर्वांचली नेताओं के लिए कोई स्थान नहीं: ओझा

एजेंसी

**नई दिल्ली।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश के पूर्वांचल मोर्चा के अध्यक्ष संतोष ओझा ने कहा है कि कांग्रेस का पूर्वांचल मंत्रालय गठित करने का बयान एक बड़ा मजाक है, क्योंकि यह उस दिन आया है, जब दिल्ली कांग्रेस पूर्वांचल समिति के अध्यक्ष शिवजी सिंह पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हो गये। उन्होंने कहा कि पिछले साल कांग्रेस ने अपने सबसे बड़े पूर्वांचल नेता महाबल मिश्रा को गंवा दिया और वे आम आदमी पार्टी में शामिल हो गये। वहीं, आज श्री सिंह ने भाजपा में शामिल हो गये। यह यह साबित करता है कि कांग्रेस अपने पूर्वांचली नेताओं को कितनी तवज्जो देती है।

## वरिष्ठ राजनयिक जेपी सिंह को इज़रायल में भारत के राजदूत नियुक्त

**नई दिल्ली।** भारत और तालिबान शासन के बीच संपर्क के एक महत्वपूर्ण बिंदु के रूप में काम कर चुके वरिष्ठ भारतीय राजनयिक जितेंद्र पाल सिंह को इज़रायल में भारत के राजदूत के रूप में नियुक्त किया गया है। जिसे मध्य पूर्व में मौजूदा तनाव के बीच एक महत्वपूर्ण पोस्टिंग के रूप में देखा जा रहा है।वर्ष 2002 बैच के भारतीय विदेश सेवा अधिकारी जेपी सिंह विदेश मंत्रालय में महत्वपूर्ण पाकिस्तान-अफगानिस्तान-ईरान डेस्क में संयुक्त सचिव के रूप में कार्यरत थे।

## राजनीतिक दल 'डिसरप्टिव कैंपेन' से बचें: मुख्य चुनाव आयुक्त

**नई दिल्ली।** मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने राष्ट्रीय मतदाता दिवस की पूर्व संध्या पर देशवासियों के नाम संदेश में कहा कि आयोग उनके विश्वास और पारदर्शिता से समझौता नहीं होने देगा। उन्होंने राजनीतिक दलों से अनुरोध किया कि डिसरप्टिव कैंपेन ना करें। राष्ट्रीय मतदाता दिवस हर वर्ष 25 जनवरी को चुनाव आयोग की स्थापना दिवस पर मनाया जाता है। मुख्य चुनाव आयुक्त ने अपने संदेश में कहा कि वर्तमान में पोलराइज्ड कैंपेन, बाहरी हस्तक्षेप और साइबर सुरक्षा से जुड़े खतरों का दौर चल रहा है। इस दौरान चुनावी प्रक्रिया भ्रामक जानकारी और फेक नॉरेटिव जैसी बड़ी चुनौतियों का सामना कर रही है। चुनावी प्रक्रिया पर अविश्वास पैदा करने के दुनियाभर में प्रयास चल रहे हैं। सोशल मीडिया भी बार-बार एक ही कंटेंट को परोस रहा है, जिससे दूसरे पक्ष को सुने बिना विश्वास एक ही विषय पर पक्का हो रहा है। राजीव कुमार ने कहा कि लोकतंत्र हमारी साझा विरासत है और पिछले 7 वर्षों में इसे हमने मजबूती से संजोया है। राष्ट्रीय मतदाता दिवस हमें देश के प्रति जिम्मेदारी पूरा करने की याद दिलाता है। जल्द ही भारत के मतदाताओं की संख्या एक अरब हो जाएगी। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग लगातार चुनाव भागीदारी को बढ़ाने के प्रयास कर रहा है। हाल ही में चुनाव में हमने 65 प्रतिशत मतदान के आंकड़े को छुआ है। अभी भी काफी लंबी दूरी तय करनी है। आने वाले चुनाव में हम इस भागीदारी को और बढ़ाएंगे। उन्होंने चुनाव आयोग की थीम 'वोट जैसा कुछ नहीं, वोट करेंगे हम' को दोहराया।

## बीजापुर में पांच-पांच किलो के दो आईईडी बरामद, सुरक्षाबलों ने किया निष्क्रिय

**बीजापुर/सुकमा।** छत्तीसगढ़ के बीजापुर में नक्सलियों द्वारा सुरक्षाबलों को नुकसान पहुंचाने की नीयत से अलग-अलग जगहों पर प्लांट किए गए पांच-पांच किलो के दो आईईडी को जवानों ने बरामद कर डिफ्यूज कर दिया है। बीजापुर पुलिस अधीक्षक जितेंद्र यादव द्वारा आज जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि डीआरजी बीजापुर, बीडीएस बीजापुर, 85 वी वाहिनी केरिपु टीम एरिया डॉमिनेशन एवं डिमाईनिंग ड्यूटी पर निकली थी।पुलिस के मुताबिक नक्सलियों ने गंगालुर थाना क्षेत्र के मुतवेंडी व पीढिया जाने वाले रास्ते पर अलग-अलग जगहों में 5-5 किलो के 2 आईईडी प्लांट कर रखे थे। ड्यूटी के दौरान मुतवेंडी से पीड़िया जाने वाले मार्ग घाटी रास्ते में अलग-अलग स्थानों से माओवादियों द्वारा लगाये गये 05-05 किग्रा के दो आईईडी बरामद किया गया। जिसे डीआरजी, बीडीएस बीजापुर, सीआरपीएफ एवं कोबरा बीडीएस की संयुक्त पार्टी ने डिमाइनिंग ड्यूटी के दौरान बरामद कर उसे वही सुरक्षित तरीके से डिफ्यूज कर दिया। बताया गया है कि नक्सलियों ने जवानों को नुकसान पहुंचाने की नीयत से आईईडी प्रेशर स्विच सिस्टम से लगाया था लेकिन जवानों की तत्परता एवं सतर्कता से एक बार फिर नक्सलियों के नापाक मंसूबे विफल हो गये।

# मोदी ने परेड के प्रतिभागियों से 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की भावना को मजबूत करने को कहा

एजेंसी

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय एकता और विविधता के महत्व पर जोर देते हुए गणतंत्र दिवस परेड में भाग लेने वाले प्रतिभागियों से एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना को मजबूत करने के लिए विभिन्न राज्यों के लोगों से बातचीत करने का आग्रह किया है।

श्री मोदी ने परेड में शामिल होने वाले राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) , एनएसएस स्वयंसेवकों, आदिवासी अतिथियों और झांकी कलाकारों से लोक कल्याण मार्ग स्थित अपने आवास पर बातचीत की। इस दौरान समृद्ध संस्कृति और विविधता को प्रदर्शित करने वाले जीवंत सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए। प्रधानमंत्री ने अतीत से हटकर प्रतिभागियों के साथ नये तरीके से बातचीत की। उन्होंने राष्ट्रीय एकता तथा विविधता

के महत्व पर जोर दिया और सभी प्रतिभागियों से एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना को मजबूत करने के लिए विभिन्न राज्यों के लोगों से बातचीत करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इस तरह की बातचीत समझ और एकता को बढ़ावा देती है, जो देश की प्रगति के लिए महत्वपूर्ण है। श्री मोदी ने जोर देकर कहा कि जिम्मेदार नागरिक के रूप में कर्तव्यों का पालन करना विकसित भारत के दृष्टिकोण को प्राप्त करने की कुंजी है। उन्होंने सभी से सामूहिक प्रयासों के माध्यम से राष्ट्र को मजबूत करने के लिए एकजुट और प्रतिबद्ध रहने का आग्रह किया।

उन्होंने युवाओं को माई भारत पोर्टल पर पंजीकरण करने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने वाली गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने अनुशासन, समय की पाबंदी और सुबह जल्दी उठने जैसी अच्छी आदतों को अपनाने के महत्व के बारे में भी बात की और डायरी लिखने को प्रोत्साहित किया। बातचीत के दौरान, प्रधानमंत्री ने सरकार की कुछ प्रमुख पहलों पर चर्चा की जो लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में मदद कर रही हैं। उन्होंने तीन करोड़ 'लखपति दीदी' बनाने के उद्देश्य से पहल के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला।

## राष्ट्रीय कवि प्रदीप सम्मान से अलंकृत होंगे डॉ. सुरेश अवस्थी

एजेंसी

**भोपाल।** मध्य प्रदेश शासन, संस्कृति विभाग द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर शनिवार, 25 जनवरी को अखिल भारतीय कवि सम्मेलन एवं राष्ट्रीय कवि प्रदीप सम्मान अलंकरण समारोह का आयोजन किया जा रहा है। वर्ष 2023 के लिए प्रतिष्ठित राष्ट्रीय कवि प्रदीप सम्मान अंतरराष्ट्रीय कवि डॉ. सुरेश अवस्थी को प्रदान किया जाएगा। यह जानकारी संस्कृति संचालक एन.पी. नामदेव ने दी। उन्होंने बताया कि संस्कृति विभाग द्वारा वर्ष 2012 में प्रतिष्ठित राष्ट्रीय कवि प्रदीप सम्मान की स्थापना की गई थी। यह सम्मान मंचीय कविता के क्षेत्र में श्रेष्ठ एवं उत्कृष्ट अवदान के लिए कवि-कवियित्री को सम्मानित करने के उद्देश्य से स्थापित किया गया था। इस सम्मान के अन्तर्गत पांच लाख रुपये की राशि और सम्मान पट्टिका भेंट की जाती है। संस्कृति संचालक नामदेव ने बताया कि अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन रवीन्द्र भवन के अंजनी सभागार में सायं 7 बजे किया जा रहा है। इसमें ओज के सुविख्यात कवि डॉ.हरिओम पंवार-मेरठ, डॉ. कीर्ति काले-दिल्ली, डॉ. कमलेश शर्मा-इटावा, मदन मोहन समर-भोपाल, डॉ. भुवन मोहिनी- इंदौर, अमित शर्मा-नोएडा, गौरव 'साक्षी' - इंदौर, रमेश चन्द्र चांगेसिया प्रभात-बड़नगर अपनी-अपनी रचनाओं को प्रस्तुत करेंगे। इस कार्यक्रम में प्रवेश निःशुल्क रहेगा, पहले आओ-पहले पाओ की तर्ज पर स्थान प्रदान किया जा सकेगा। अन्तरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कवि, राष्ट्रपति सम्मान प्राप्त शिक्षाविद् एवं वरिष्ठ पत्रकार डॉ. सुरेश अवस्थी का जन्म 15 फरवरी, 1953 में ग्राम कहिंजरी, कानपुर देहात में हुआ था।

## मप्र कैबिनेट का बड़ा फैसला, राज्य के 19 नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में लागू होगी शराबबंदी

एजेंसी

**भोपाल।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक लोकमाता अहिल्याबाई की नगरी महेश्वर में हुई, जिसमें प्रदेश के हित में बड़ा निर्णय लिया गया। मंत्रि-परिषद ने प्रदेश के 19 नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में मदिरा को प्रतिबंधित किए जाने की स्वीकृति दी है। निर्णय अनुसार उज्जैन, ओंकारेश्वर, महेश्वर, मण्डलेश्वर, ओरछा, मैहर, चित्रकूट, दतिया, पन्ना, मण्डला, मुलताई, मंदसौर और अमरकंटक की सम्पूर्ण नगरीय सीमा में एवं सलकनपुर, कुण्डलपुर, बांदकपुर, बरमानकलां, बरमानखुर्द और लिंगा की ग्राम पंचायत सीमा में समस्त मदिरा दुकानों एवं बार को बंद किया जाएगा। प्रदेश के इन 19 नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों को पूर्णतः पवित्र घोषित किया गया है। इसके अलावा मंत्रि-परिषद ने देवी अहिल्या नारी सशक्तिकरण मिशन के क्रियान्वयन की स्वीकृति प्रदान की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के विकास में चार वर्गों यथा युवा, महिला, किसान और गरीब को आधार स्तम्भ के रूप में परिभाषित किया है। इसी अनुक्रम में देवी

अहिल्या नारी सशक्तिकरण मिशन प्रारम्भ किया जाएगा। मंत्रि-परिषद ने प्रदेश में महिलाओं के समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास के उद्देश्य से विमेन लीड डेवलपमेंट प्रयास को समन्वित रूप से लागू करने के लिए देवी अहिल्या नारी सशक्तिकरण मिशन के क्रियान्वयन का सैद्धांतिक अनुमोदन दिया है। उन्होंने बताया कि मिशन के प्रमुख उद्देश्यों में महिलाओं और बालिकाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, आर्थिक विकास एवं सुरक्षा, महिलाओं एवं बालिकाओं तक विभिन्न सरकारी सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करना, महिलाओं के आर्थिक स्वावलम्बन व समाज में आर्थिक भागीदारी बढाने के लिए एकीकृत प्रयास करना, समाज में महिलाओं और बालिकाओं के प्रति सकारात्मक व्यवहार परिवर्तन के लिए पुरुषों में संवेदनशीलता बढ़ाने वाली जागरूकता विकसित किया जाना शामिल है।

## पहली बार 73 देशों के राजनयिक संगम में एक साथ लगाएंगे आस्था की डुबकी

एजेंसी

**महाकुम्भ नगर।** महाकुम्भनगर संपूर्ण विश्व का आध्यात्मिक केंद्र बन गया है। 73 देशों के राजनयिक पहली बार यहां संगम में स्नान करने जा रहे हैं। परस्पर धुर विरोधी माने जाने वाले देशों रूस और यूक्रेन के राजदूत भी इस ऐतिहासिक आयोजन में शामिल होंगे। यह वैश्विक आयोजन गंगा किनारे भिन्न-भिन्न संस्कृतियों और विचारधाराओं के बीच एक अनोखे सामंजस्य का संदेश देगा। यहां अमेरिका और बांग्लादेश के भी राजनयिक अमृतकाल के गवाह बनेंगे। इस महाआयोजन के जरिए सात समंदर पार तक यूपी का डंका बज रहा है, इसीलिए धरती के कोने-कोने से लोग महाकुम्भ देखने के लिए बेकरार हैं। विदेशों से यहां आ रहे श्रद्धालुओं के अनुसार धरती के सबसे बड़े सांस्कृतिक समागम के मुख्य आयोजक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस समय दुनिया के सभी शक्तिशाली देशों की दृष्टि में प्रमुख नायक बन गए हैं। महाकुम्भ नगर के डीएम (मेलाधिकारी) विजय किरण आनंद ने पुष्टि की कि एक फरवरी को 73 देशों से राजनयिक महाकुम्भ का महात्म्य देखने आ रहे हैं। विदेश मंत्रालय ने यूपी के मुख्य सचिव को इसके लिए पत्र भी लिखा है। पत्र में कहा

है कि दुनियाभर के राजनयिक महाकुम्भनगर में बड़े हनुमान जी और अक्षयवट के दर्शन करना चाहते हैं। जिन देशों के राजनयिक आ रहे हैं, उनमें जापान, अमेरिका, रूस, यूक्रेन बांग्लादेश, जर्मनी के साथ ही आर्मेनिया स्लोवेनिया, हंगरी, बेलारूस, सेशल्स, मंगोलिया, कजाकिस्तान ऑस्ट्रिया, पेरु, ग्वाटेमाला, मैक्सिको, अल्जीरिया, दक्षिण अफ्रीका, अलसल्वाडोर, चेक रिपब्लिक, बुल्गारिया, जॉर्डन, जमैका, इरिट्रिया, फिनलैंड, ट्यूनीशिया, फ्रांस, एस्टोनिया, ब्राजील, सूरीनाम, जिंबॉब्वे, मलेशिया, माल्टा, भूटान, लेसोथो, स्लोवॉक, न्यूजीलैंड, कंबोडिया, किरगिज, चिली, साइप्रस, क्यूबा, नेपाल, रोमानिया, वेनेजुएला, अंगोला, गुयाना, फिजी, कोलंबिया, सीरिया, गिनी, म्यांमार, सोमालिया, इटली, बोत्सवाना, परागुआ, आईसलैंड, लातविया, नीदरलैंड, कैमरून, कनाडा, स्विट्जरलैंड, स्वीडन, थाईलैंड, पोलैंड, बोलिविया शामिल हैं।

## उत्तर प्रदेश अब उद्यम प्रदेश बनने की ओर अग्रसर : उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़

एजेंसी

**लखनऊ।** उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि आठ साल में यूपी उत्तम प्रदेश बन चुका है और अब यह उद्यम प्रदेश बनने की ओर तेजी से अग्रसर है।उन्होंने इसके लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तारीफ करते हुए कहा कि वे दृढ़संकल्प के साथ उत्तर प्रदेश के विकास के लिए समर्पित हैं। उप राष्ट्रपति ने महाकुम्भ की चर्चा करते हुए कहा कि पूरी दुनिया आश्चर्यचकित है कि प्रयागराज में इतना बड़ा आयोजन आखिर कैसे इतने सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हो रहा है। उन्होंने प्रदेश में अपराध में आई गिरावट की तारीफ की और कहा कि इससे ईज ऑफ डुइंग बिजनेस में उल्लेखनीय उछाल आया है। उन्होंने योगी आदित्यनाथ के नारे %बंटेंगे तो कटेंगे% का समर्थन करते हुए कहा कि उनके इस विचार को पूरे देश ने अपना समर्थन दिया है। उप

राष्ट्रपति ने देश में अवैध शरणार्थियों की मौजूदगी पर भी चिंता व्यक्त की।

उप राष्ट्रपति राजधानी के अवध शिल्पग्राम में आयोजित उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुये कहा मैंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी का निमंत्रण स्वीकार कर लिया है और आगामी एक फरवरी को परिवार के साथ महाकुम्भ में डुबकी लगाऊंगा। ये मेरे लिए गौरव की बात होगी।÷

उन्होंने प्रदेश की जनता को राज्य के स्थापना दिवस की बधाई दी और कहा कि योगी ने इस बात को चरितार्थ किया है कि यूपी अनलिमिटेड पोटेंशियल वाला प्रदेश है। उन्होंने कहा कि 2018 से राज्य स्थापना दिवस मनाने की परंपरा सराहनीय कदम है। हर स्थापना दिवस पर एक योजना प्रारंभ की गई है। आज मुख्यमंत्री युवा उद्यमी अभियान का शुभारंभ किया गया है। इसके अंतर्गत 10 लाख उद्यमी ही नहीं बनेंगे, बल्कि ये उद्यमी औरों के लिए रोजगार के अवसर भी सृजित करेंगे। उप राष्ट्रपति ने कहा कि यूपी की पहचान इसकी तीव्र और ऐतिहासिक प्रगति के रूप में झलक रही है। ये आसान काम नहीं था। किसी ने सोचा नहीं था ऐसा होगा, इसके लिए योगी आदित्यनाथ साधुवाद के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि विश्वस्तरीय संस्थागत ढांचे के निर्माण में यूपी सबसे आगे है। पूरी दुनिया के लिए ये एक उदाहरण है। तकनीकी और व्यापार के विस्तार में भारत की लंबी छलांग में यूपी की भागीदारी महत्वपूर्ण है। एक जमाना था जब यूपी की पहचान कानून व्यवस्था की चिंता से होती थी। उससे निकलने का रास्ता नहीं दिखता था। प्रांत एक चक्रव्यूह में फंस गया था। संभावनाएं कुंठित हो गई थी। योगी ने इसे सुशासन वाले प्रदेश की पहचान दी है। इस प्रगति की चर्चा देश-विदेश में है।

## महिला विरोधी है केजरीवाल: अनुराग

एजेंसी

**नई दिल्ली।** पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं हिमाचल के हमीरपुर से लोकसभा सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने आम आदमी पार्टी (आप) और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को महिला विरोधी करार दिया है।

श्री अनुराग सिंह ठाकुर ने राष्ट्रीय राजधानी के मंगोलपुरी, नयी दिल्ली और द्वारका विधानसभा क्षेत्र में चुनावी जनसभाओं को संबोधित करते हुए कहा, ÷आप और श्री केजरीवाल के शासनकाल में आज दिल्ली में महिलाओं पर अत्याचार, उनका अपमान आम बात हो गई है। नारी शक्ति के प्रति इनके पाप के कारनामों की सूची अंतहीन है। श्री केजरीवाल ने अपनी ही सांसद स्वाति मालीवाल को घर बुला कर पिटवाया, फिर अपने नेताओं से लगातार उनके ऊपर अभद्र टिप्पणियां

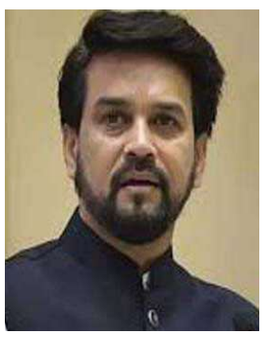

करवाई। श्री केजरीवाल ने अपनी ही पार्टी की नेता एवं दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी की फोटो आप के चुनावी पोस्टरों से ग़ायब कर दी।

## सहकारिता और विज्ञान को जोड़ दिया जाये तो कृषि भी मुनाफे का व्यवसाय: शाह

एजेंसी

**नई दिल्ली।** केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि सहकारिता आंदोलन और विज्ञान दोनों को जोड़ दिया जाए तो इसमें कोई शंका नहीं कि आज भी खेती मुनाफे वाला व्यवसाय है। श्री शाह ने महाराष्ट्र के नासिक में आयोजित 'सहकारिता सम्मेलन' को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित किया। उन्होंने सहकारिता क्षेत्र से संबंधित विभिन्न कार्यों का शुभारंभ भी किया। सम्मेलन में केन्द्रीय सहकारिता राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल और महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने 'जय जवान, जय किसान' का नारा दिया था। उन्होंने कहा, 'शास्त्री जी ने किसान, खेतिहर मजदूर और इसके साथ-साथ सेना को भी मजबूत करना शुरू किया था। यहाँ एक ही कोऑपरेटिव के माध्यम

से जय जवान जय किसान और मृदा परीक्षण की लेबोरेट्री बनाकर जय विज्ञान को भी एक ही जगह स्थापित करने का काम किया गया है।श्री शाह ने कहा ,'पहले चर्चा होती थी कि खेती में कोई मुनाफ़ा नहीं है, लेकिन उनका आज भी दृढ़ विश्वास है कि यदि सहकारिता आंदोलन और विज्ञान दोनों को जोड़ दिया जाए तो इसमें कोई शंका नहीं कि आज भी खेती मुनाफे वाला बिजनेस है।' उन्होंने कहा कि पहले किसान परम्परागत तरीके से खेती करते थे और उन्हें पता नहीं होता था कि उनके खेत की मिट्टी में किस चीज़ की मात्रा अधिक या किसकी मात्रा कम है। उन्होंने कहा कि जब मिट्टी के परीक्षण की बात की गई तब पता चला कि किसान ऐसे खाद खेत में डालते थे, जिनकी जरुरत ही नहीं थी और न्यूट्रिशन के लिए जिस खाद का इस्तेमाल करना चाहिए था, वह नहीं किया जा रहा था। उन्होंने कहा कि नासिक जिले में बनाई गई अत्याधुनिक मृदा परीक्षण प्रयोगशाला स्थानीय किसानों के लिए लाभकारी साबित होगी। उन्होंने कहा कि अब मिट्टी के परीक्षण से मालूम पड़ेगा कि किसान जिस पानी का इस्तेमाल कर रहे, उसमें पीएच मात्रा कितनी है, सल्फर डालना है या नहीं, डीएपी कितना डालना है और कौन सी फसल की खेती करने से ज्यादा मुनाफा हो सकता है। उन्होंने कहा कि यह सुविधा किसानों के लिए लाभकारी सिद्ध होगी। केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि वेंकटेश्वरा सोसाइटी ने एक साथ कई पहल की है। उन्होंने कहा कि आज वर्चुअल माध्यम से बेलगांव में वेंकटेश्वरा काजू प्रोसेसिंग फैक्ट्री का उद्घाटन हुआ है, जहां प्रतिदिन 24 टन काजू प्रोसेस किया जाएगा और इससे 18,000 किसानों को काजू की खेती के लिए उचित दाम मिल पाएंगे। उन्होंने कहा कि 1500 से ज्यादा गिर की गायें भी लाई गई हैं, जिससे सभी प्रकार के उत्पाद भी बनेंगे और गाय के गोबर एवं गौमूत्र से ऑर्गेनिक खेती की भी शुरुआत होगी। उन्होंने कहा कि इन पहलों से किसान समृद्ध बनेंगे और इससे धरती माता की भी रक्षा होगी। श्री शाह ने किसानों को ऑर्गेनिक खेती करने के लिए प्रेरित किया और कहा कि जब तक किसानों को ऑर्गेनिक प्रोडक्ट का सर्टिफिकेट नहीं मिलता, तब तक उन्हें ऑर्गेनिक प्रोडक्ट के दाम भी नहीं मिलते।

## मप्र की भावना ने दक्षिण अमेरिका की सबसे ऊंची चोटी माउंट एकॉनकागुआ पर फहराया भारत का झंडा

एजेंसी

**भोपाल।** मध्य प्रदेश की 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' की ब्रेन्ड एम्बेसडर पर्वतारोही भावना डेहरिया ने दक्षिण अमेरिका की सबसे ऊँची चोटी माउंट एकॉनकागुआ (6961 मीटर) पर सफलतापूर्वक चढ़ाई कर भारत का झंडा फहराया है। उन्होंने यह उपलब्धि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के 10 वर्षों को समर्पित किया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्य प्रदेश की गौरव भावना डेहरिया की इस उपलब्धि पर उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार देर शाम सोशल मीडिया के माध्यम से कहा कि प्रदेश की साहसी पर्वतारोही भावना को बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के 10 वर्ष पूर्ण होने के दिन 22 जनवरी को यह उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की साहसी युवतियां अन्य राष्ट्रों की दुर्गम पर्वत शिखरों पर पहुंचकर देश और प्रदेश की प्रतिष्ठा

बढ़ा रही हैं। 'पर्वतारोही' भावना डेहरिया मध्य प्रदेश की बेटी हैं। उन्होंने दक्षिण अमेरिका के सर्वोच्च ऊंचाई के पर्वत स्थल माउंट एकॉनकागुआ (6,961 मीटर) पर सफलतापूर्वक चढ़ाई कर हम सभी को गौरवान्वित किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेटी भावना ने अपनी यह उपलब्धि 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान के 10 वर्ष को समर्पित कर इस अभियान को नव शक्ति प्रदान करने के साथ-साथ बेटियों को जीवन के हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया है। भावना की यह उपलब्धि देश की बेटियों के लिए प्रेरणा बनेगी। वहीं, प्रदेश की महिला बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया ने भावना की इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि मध्य प्रदेश की बेटी ने न सिर्फ सम्पूर्ण भारत को गौरवान्वित किया है बल्कि यह संदेश भी दिया है कि बेटियाँ बेटों से कम नहीं है। उन्होंने कहा कि सुश्री भावना की इस उपलब्धि से समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक बदलाव के साथ उन्हें अपने सपनों को साकार करने की दृता मिलेगी।

## आप ने शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी सुविधाओं के नाम दिल्लीवासियों को सिर्फ धोखा दिया: धामी

एजेंसी

**नई दिल्ली।** उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आम आदमी पार्टी (आप) पर दिल्लीवासियों को शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य बुनियादी सुविधाओं के नाम पर धोखा देने का आरोप लगाया है।

श्री धामी ने राष्ट्रीय राजधानी के पटेलनगर विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी राजकुमार आनंद के पक्ष में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए दिल्ली की जनता से भाजपा को प्रचंड बहुमत से जिताने की

अपील की। उन्होंने दिल्ली में आप की सरकार की विफलताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि दिल्लीवासियों को शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य बुनियादी सुविधाओं के नाम पर सिर्फ धोखा दिया गया है।

## सम्पूर्ण विश्व को समानता और समरसता का संदेश दे रहा महाकुम्भ : मेघवाल

एजेंसी

**महाकुम्भ नगर।** भारत की आस्था, एकात्मकता, समता और समावेशिता के जीवंत प्रतीक महाकुम्भ में सम्मिलित होने तीर्थराज प्रयागराज पहुंचे राज्यमंत्री भारत सरकार अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि अनंतकाल से अध्यात्म व आस्था के संगम का प्रतीक 'महाकुम्भ' सम्पूर्ण विश्व को समानता और समरसता का संदेश देता रहा है। महाकुम्भ सिर्फ भारत ही नहीं, समूचे विश्व में आध्यात्मिक अनुष्ठान का केंद्र बन चुका है। इसके पहले केन्द्रीय राज्य मंत्री के पहुंचने पर

प्रदेश सरकार की ओर से प्रयागराज एयरपोर्ट पर औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन किया। केंद्रीय राज्य मंत्री मंत्री मेघवाल नन्दी के साथ एयरपोर्ट से महाकुम्भ क्षेत्र में त्रिवेणी संगम के पावन तट पर स्थित परमार्थ निकेतन शिविर में पहुंचे। जहां वे स्वामी चिदानन्द सरस्वती द्वारा आयोजित मानस कथा मर्मज्ञ मोरारी बापू के श्रीराम कथा में सम्मिलित हुए। इस दौरान अर्जुन राम मेघवाल परमार्थ निकेतन में चल रहे वैदिक अनुष्ठान में भी सम्मिलित हुए। हवन कुंड में आहुति डाली। पूजन-अर्चन के बाद राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी के साथ वीआईपी घाट पहुंचे। जहां उन्होंने संगम दर्शन करने के साथ ही भारतीयता और मानवता के महोत्सव महाकुम्भ में सम्मिलित होते हुए मां गंगा, यमुना और सरस्वती के पावन संगम में पुण्य की डुबकी लगाई। राज्य मंत्री के साथ मंत्री नन्दी ने भी संगम में डुबकी लगाई। मंत्री नन्दी ने राज्य मंत्री का हाथ पकड़ कर उनकी मदद की। स्नान के बाद विदेशी पक्षियों को दाना खिलाया। वहीं, संगम क्षेत्र की दिव्यता एवं भव्यता का दर्शन किया।

# तिरंगा फहराने से पहले जरूरी खास बातें

तिरंगा भारत के राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है। सभी के मार्गदर्शन और हित के लिए भारतीय ध्वज संहिता-2002 में सभी नियमों, रिवाजों, औपचारिकताओं और निर्देशों को एक साथ लाने का प्रयास किया गया है। ध्वज संहिता-भारत के स्थान पर भारतीय ध्वज संहिता-2002 को 26 जनवरी 2002 से लागू किया गया है। यह है तिरंगा फहराने का सही तरीका -

- जब भी तिरंगा फहराया जाए तो उसे सम्मानपूर्ण स्थान दिया जाए। उसे ऐसी जगह लगाया जाए, जहां से वह स्पष्ट रूप से दिखाई दे।
- सरकारी भवन पर तिरंगा रविवार और अन्य छुट्टियों के दिनों में भी सूर्योदय से सूर्यास्त तक फहराया जाता है, विशेष अवसरों पर इसे रात को भी फहराया जा सकता है।
- तिरंगे को सदा स्फूर्ति से फहराया जाए और धीरे-धीरे आदर के साथ उतारा जाए। फहराते और उतारते समय बिगुल बजाया जाता है तो इस बात का ध्यान रखा जाए कि तिरंगे को बिगुल की आवाज के साथ ही फहराया और उतारा जाए।
- तिरंगे का प्रदर्शन सभा मंच पर किया जाता है तो उसे इस प्रकार फहराया जाएगा कि जब वक्ता का मुंह श्रोताओं की ओर हो तो तिरंगा उनके दाहिने ओर हो।
- जब तिरंगा किसी भवन की खिड़की, बालकनी या अगले हिस्से से आड़ा या तिरछा फहराया जाए तो तिरंगे को बिगुल की आवाज के साथ ही फहराया और उतारा जाए।
- तिरंगा किसी अधिकारी की गाड़ी पर लगाया जाए तो उसे सामने की ओर बीचोंबीच या कार के दाईं ओर लगाया जाए।
- फटा या मैला तिरंगा नहीं फहराया जाता है।
- जब तिरंगा फट जाए या मैला हो जाए तो उसे एकांत में पूरा नष्ट किया जाए।
- तिरंगा केवल राष्ट्रीय शोक के अवसर पर ही आधा झुका रहता है।
- किसी दूसरे झंडे या पताका को राष्ट्रीय तिरंगे से ऊंचा या ऊपर नहीं लगाया जाएगा, न ही बराबर में रखा जाएगा।
- तिरंगे पर कुछ भी लिखा या छपा नहीं होना चाहिए।

# 26 जनवरी की परेड

26 जनवरी की परेड राजपथ के राष्ट्रपति भवन से इंडिया गेट तक मार्च करती है। चलिये अब मैं आपको इस परेड की कुछ खासियत बताता हूँ सबसे पहले, राष्ट्रपति राष्ट्रीय ध्वज को फहराते है। जिसके साथ ही भारत का राष्ट्रीय गान बजाया जाता है, और एक 21-तोपों की सलामी दी जाती है।

राष्ट्रपति क्षेत्र में अपने असाधारण साहस के लिए सशस्त्र बलों से लोगों को बहादुरी के पदक प्रदान करने के लिए आगे आते हैं और जिन्होंने अलग-अलग परिस्थितियों में वीरता के अपने अलग-अलग कार्यों से खुद को प्रतिष्ठित किया है, उनको पुरस्कार से नवाजते हैं। इसके बाद सेना, नौसेना और वायु सेना की कई रेजिमेंटों के साथ उनके बैंड के साथ मार्च किया जाता है, जिसकी प्रैक्टिस यह सेना न जाने कितने समय पहले से करती हैं। उसके उपरांत विभिन्न राज्यों की झांकी उनकी संस्कृति को प्रदर्शित करती हुई उसी राजपथ से निकलती हैं।

एक बीटिंग रिट्रीट समारोह परेड के अंत का प्रतीक है। परेड पारंपरिक रूप से सशस्त्र बलों और नागरिक सुरक्षा सेवाओं की मोटरसाइकिल इकाइयों और भारतीय वायु सेना के जेट विमानों और हेलीकॉप्टर द्वारा एक फ्लाईपास्ट की हिम्मत शैतान मोटर साइकिल की सवारी के प्रदर्शन के साथ समाप्त होती है। हर साल 23 जनवरी को फुल ड्रेस रिहर्सल परेड का आयोजन किया जाता है। यदि आप परेड देखना चाहते हैं तो आप भी टिकट खरीद कर परेड देखने के लिए 26 जनवरी को लाल किला जा सकते हैं, यकीनन ही आपको बहुत आनंद आएगा।

प्रत्येक इंसान का हर काम को करने का अपना एक तरीका होता है, ठीक इसी तरह से त्योहार भी हम अपने ढंग से मनाना पसंद करते हैं। कुछ लोगों को नए कपड़े और मिठाई खाना पसंद है, तो वही कुछ लोग त्योहार को अपने दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ मनाना पसंद करते हैं, वहीं कुछ तो इसे एक आम दिन की तरह ही व्यतित करते हैं। क्योंकि गणतंत्र दिवस एक राष्ट्रीय त्योहार है, झण्डा फहराने, राष्ट्रीय गीत गाना, देशभक्ति गानों पर नृत्य परस्तुति, देशभक्ति गाने, गीत एवं कविताएं का हमारे देश में काफी प्रचलन है।

# हमारा गणतंत्र हमारा अभिमान

**भारत विविध धर्मों, आस्थाओं और संस्कृतियों का देश है और यहां हर दिन कोई न कोई त्यौहार मनाया जाता है। हर धर्म को मानने वाले लोग पूरे उल्लास के साथ अपने पर्व मनाते हैं, लेकिन कुछ त्यौहार ऐसे भी हैं, जो प्रत्येक देशवासी के लिए महत्वपूर्ण हैं और पूरे देश में सम्मान और स्नेह के साथ मनाए जाते हैं। 26 जनवरी भी एक ऐसा ही दिन है, जो देश का राष्ट्रीय पर्व है। देश का हर नागरिक चाहे वह किसी धर्म, जाति या संप्रदाय से ताल्लुक रखता हो, इस दिन को राष्ट्र प्रेम से ओतप्रोत होकर मनाता है। 26 जनवरी को पूरा देश गणतंत्र दिवस मनाएगा। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के राजपथ पर देश की सांस्कृतिक विविधता में एकता और सैन्य ताकत की झलक दिखाई देगी।**

भारत एक लोकतांत्रिक देश है, और यदि आप भी मेरी ही तरह इस महान देश के नागरिक हैं तो यकीनन ही यह ज्ञात होगा कि 18 वर्ष की आयु पूर्ण होते ही भारत के प्रत्येक वर्ग के नागरिक को अपना नेता वोट देने की प्रक्रिया को फॉलो करते हुए खूद चुनने का अधिकार है और उसके उपरान्त वो नेता अपने साथ कार्यरत नेता के साथ भारत देश की जनता के विकास के लिए कार्य करते हैं।

दोस्तों, आइए आज मैं आपको देश के लोकतांत्रिक देश बनने के सफर के बारे में थोड़ी जानकारी देता हूँ, यदि आपको इतिहास विषय पसंद है तो यकीनन ही आपको 26 जनवरी का इतिहास पढ़ने में अच्छा लगेगा। 1947 में जब देश के स्वतंत्रता सेनानियों के लगातार परिश्रम से भारत को अंग्रेजों से आजादी मिली, तब सवाल खड़ा हुआ कि देश का प्रधानमंत्री किसको बनाया जाए?

हमारे भारत में राष्ट्रीय भावी प्रधानमंत्री के गद्दी लिये 1947 में ही मतदान हुआ था, तो उसी समय से भारत वासियों ने वोट देना शुरू कर दिया था। फर्क सिर्फ इतना था उन दिनों पुरुषों को ही मत देने का अधिकार था, औरते इसमें हिस्सा नहीं लेती थी। मतदान में दो काँग्रेस नेता ने हिस्सा लिया था और जब परिणाम सामने आया तो सरदार पटेल अर्थात भारत के आयरन मैन सरदार वल्लभ भाई पटेल को सर्वाधिक मत मिले। उनके बाद सर्वाधिक मत आचार्य कृपलानी को मिले थे। किन्तु गांधी जी के कहने पर सरदार पटेल और आचार्य कृपलानी ने अपना नाम वापस ले लिया और जवाहरलाल नेहरू को भारत के आजाद होने के बाद पहला प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया। 1947 से पूर्व जब भारत में अंग्रेज शासन कर रहे थे जब देश में लोकतंत्र नहीं था, और यही कारण था देश के बड़े नेता ने मिल कर सहमति से यह फैसला लिया था कि स्वतंत्र भारत को लोकतांत्रिक बनाया जाएगा। आजादी के कुछ दिन पश्चात 29 अगस्त, 1947 को संविधान सभा में डॉ बी आर की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया गया जिसके तहत अंबेडकर को भारत के लिए एक संविधान तैयार करने के लिए कहा गया।

संविधान पर विचार-विमर्श करते हुए, विधानसभा ने कुल 7,635 में से 2,473 संशोधनों को स्थानांतरित किया। भारत का संविधान 26 नवंबर, 1949 को बन कर तैयार हुआ और अपनाया गया था और माननीय सदस्यों ने 24 जनवरी, 1950 को इस पर अपने हस्ताक्षर किए।

284 सदस्यों ने वास्तव में संविधान पर हस्ताक्षर कर उसे अपनाया, उस दिन जब संविधान पर हस्ताक्षर किया जा रहा था तब इसे एक अच्छे शगुन के संकेत के रूप में देश की जनता के सामने इसकी व्याख्या की गई थी। भारत का संविधान 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ, और तब से भारत के सभी देशवासियों के लिए एक ही नियम और मौलिक अधिकार दिए गए और यह माना गया कि सब समान हैं और 26 जनवरी को प्रतिवर्ष हमने गणतंत्र दिवस के रूप में मनाना आरंभ कर दिया।

राष्ट्रीय पर्व होने के कारण गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर विद्यालयों, विश्वविद्यालयों एव ऑफिस में विभिन्न प्रकार 26 जनवरी पर ड्राइंग कॉम्पिटिशन का आयोजन किया जाता है, जो विद्यार्थी इच्छुक होते है वो अपने आप को हिस्सेदार के रूप में प्रस्तुत करते हैं और बढ़ चढ़ के अपने कला का प्रदर्शन करते हैं। वैसे तो महामारी ने हमे बांध के रख दिया है लेकिन एक तरफ यह भी सत्य है कि कुछ भी रुक नहीं पाया है, दुनिया अपनी तेजी से चल रही है और आगे बढ़ती जा रही है। यदि आने वाले गणतंत्र दिवस पर आपके भी विद्यालय में इस तरह का कोई कॉम्पीटीशन का आयोजन हो रहा है, और आपको अपने घर से ही पोस्टर बना के उसकी तस्वीर ऑनलाइन सोशल मीडिया के माध्यम से अपने शिक्षक के साथ शेयर कर दिखाना है तो आप नीचे दिए गए इमेज कि मदद ले सकते हैं और यकीनन ही आप कोई स्थान भी प्राप्त कर सकते हैं।

पहला गणतंत्र दिवस परेड 26 जनवरी 1950 को आयोजित किया गया था, जिसमें उस समय के इंडोनेशिया के राष्ट्रपति सुकर्णो मुख्य अतिथि के रूप में आए थे। उस परेड के फ्लाईपास्ट में हार्वर्ड, समेकित बी -24 लिबरेटर्स, डकोटा, हॉकर टेम्पेस्ट, स्पिटफायर और जेट विमानों जैसे विमान शामिल थे और कुल मिला कर सौ से अधिक विमान उस परेड में शामिल थे। दिल्ली गणतंत्र दिवस परेड भारत में गणतंत्र दिवस समारोह को चिह्नित करने वाली सबसे बड़ी और सबसे महत्वपूर्ण परेड है। परेड हर साल 26 जनवरी को राजपथ, नई दिल्ली में होती है। दोस्तों राष्ट्रीय त्योहार होने के कारण यह बहुत बड़े लेवल पर भारत में मनाया जाता है और गणतंत्र दिवस समारोह में परेड एक मुख्य आकर्षण का हिस्सा है, जो 3 दिनों तक चलता है।

# वंदे मातरम की अमर कहानी

*वन्दे मातरम!*
*सुजलाम, सुफलाम मलयज-शीतलाम*
*शस्यश्यामलाम मातरम!*
*वन्दे मातरम!*
*शुभ्र ज्योत्स्ना पुलकितयामिनीम*
*फुल्लकुसुमित द्रुमदल शोभिनीम*
*सुहासिनीम सुमधुरभाषिणीम*
*सुखदाम, वरदाम, मातरम!*
*वन्दे मातरम ! वन्दे मातरम !*

ब्रिटिश शासन के दौरान देशवासियों के दिलों में गुलामी के खिलाफ आग भड़काने वाले सिर्फ दो शब्द थे- 'वंदे मातरम' । आइए बताते हैं इस क्रांतिकारी, राष्ट्रभक्ति के अजर-अमर गीत के जन्म की कहानी -

बंगाल के महान साहित्यकार श्री बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय के ख्यात उपन्यास 'आनंदमठ' में वंदे मातरम का समावेश किया गया था। लेकिन इस गीत का जन्म 'आनंदमठ' उपन्यास लिखने के पहले ही हो चुका था। अपने देश को मातृभूमि मानने की भावना को प्रज्वलित करने वाले कई गीतों में यह गीत सबसे पहला है। 'वंदे मातरम' के दो शब्दों ने देशवासियों में देशभक्ति के प्राण फूँक दिए थे और आज भी इसी भावना से 'वंदे मातरम' गाया जाता है। हम यों भी कह सकते हैं कि देश के लिए सर्वोच्च त्याग करने की प्रेरणा देशभक्तों को इस गीत से ही मिली। पीढ़ियाँ बीत गईं पर 'वंदे मातरम' का प्रभाव अब भी अक्षुण्ण है।

'आनंदमठ' उपन्यास के माध्यम से यह गीत प्रचलित हुआ। उन दिनों बंगाल में 'बंग-भंग' का आंदोलन उफान पर था। दूसरी ओर महात्मा गाँधी के असहयोग आंदोलन ने लोकभावना को जाग्रत कर दिया था। बंग भंग आंदोलन और असहयोग आंदोलन दोनों में 'वंदे मातरम' ने प्रभावी भूमिका निभाई। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के लिए यह गीत पवित्र मंत्र बन गया था।

बंकिम बाबू ने 'आनंदमठ' उपन्यास 1880 में लिखा। कलकत्ता की 'बंग दर्शन' मासिक पत्रिका में उसे क्रमश : प्रकाशित किया गया। अनुमान है कि 'आनंदमंठ' लिखने के करीब पाँच वर्ष पहले बंकिम बाबू ने 'वंदे मातरम' को लिख दिया था। गीत लिखने के बाद यह यों ही पड़ा रहा। पर 'आनंदमठ' उपन्यास प्रकाशित होने के बाद लोगों को उसका पता चला। इस संबंध में एक दिलचस्प किस्सा है। बंकिम बाबू 'बंग दर्शन' के संपादक थे। एक बार पत्रिका का साहित्य कम्पोज हो रहा था। तब कुछ साहित्य कम पड़ गया, इसलिए बंकिम बाबू के सहायक संपादक श्री रामचंद्र बंदोपाध्याय बंकिम बाबू के घर पर गए और उनकी निगाह 'वंदे मातरम' लिखे हुए कागज पर गई। कागज उठाकर श्री बंदोपाध्याय ने कहा, फिलहाल तो मैं इससे ही काम चला लेता हूँ। पर बंकिम बाबू तब गीत प्रकाशित करने को तैयार नहीं थे। यह बात 1872 से 1876 के बीच की होगी। बंकिम बाबू ने बंदोपाध्याय से कहा कि आज इस गीत का मतलब लोग समझ नहीं सकेंगे। पर एक दिन ऐसा आएगा कि यह गीत सुनकर सम्पूर्ण देश निद्रा से जाग उठेगा। इस संबंध में एक किस्सा और भी प्रचलित है। बंकिम बाबू दोपहर को सो रहे थे। तब बंदोपाध्याय उनके घर गए। बंकिम बाबू ने उन्हें 'वंदे मातरम' पढ़ने को दिया। गीत पढ़कर बंदोपाध्याय ने कहा, 'गीत तो अच्छा है, पर अधिक संस्कृतनिष्ठ होने के कारण लोगों की जुबान पर आसानी से चढ़ नहीं सकेगा।' सुनकर बंकिम बाबू हँस दिए। वे बोले, 'यह गीत सदियों तक गाया जाता रहेगा।' 1876 के बाद बंकिम बाबू ने बंग दर्शन की संपादकी छोड़ दी।

875 में बंकिम बाबू ने एक उपन्यास 'कमलाकांतेर दफ्तर' प्रकाशित किया। इस उपन्यास में 'आभार दुर्गोत्सव' नामक एक कविता है। 'आनंदमठ' में संत-गणों को संकल्प करते हुए बताया गया है। उसकी ही आवृत्ति 'कमलाकांतेर दफ्तर' के कमलकांत की भूमिका निभाने वाले चरित्र के व्यवहार में दिखाई देती है। धीर-गंभीर देशप्रेम और मातृभूमि की माता के रूप में कल्पना करते हुए बंकिम बाबू गंभीर हो गए और अचानक उनके मुँह से 'वंदे मातरम' शब्द निकले। यही इस अमर गीत की कथा है। 1896 में कलकत्ता में काँग्रेस का राष्ट्रीय अधिवेशन हुआ। उस अधिवेशन की शुरुआत इसी गीत से हुई और गायक कौन थे पता है आपको? गायक और कोई नहीं, महान साहित्यकार स्वयं गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर थे। कितना भाग्यशाली गीत है यह, जिसे सबसे पहले गुरुदेव टैगोर ने गाया। यह भी माना जाता है कि बंकिम बाबू एक कीर्तनकार द्वारा गाए गए एक कीर्तन गीत 'एसो एसो बंधु माघ आँचरे बसो' को सुनकर बेहद प्रभावित हुए। गीत सुनकर गुलामी की पीड़ा का उन्होंने तीव्र रूप से अनुभव किया। इस एक गीत ने भारतीय युवकों को एक नई दिशा-प्रेरणा दी, स्वतंत्रता संग्राम का महान उद्देश्य दिया। मातृभूमि को सुजलाम-सुफलाम बनाने के लिए प्रेरित किया। 'वंदे मातरम' इन दो शब्दों ने देश को आत्मसम्मान दिया और देशप्रेम की सीख दी। हजारों वर्षों से सुप्त पड़ा यह देश इस एक गीत से निद्रा से जाग उठा। तो ऐसी दिलचस्प कहानी है वंदे मातरम गीत की।

# संविधान की खास बातें

**संविधान सभा की प्रथम बैठक सोमवार 9 दिसंबर 1946 को प्रातः 11 बजे शुरू हुई। इसमें 210 सदस्य उपस्थित थे। 11 दिसंबर 1946 को संविधान सभा की बैठक में डॉ. राजेंद्रप्रसाद को स्थायी अध्यक्ष चुना गया, जो अंत तक इस पद पर बने रहे। 13 दिसंबर 1946 को पंडित जवाहरलाल नेहरू ने संविधान का उद्देश्य प्रस्ताव सभा में प्रस्तुत किया, जो 22 जनवरी 1947 को पारित किया गया। इसकी मुख्य बातें इस प्रकार हैं-**

- भारत एक पूर्ण संप्रभुता संपन्न गणराज्य होगा, जो स्वयं अपना संविधान बनाएगा।
- भारत संघ में ऐसे सभी क्षेत्र शामिल होंगे, जो इस समय ब्रिटिश भारत में हैं या देशी रियासतों में हैं या इन दोनों से बाहर, ऐसे क्षेत्र हैं, जो प्रभुतासंपन्न भारत संघ में शामिल होना चाहते हैं।
- भारतीय संघ तथा उसकी इकाइयों में समस्त राजशक्ति का मूल स्रोत स्वयं जनता होगी।
- भारत के नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, पद, अवसर और कानूनों की समानता, विचार, भाषण, विश्वास, व्यवसाय, संघ निर्माण और कार्य की स्वतंत्रता, कानून तथा सार्वजनिक नैतिकता के अधीन प्राप्त होगी।
- अल्पसंख्यक वर्ग, पिछड़ी जातियों और कबायली जातियों के हितों की रक्षा की समुचित व्यवस्था की जाएगी।
- अवशिष्ट शक्तियां इकाइयों के पास रहेंगी।
- 26 जनवरी 1950 को भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ.राजेन्द्र प्रसाद ने 21 तोपों की सलामी के बाद भारतीय राष्ट्रीय ध्वज को फहराकर भारतीय गणतंत्र के ऐतिहासिक जन्म की घोषणा की थी। अंग्रेजों के शासनकाल से छुटकारा पाने के 894 दिन बाद हमारा देश स्वतंत्र राज्य बना। तब से आज तक हर वर्ष समूचे राष्ट्र में गणतंत्र दिवस गर्व और हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है।

# देशभक्ति व करियर दोनों हैं अहम

26 जनवरी को पूरा देश 'गणतंत्र दिवस' मनाएगा। यह जश्न है एकता, समानता और स्वतंत्रता का। उन शहीदों को इस पर्व के माध्यम से नमन करने का जिनकी वजह से हमें खुलकर जीने की आजादी मिली। साथ ही सलाम उन जवानों को जो सीमा पर जागते हैं ताकि हम चैन की नींद सो सकें। यह जज्बा धीरे-धीरे कम होता जा रहा है। इसका कारण युवाओं की लाइफस्टाइल में आया बदलाव भी है। ग्लोबलाइजेशन के इस दौर में आज का युवा देशभक्ति से ज्यादा पैसे की ओर रुख कर रहा है। युवा देश के लिए बहुत कुछ करना चाहते हैं, इसलिए उनकी एक राय यह भी है कि आर्मी के अलावा भी किसी फील्ड में रहते हुए देश के विकास में अहम योगदान दे सकते हैं, बशर्ते कि वे अपने फील्ड में ईमानदारी से काम करें।

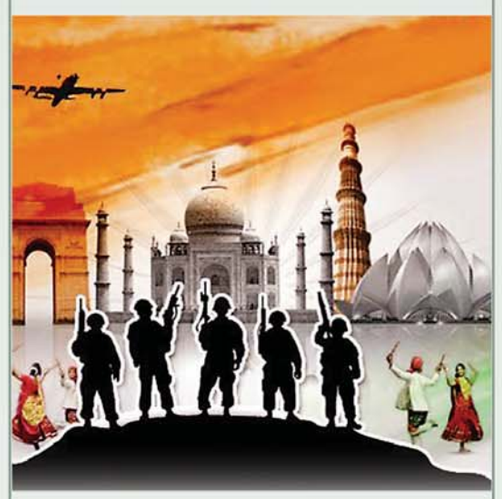

### देशभक्ति पर करियर भारी

यश जोशी कहते हैं कि इंडियन आर्मी यानी बेहतर करियर, अनुशासन के साथ सम्मान की जिंदगी। लेकिन आज प्रोफेशनल कोर्सेस के आने के बाद स्टूडेंट को लगता है कि आर्मी में करियर बनाना आसान नहीं है, क्योंकि टफ ट्रेनिंग और घर से दूर जाना उन्हें कम ही रास आता है। वे देशभक्ति की जगह मोटी कमाई को तवज्जो दे रहे हैं। जिन युवाओं में आर्मी के जुनून और देश के लिए कुछ करने का जज्बा होता है जब वे घरवालों से यह बात कहते हैं तो उनके घरवाले चाहते हैं कि वे आर्मी की बजाय दूसरे फील्ड में करियर बनाएँ।

### ईमानदारी से कार्य करने की है जरूरत

एमएससी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की स्टूडेंट राधिका राघव कहती हैं- आजकल युवा सेना में नहीं जाना चाहते हैं हालाँकि देशभक्ति का यह पैमाना कतई नहीं है कि हर व्यक्ति सेना में जाए। देश की सेवा किसी भी रूप में हो सकती है जिसके लिए हमें अपनी फील्ड में ईमानदारी से कार्य करने की जरूरत है। युवा के लिए वास्तव में नाम व पैसे के साथ-साथ समाज व देश के प्रति कुछ कर पा लेने की संतुष्टि और गर्व होना भी जरूरी है।

### आज भी है जुनून

आईआईपीएस के स्टूडेंट शुभम शर्मा कहते हैं कि युवाओं में एक बात यह है कि वे खुद की मर्जी के मालिक कुछ ज्यादा ही होते हैं। इसका कारण हमारी लाइफ स्टाइल में आया बदलाव भी है। आज करना है तो बस करना है कि तर्ज पर जिंदगी जीने वाले युवा कहीं भी फोकस नहीं कर पाते या फिर असमंजस की स्थिति में पड़ जाते हैं इसलिए वे जीवन में देशभक्ति व करियर में से किसी एक का चुनाव नहीं कर पाते हैं। वहीं दूसरी ओर आज भी युवा तिरंगे को देखकर रोमांचित होता है। जन-गण-मन सुनकर एक बार सावधान की मुद्रा में खड़ा होने को तैयार रहता है। लेकिन उसे लगता है कि साथ देने वाला कोई नहीं है तो मन मारकर वह देशभक्ति करने से रह जाता है।

### करियर भी देशसेवा भी

ईएमआरसी की स्टूडेंट कृणिका सक्सेना कहती हैं कि आज भगतसिंह पैदा नहीं हो सकते लेकिन व्हाइट कॉलर लोगों के भरोसे भी यह देश नहीं चलना है। करियर बनाने के बाद भी हर युवा को देश की सेवा व देश में रहना कम पसंद आता है। इसके लिए युवा जिम्मेदार नहीं हैं। इसका कारण भ्रष्टाचार भी है। लेकिन कई युवा इस दौर में भी अपनी पसंद के करियर के साथ भी देशसेवा कर रहे हैं। वे जता रहे हैं कि देशसेवा भी उनके लिए महत्वपूर्ण है।

## राष्ट्रीय खेल के लिये यूपी का दल उत्तराखंड रवाना

एजेंसी

लखनऊ। उत्तराखंड में होने वाले 38वें राष्ट्रीय खेलों के लिए उत्तर प्रदेश की टीमों की रवानगी शुरू हो गई है। इसकी शुरुआत भव्य विदाई के साथ हुई। केडी सिंह बाबू स्टेडियम में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश कुमार अवस्थी ने ओलंपिक ध्वज दिखाकर उत्तर प्रदेश के दल को रवाना किया। इससे पूर्व मुख्य अतिथि का स्वागत उत्तर प्रदेश ओलंपिक एसोसिएशन के महासचिव डॉ. आनन्देश्वर पाण्डेय ने किया। मुख्य अतिथि अवनीश कुमार अवस्थी ने मौजूद खिलाड़ियों को किट प्रदान कर उत्तर प्रदेश दल को किट वितरण की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में खेलों को अभूतपूर्व सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। प्रदेश के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राज्य का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि 38वें राष्ट्रीय खेलों में भी खिलाड़ी अपने शानदार प्रदर्शन से उत्तर प्रदेश को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे। उत्तर प्रदेश ओलंपिक एसोसिएशन के महासचिव डॉ. आनन्देश्वर पाण्डेय ने बताया कि बेहतरीन तैयारियों के चलते उन्हें पूर्ण विश्वास है कि उत्तर प्रदेश के खिलाड़ी इस बार अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित करेंगे। एसोसिएशन के अध्यक्ष विराज सागर दास ने उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों को अपने प्रेषित शुभकामना संदेश में कहा कि आप सभी मेहनत और लगन के साथ खेलते हुए प्रदेश का नाम रोशन करें।

## नयना और हर्षित ने आइस-स्केटिंग में जीते स्वर्ण पदक

लेह (लद्दाख)। शीतकालीन खेलों के पांचवें संस्करण के दूसरे दिन तेलंगाना और कर्नाटक ने स्पीड स्केटिंग स्पर्धा में एक-एक स्वर्ण पदक जीते। आज यहां खेले गये स्केटिंग मुकाबलों में तेलंगाना की नयना श्री तल्लूरी ने केआईडब्ल्यूजी 2025 का पहला स्वर्ण पदक जीता और एनडीएस स्टेडियम में महिलाओं की 500 मीटर शॉर्ट ट्रैक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर 'हैट्रिक' पूरी की। कर्नाटक के हर्षित ने गुपुक्स पॉन्ड में दिन का दूसरा स्केटिंग स्वर्ण पदक जीता। कर्नाटक के ही हर्षन दूसरे तथा हरियाणा के सचिन सिंह तीसरे स्थान पर रहे। स्पीड स्केटिंग 500 मीटर महिला फाइनल में तेलंगाना की नयना श्री तल्लूरी 1:01.35 समय के साथ स्वर्ण पदक जीता, कर्नाटक की प्रतीक्षा केएस 1:02.84 समय के साथ दूसरे तथा महाराष्ट्र की स्वरूपा देशमुख 1:03.15 समय के साथ तीसरे स्थान पर रही स्पीड स्केटिंग 1000 मीटर लंबे ट्रैक पुरुष फाइनल में कर्नाटक के हर्षित बीटी ने 1:44.22 समय के साथ स्वर्ण तथा तमिलनाडु के गुरु हर्षन एच 1:55.38 के साथ दूसरे तथा हरियाणा के सचिन सिंह 1:56.63 समय के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

## त्रिवेदी ने काता स्पर्धा में जीता स्वर्ण पदक

अहमदाबाद। पश्चिम रेलवे के दिवेश त्रिवेदी ने काता स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता है। पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल मंडल के मुख्य कार्यालय अधीक्षक/परिचालन विभाग श्री त्रिवेदी ने 55 से 60 वर्ष आयु वर्ग में एक्सआईआई जेकेएआई (जापान कराटे एसोसिएशन ऑफ इंडिया) सीनियर कराटे चैंपियनशिप के काटा स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। श्री त्रिवेदी 1985 से कराटे का अभ्यास कर रहे हैं। उन्होंने 1991 में जापान कराटे एसोसिएशन की पहली डैन ब्लैक बेल्ट परीक्षा उत्तीर्ण की, जिसका मुख्यालय टोक्यो, जापान में है। वर्तमान में वे जापान कराटे एसोसिएशन के छठे डैन ब्लैक बेल्ट हैं। जापान कराटे एसोसिएशन ऑफ इंडिया (जेकेएआई इंडिया) ने 18 से 22 जनवरी तक हैदराबाद के गाचीबोली इंडोर स्टेडियम में जेकेए इंडिया के 50 साल पूरे होने का जश्न मनाया। चैंपियनशिप में दुनिया भर से 1600 से अधिक छात्रों ने भाग लिया, जिनमें से 64 छात्र महाराष्ट्र से थे।

## राष्ट्रीय खेलों में आईओसीएल आया साथ, ब्रॉन्ज स्पॉन्सर बना

नैनीताल/देहरादून। 38वें राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी कर रहे उत्तराखंड को इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) का साथ मिल गया है। आईओसीएल प्रायोजक के रूप में उत्तराखंड का साथ देगा। आईओसीएल की ओर से आधिकारिक सहमति दे दी गई है। आईओसीएल को राष्ट्रीय खेलों का ब्रांज स्पॉन्सर बना दिया गया है। अब इस आयोजन के प्रचार-प्रसार में अब आईओसीएल भी भागीदार होगा। आईओसीएल की ओर से बतौर प्रायोजक जल्द ही अपनी भागीदारी को लेकर निर्णय लिया जाएगा। बताया जा रहा है कि राष्ट्री खेलों के उद्घाटन के दिन आईओसीएल की बोर्ड बैठक भी प्रस्तावित है। माना जा रहा है कि इस बैठक में प्रायोजक के आकार पर निर्णय ले लिया जाएगा। बहरहाल, आईओसी ने स्पॉन्सरशिप के लिए प्रारंभिक सहमति दे दी है। राष्ट्रीय खेलों के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमित सिन्हा के अनुसार आईओसीएल का स्पॉन्सरशिप के संबंध में आधिकारिक मेल प्राप्त हुआ है।

# मंदिरी अंडर-20 चैलेंज सीरीज के लिए एआईएफएफ टीम में सुदेवा दिल्ली एफसी के तीन खिलाड़ी चयनित

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रतिष्ठित मंदिरी अंडर-20 चैलेंज सीरीज के लिए अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की 23 सदस्यीय टीम में सुदेवा दिल्ली एफसी के तीन मौजूदा खिलाड़ियों का चयन हुआ है। क्लब ने उक्त घोषणा की। सुदेवा दिल्ली एफसी की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया, यह पूरे सुदेवा परिवार के लिए गर्व का क्षण है, क्योंकि चयनित खिलाड़ी - फॉरवर्ड मोहम्मद जुल्फिफ, मिडफील्डर मोहम्मद समी और जाजो प्रशान - भारत में फुटबॉल प्रतिभाओं को विकसित करने और मिशन विश्व कप 2030 के प्रति सुदेवा के समर्पण का प्रमाण हैं। इन मौजूदा खिलाड़ियों के अलावा, सुदेवा के दो पूर्व छात्र, जो प्रमुख क्लबों के लिए खेलने के लिए आगे बढ़े हैं, ने भी टीम में अपनी जगह बनाई है। गोलकीपर करण मक्कर वर्तमान में जमशेदपुर एफसी के साथ और डैनी मीतेई लैशराम, मिडफील्डर वर्तमान में नॉर्थ-ईस्ट यूनाइटेड के साथ हैं, जो अकादमी

दूरदराज के क्षेत्रों से खिलाड़ियों की खोज और विभिन्न राज्यों का प्रतिनिधित्व करने के साथ, सुदेवा का के व्यापक प्रशिक्षण और विकास कार्यक्रमों के स्थायी प्रभाव को प्रस्तुत करते हैं। विज्ञप्ति में कहा गया है, 2014 में स्थापित सुदेवा भारत का अग्रणी आवासीय प्रशिक्षण संस्थान है, जो देश भर से फुटबॉल प्रतिभाओं की खोज और पोषण करने के लिए प्रतिबद्ध है। जमीनी स्तर का युवा कार्यक्रम महत्वाकांक्षी फुटबॉल खिलाड़ियों के लिए आशा की किरण बन गया है। एआईएफएफ द्वारा एक एलीट अकादमी के रूप में मान्यता प्राप्त और खेलो इंडिया द्वारा मान्यता प्राप्त अकादमी, खिलाड़ियों के विकास के लिए समर्पित है, जिसमें शिक्षा और जीवन कौशल के साथ उच्च गुणवत्ता वाले प्रशिक्षण का संयोजन किया जाता है। हाल ही में हुए चयन राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार शीर्ष स्तरीय एथलीटों को तैयार करने के सुदेवा के मिशन की सफलता को उजागर करते हैं। इन खिलाड़ियों की उपलब्धियाँ अकादमी के कठोर प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कौशल विकास पर रणनीतिक ध्यान और उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। मंदिरी अंडर-20 चैलेंज सीरीज़ एक बहुप्रतीक्षित टूर्नामेंट है जो पूरे क्षेत्र से शीर्ष युवा फुटबॉल प्रतिभाओं को एक साथ लाता है। एआईएफएफ की 23 सदस्यीय टीम देश की सबसे उज्ज्वल संभावनाओं का प्रतिनिधित्व करती है, और इस टीम में सुदेवा का योगदान वैश्विक मंच पर भारतीय फुटबॉल को आगे बढ़ाने में इसकी प्रमुख भूमिका को रेखांकित करता है।

## सूरमा हॉकी क्लब ने श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स को 4-2 से हराया

रांची। सूरमा हॉकी क्लब ने गुरुवार को महिला हीरो हॉकी इंडिया लीग आखिरी पूल चरण में श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स को 4-2 से हरा टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली है। सूरमा हॉकी क्लब रविवार को होने वाले फाइनल मुकाबले में ओडिशा वारियर्स से भिड़ेगा। आज रांची के मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रो टर्फ हॉकी स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में सूरमा हॉकी क्लब के लिए चार्लोट एंगलबर्ट ने (पहले, 17वें और 47वें) मिनट में गोलकर शानदार हैट्रिक बनाते हुए खेल पर अपना दबदबा बनाये रखा। हिना बानो ने (नौवें) मिनट में सूरमा के लिए गोल दागा।

श्रीची राढ़ बंगाल टाइगर्स के लिए कप्तान वंदना कटारिया ने (48वें) मिनट और शिल्पी डबास ने आखिरी क्वार्टर के (58वें ) मिनट में गोल किया।

## टी-20 जय नेपाल कप: काठमांडू विश्वविद्यालय को हराकर लखनऊ विश्वविद्यालय सेमीफाइनल में

एजेंसी

लखनऊ । त्रिभुवन यूनिवर्सिटी, काठमांडू, नेपाल में खेले जा रहे टी-20 जय नेपाल कप क्रिकेट टूर्नामेंट में लखनऊ विश्वविद्यालय ने अपने दूसरे मैच में काठमांडू विश्वविद्यालय को 87 रन से हराते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाई। लखनऊ विश्वविद्यालय के कप्तान आनंद सागर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया और 20 ओवर में चार विकेट पर 160 रन बनाये। टीम से मन कांडपाल ने सबसे ज्यादा नाबाद 75 रन बनाए। इसके अलावा हर्षवर्धन ने 28, आदित्य प्रताप ने 25 और आशीष यादव ने 17 रन का योगदान दिया। जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी काठमांडू विश्वविद्यालय को अभिषेक ने पहला झटका दिया। इसके बाद टीम में वापसी नहीं कर सकी और 20 ओवर में 8 विकेट पर 87 रन ही बना सकी। लखनऊ विश्वविद्यालय से आनंद सागर ने 3 विकेट लिए।

मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार मनन कांडपाल को नाबाद 75 रन और 1 विकेट लेने के लिए मिला। लखनऊ विश्वविद्यालय का आखिरी लीग मैच कल दोपहर 1 बजे से मिड वेस्ट यूनिवर्सिटी के खिलाफ होगा।मैच के बाद उपकप्तान व मैन ऑफ द मैच मनन कांडपाल ने जीत का श्रेय कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय को समर्पित किया। क्रीडा परिषद के महासचिव प्रो. अजय कुमार आर्य समस्त टीम के खिलाड़ियों और टीम मैनेजमेंट को बधाई और अगले मैच के लिए शुभकामनाएं दी ।

## राष्ट्रीय खेल में शामिल होने को खिलाड़ी हुए रवाना,अवनीश अवस्थी ने दिखायी हरी झंडी

एजेंसी

लखनऊ। उत्तराखंड में होने वाले 38वें राष्ट्रीय खेलों के लिए उत्तर प्रदेश की टीमों की रवानगी शुरू हो गई है। इसकी शुरुआत भव्य विदाई के साथ हुई। केडी सिंह बाबू स्टेडियम में आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि अवनीश कुमार अवस्थी (सलाहकार, मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश) ने ओलंपिक ध्वज दिखाकर उत्तर प्रदेश के दल को रवाना किया। इससे पूर्व मुख्य अतिथि का स्वागत उत्तर प्रदेश ओलंपिक एसोसिएशन के महासचिव डॉ. आनन्देश्वर पाण्डेय ने किया।मुख्य अतिथि अवनीश कुमार अवस्थी ने मौजूद खिलाड़ियों को किट प्रदान कर उत्तर प्रदेश दल को किट वितरण की शुरुआत की। उन्होंने अपने आर्शीवचन में कहा कि मुख्यमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में खेलों को अभूतपूर्व सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। प्रदेश के खिलाड़ी राष्ट्रीय और

अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राज्य का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि 38वें राष्ट्रीय खेलों में भी खिलाड़ी अपने शानदार प्रदर्शन से उत्तर प्रदेश को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे। उत्तर प्रदेश ओलंपिक एसोसिएशन के महासचिव डॉ. आनन्देश्वर पाण्डेय ने बताया कि बेहतरीन तैयारियों के चलते उन्हें पूर्ण विश्वास है कि उत्तर प्रदेश के खिलाड़ी इस बार अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित करेंगे। उत्तर प्रदेश ओलंपिक एसोसिएशन के अध्यक्ष विराज सागर दास ने उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों को अपने प्रेषित शुभकामना संदेश में कहा कि आप सभी मेहनत और लगन के साथ खेलते हुए प्रदेश का नाम रोशन करें। हम सभी को आप पर गर्व है और हमें विश्वास है कि आप अपनी प्रतिभा से नए कीर्तिमान स्थापित करेंगे। 38वें राष्ट्रीय खेलों के लिए अब तक उत्तर प्रदेश की कलारीपयट्टू, ट्रायथलॉन, हैंडबॉल, बीच हैंडबॉल, योगासन, बास्केटबॉल, साइकिलिंग, तीरंदाजी व बाक्सिंग टीम को किट प्रदान की चुकी है।

# मुंबई सिटी एफसी ने स्पेनिश अटैकर जॉर्ज ऑर्टिज से किया करार

एजेंसी

मुंबई। मुंबई सिटी एफसी ने स्पेनिश अटैकर जॉर्ज ऑर्टिज के साथ करार किया है। स्पेन के विलाकैनास से आने वाले ऑर्टिज़ 2025-2026 सीज़न के लिए मुंबई सिटी एफसी में शामिल होंगे और अपने अनुभव और गुणवत्ता को टीम में लाने की कोशिश करेंगे। गेटाफे सीएफ की युवा प्रणाली के उत्पाद, ऑर्टिज़ ने स्पेन में एक प्रभावशाली करियर बनाया है, जिसमें एटलेटिको मैड्रिड बी के साथ एक स्पेल भी शामिल है। 2022 में, वह शेन्ज़ेन पेंग सिटी में शामिल हो गए, जहाँ उन्होंने 2022-2023 तक चाइना लीग वन में खेला और 2024 में चीनी सुपर लीग में भाग लिया, जिसमें 56 मैचों में कुल 15 गोल और 11 सहायता दर्ज की गई। ऑर्टिज एएफसी स्तर पर भी अनुभव लाते हैं, 2021 एएफसी चैंपियंस लीग में प्रमुखता से शामिल हुए और स्कोरिंग की। आईएसएल में ऑर्टिज ने 14 गोल और 8 सहायता के साथ

36 मैच खेले हैं। वर्तमान इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) सीज़न के महत्वपूर्ण मोड़ पर उनके हस्ताक्षर से आइलैंडर्स की टीम मजबूत होगी। जॉर्ज ऑर्टिज ने मुंबई सिटी एफसी द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के हवाले से कहा, मैं इंडियन सुपर लीग में वापस आकर, मुंबई सिटी एफसी जैसे रोमांचक क्लब में शामिल होने और सिटी फुटबॉल ग्रुप के भीतर अपनी यात्रा जारी रखने के लिए उत्साहित हूँ। क्लब और ग्रुप दोनों ने बहुत उच्च मानक स्थापित किए हैं। मुंबई शहर और मुंबई सिटी एफसी का माहौल बेजोड़ है, और मैं अपने नए साथियों, प्रशंसकों के साथ शुरुआत करने और उनकी सफलता में योगदान देने के लिए उत्सुक हूँ,

मुंबई सिटी एफसी के मुख्य कोच पेट्र क्रेटकी ने कहा, हम मुंबई सिटी एफसी में ऑर्टिज का स्वागत करते हुए रोमांचित हैं। वह आईएसएल में सिद्ध क्षमता वाले एक हमलावर हैं और उन्हें उच्च स्तर पर खेलने का अनुभव है। हम हमेशा बेहतर होने का प्रयास करते हैं और मैदान पर अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने के तरीके खोजते हैं। इस लिहाज से, ऑर्टिज इस सीज़न में हमारी टीम को मजबूत करेंगे। हम उनके शामिल होने से उत्साहित हैं और उम्मीद करते हैं कि हम शेष सीज़न में भी सफलता हासिल करेंगे।

## उत्तराखंड में होने वाले 38वें राष्ट्रीय खेलों के तकनीकी अधिकारी व पर्यवेक्षक बने डॉ. अजय पाठक

एजेंसी

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ के संयुक्त सचिव व मंडलीय ओलंपिक सचिव मुरादाबाद निवासी डॉ. अजय पाठक उत्तराखंड में होने वाले 38वें राष्ट्रीय खेलों के तकनीकी अधिकारी व पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए हैं। क्षेत्रीय कीड़ा अधिकारी जितेंद्र यादव ने बताया कि 28 जनवरी से 14 फरवरी तक उत्तराखंड में 38वें राष्ट्रीय खेलों का आयोजन होगा। इसमें डॉ. अजय पाठक को तकनीकी अधिकारी व पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त किया है। डॉ. अजय मुरादाबाद मंडल के प्रथम व्यक्ति हैं जिन्हें नेशनल गेम्स में उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ ने लगातार दूसरी बार तकनीकी अधिकारी/पर्यवेक्षक बनाया है।

इस उपलब्धि के मिलने के बाद डॉ. अजय पाठक ने बताया कि हमारा ध्यान इस बात पर होगा कि उत्तर

प्रदेश के खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें। उत्तर प्रदेश की टीम ज्यादा ज्यादा मैडल जीते और अंक तालिका में में टॉप पर रहे।

## हसन अली 2025 तक वारविकशायर में वापसी के लिए सहमत

एजेंसी

नई दिल्ली। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हसन अली ने 2025 में क्लब के लिए सभी प्रारूपों में खेलने के लिए वारविकशायर में वापसी पर सहमति व्यक्त की है। उनके मई में टी20 ब्लास्ट की शुरुआत से लेकर सितंबर के अंत तक उपलब्ध रहने की उम्मीद है। 30 वर्षीय हसन पिछले सीजन में एजबेस्टन में अपने कार्यकाल के दौरान कोहनी की चोट के बाद से नहीं खेले हैं, जिसके कारण उन्हें पांच विटैलिटी ब्लास्ट मैचों में 10 विकेट लेने के बाद बाहर होना पड़ा। सर्जरी के बाद वे वारविकशायर और पाकिस्तान के मेडिकल स्टाफ दोनों की देखरेख में पुनर्वास से गुजर रहे हैं। उन्होंने क्लब की आधिकारिक वेबसाइट के हवाले से कहा, मैंने पिछले साल कहा था कि एजबेस्टन मुझे दूसरे घर जैसा लगता है...लेकिन अब यह पहले घर जैसा होता जा रहा है। मुझे वारविकशायर के लिए खेलना, बियर्स के प्रशंसकों के लिए खेलना पसंद है। और मुझे उम्मीद पिछला साल चोट के कारण बदकिस्मत रहा। मुझे लगा कि मैं अच्छी गेंदबाजी कर रहा था और ब्लास्ट में काफी विकेट ले रहा था।

है कि वे मेरे खेलने के तरीके से देखेंगे कि मैं इस क्लब के लिए कितना जीतना चाहता हूँ। उन्होंने कहा, 2023 में व्हाइट बियर कैप से सम्मानित होना मेरे करियर के सबसे गौरवपूर्ण क्षणों में से एक था और मैं अगले सीज़न में बियर्स के साथ और भी कई खास यादें बनाना चाहता हूँ। लेकिन मैं ट्रेनिंग में 100 प्रतिशत गेंदबाजी कर रहा हूँ और अगले सीज़न में वारविकशायर के साथ जुड़ने पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूँ। हसन ने 2023 और 2024 सीज़न में वारविकशायर के लिए नौ काउंटी चैंपियनशिप में 27 विकेट लिए हैं, साथ ही ब्लास्ट में 19 विकेट लिए हैं।

## मंगलुरु में 200 से अधिक तैराक डेन डेन सी स्विमिंग चैंपियनशिप 2025 के लिए तैयार

एजेंसी

मंगलुरु। डेन डेन सी स्विमिंग चैंपियनशिप के दूसरे संस्करण को शानदार प्रतिक्रिया मिली है, जिसमें 200 से अधिक तैराक 26 जनवरी को मंगलुरु सर्फ क्लब बीच पर प्रतिस्पर्धा करेंगे। इस इवेंट का आयोजन मंगलुरु सर्फ क्लब द्वारा किया जा रहा है, जिसमें 250 मीटर से लेकर 6 किमी तक की पांच श्रेणियों में मुकाबले होंगे। इस बार का मुख्य आकर्षण डूबे हुए डेन डेन जहाज के चारों ओर आयोजित दौड़ है, जो 2007 में समुद्र में डूबने के बाद एक ऐतिहासिक स्थल बन चुका है। प्रतियोगिता में दिल्ली, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल और गोवा समेत कई राज्यों के तैराक भाग लेंगे। प्रतिभागी 10 वर्ष से ऊपर के आयु-विशिष्ट वर्गों में हिस्सा लेंगे, जिसमें सबसे लंबी श्रेणी 6 किमी की दौड़ होगी। मंगलुरु सर्फ क्लब के अध्यक्ष चिराग शंभू ने इस आयोजन पर खुशी जताते हुए कहा, इस साल की चैंपियनशिप में प्रतिभागियों की संख्या पिछले साल से दोगुनी हो गई है। यह भारत में ओपन-वाटर स्पोर्ट्स की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाता है। हम जल सुरक्षा को बढ़ावा देने और मंगलुरु को इस तरह के आयोजनों के लिए प्रमुख स्थल बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। चैंपियनशिप के निदेशक ऋषभ शेट्टी ने बताया कि सुरक्षा के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। 20 से अधिक लाइफगार्ड, स्पीडबोट्स और सर्फ-बोट्स की सहायता से सभी प्रतिभागियों के लिए सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित किया गया है, उन्होंने कहा। इस इवेंट को भारतीय तट रक्षक, हॉलीवुड लाउंज, केएमसी अस्पताल और वी वन एक्वाटिक सेंटर जैसे साझेदारों का सहयोग मिला है। इसके अलावा, ओपन वाटर स्विमर्स फाउंडेशन और लोकल फिशिंग बोट्स ने भी सुरक्षा सुनिश्चित करने में योगदान दिया है।

## बार्सिलोना के डिफेंडर जेरार्ड मार्टिन ने नए अनुबंध पर किए हस्ताक्षर

एजेंसी

मैड्रिड। एफसी बार्सिलोना के स्टार डिफेंडर जेरार्ड मार्टिन ने 30 जून 2028 तक क्लब के साथ अनुबंध विस्तार पर हस्ताक्षर किए हैं। 22 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने 23वें जन्मदिन से दो दिन पहले इस समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। क्लब ने उक्त घोषणा की। 22 वर्षीय खिलाड़ी ने पहली टीम में अपने सफल सत्र में प्रभावित किया है, बी-टीम से पदोन्नति के बाद 18 बार प्रदर्शन किया है। क्लब के बयान में कहा गया है, एफसी बार्सिलोना और जेरार्ड मार्टिन ने क्लब के साथ खिलाड़ी के अनुबंध को 30 जून 2028 तक बढ़ाने के लिए एक समझौता किया है। डिफेंडर ने गुरुवार को दोपहर में बार्सा के अध्यक्ष जोआन लापोर्टा, युवा फुटबॉल के लिए जिम्मेदार निदेशक जोआन सोलर, खेल निदेशक एंडरसन लुइस डी सूजा (डेको) और युवा फुटबॉल के निदेशक जोस रेमन एलेक्सेंको की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए। डिफेंडर ने बार्सिलोना की वेबसाइट से कहा, यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। मैं बचपन से ही बार्सिलोना का समर्थक रहा हूं और जब मैं यहां आया, तो मुझे पहली टीम में शामिल होने की उम्मीद थी। यह बहुत मुश्किल है, लेकिन मैंने इसे प्रबंधित किया है और मैं खुश हूं। मार्टिन ने

कहा, मैं कड़ी मेहनत करना जारी रखूंगा और जो भी अवसर मुझे मिलेंगे, उनका लाभ उठाऊंगा। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य जितना संभव हो सके, क्लब के लिए उतने अधिक खिताब जीतना है।

# खो-खो विश्व कप विजेता भारतीय टीमों को केंद्रीय खेल राज्य मंत्री ने दी बधाई, महाराष्ट्र सरकार ने खिलाड़ियों को दिया बड़ा तोहफा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय युवा मामले एवं खेल राज्य मंत्री रक्षा निखिल खडसे ने हाल ही में खो-खो विश्व कप जीतने वाली भारतीय पुरुष और महिला टीमों से मुलाकात कर उन्हें बधाई दी। खडसे ने कहा कि यह देश के लिए गर्व का क्षण है कि दोनों टीमों ने इस स्वदेशी खेल में पहला विश्व कप जीतकर इतिहास रच दिया। उन्होंने इस जीत को पूरे देश, विशेष रूप से ग्रामीण भारत के लिए प्रेरणा बताया।खडसे ने कहा, 'हमारी पुरुष और महिला दोनों टीमों ने जिस दबदबे के साथ विश्व कप जीता, उससे मुझे बहुत गर्व है। यह हमारी मिट्टी और गांवों का खेल है, जिसे अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने का श्रेय भारतीय खो-खो महासंघ (केकेएफआई) और खिलाड़ियों को जाता है।'उन्होंने केकेएफआई के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल और उनकी टीम की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने इस खेल को वैश्विक मंच पर स्थापित करने में अहम भूमिका निभाई है।भारतीय पुरुष टीम, जिसकी कप्तानी प्रतीक वाइकर कर रहे थे, ने फाइनल मुकाबले में नेपाल को हराया। वहीं, महिला टीम ने प्रियंका इंगले की अगुवाई में नेपाल के खिलाफ ऐतिहासिक जीत दर्ज की। पहले खो-खो विश्व कप में 6 महाद्वीपों के 23 देशों की 20 पुरुष और 19 महिला टीमों ने भाग लिया। यह टूर्नामेंट एक सप्ताह तक चला, जिसमें भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन बेहतरीन रहा।

महाराष्ट्र ने निभाई अग्रणी भूमिका

खडसे ने महाराष्ट्र सहित अन्य राज्यों के खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना की और कहा, 'महाराष्ट्र, जहां इस खेल की शुरुआत हुई, ने शानदार योगदान दिया। अब यह हर खिलाड़ी की जिम्मेदारी है कि वे अपने क्षेत्र में इस खेल को बढ़ावा दें और नई पीढ़ी को प्रेरित करें।'

राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने 10 दिसंबर, 2024 से 11 जनवरी, 2025 तक जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में एक महीने का राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया। इस शिविर में 27 राज्यों के 60 पुरुष और 60 महिलाओं ने भाग लिया, जिसे केकेएफआई के समर्थन से आयोजित किया गया।

मित्तल ने सरकार की सराहना की

केकेएफआई के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने विश्व कप के सफल आयोजन में सहयोग के लिए भारत सरकार का आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा, 'खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया और राज्य मंत्री रक्षा खडसे ने हर संभव सहायता प्रदान की। हमने चार साल बाद बर्मिंघम में अगले विश्व कप के आयोजन की घोषणा कर दी है और भारत में भविष्य की विश्व चैम्पियनशिप आयोजित करने की योजना पर विचार कर रहे हैं।' खडसे के अनुरोध पर महाराष्ट्र सरकार ने खो-खो विश्व कप में भाग लेने वाले राज्य के प्रत्येक खिलाड़ी को 2.25 करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार और राज्य सरकार में प्रथम श्रेणी की नौकरी देने की घोषणा की है। यह कदम खो-खो को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के प्रयासों का हिस्सा है।

खो-खो को नई पहचान देने का प्रयास

रक्षा खडसे ने कहा कि सरकार खो-खो जैसे स्वदेशी खेलों को बढ़ावा देने के लिए हर संभव प्रयास करेगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि केकेएफआई की योजनाओं को आगे बढ़ाने और खेल को लोकप्रिय बनाने के लिए केंद्रीय खेल मंत्री से चर्चा की जाएगी।

# नजरअंदाज न करें बांहों के सौंदर्य को

**आजकल** छोटी बांहों वाले या स्लीवलेस ब्लाउज का फैशन जोरों पर है। बदलते फैशन को अपनाना तो हर स्त्री चाहती है पर अपने चेहरे के अलावा वह प्राय: अपनी बांहों और हाथों के सौंदर्य को नजरअंदाज कर देती है। काली खुरदरी कोहनियां, बांहों के ऊपरी भाग पर से लटकती ढीली त्वचा आपकी लापरवाही की कहानी बयान कर ही देती हैं। बदलते फैशन को अपनाने के लिए अपनी बांहों को सुंदर-सुगठित बनाना आवश्यक है। साथ ही कोहनियों की नियमित देखभाल करें ताकि वे साफ-सुथरी व चिकनी नजर आएं। साथ ही अंडरआऐर्म्स की सफाई पर भी बराबर नजर रखें ताकि आप भी फैशन की दुनिया में उचित स्थान पा सकें।

**बनें सुंदर चिकने हाथ**

यदि आप चाहती है कि आपके हाथ साफ-सुथरे व चिकने दिखें, साथ ही वे सुडौल व सुगठित भी लगें, ताकि आप छोटी बांहों वाली ड्रेस व स्लीवलेस ब्लाउज बिना किसी हिचकिचाहट के पहन सकें, तो नीचे बताए गए उपायों को अपनाएं।

हाथ साफ-सुथरे व चिकने दिखें इसके लिए प्राय: स्त्रियां वैक्सिंग का सहारा लेती हैं, लेकिन वैक्सिंग नियमित रूप से करानी आवश्यक होती है। हममें से अमूमन स्त्रियां अवसर विशेष के लिए तो हाथों के सौंदर्य पर ध्यान दे देती हैं, लेकिन उसके बाद फिर लापरवाह हो जाती हैं। वैक्सिंग पिग्मेंटेशन व टैनिंग जैसी समस्याओं का कारण भी बनती है। इस समस्या से बचने के लिए एक्सप्रेशन ब्यूटी क्लीनिक की ब्यूटी एक्सपर्ट सिम्मी घई कहती हैं कि ऐसे में हाथों को सूरज की अल्ट्रॉवायलेट किरणों से बचाना चाहिए। इसके लिए बाहर निकलते वक्त चेहरे, गर्दन के साथ-साथ हाथों और पैरों पर भी सनस्क्रीन लगानी चाहिए। इसी तरह यदि आप ड्राइविंग कर रही हैं तो बहुत जरूरी है कि आप फुलस्लीव की ड्रेस या ब्लाउज पहनें या फुलआर्म दास्ताने प्रयोग करें। अंडरआर्म में कालापन प्रतीत न हो इसके लिए लेजर हेयर रिमूवल ही अधिक उचित उपाय है। साथ ही बांहों को भी साफ रखें। जिस तरह आप अपना चेहरा साफ करती हैं, उसी तरह उन्हें भी साफ करें। चूंकि बांहों की त्वचा अपेक्षाकृत कम मुलायम होती है, अत: इन पर साबुन का प्रयोग भी कम करें तो बेहतर होगा।

यदि आप पार्लर में जाकर वैक्सिंग करवा रही हैं तो वहां की स्वच्छता के बारे में पूरी जांच कर लें, जिससे किसी तरह के इन्फेक्शन का अंदेशा न रहे और वैक्सिंग करवाने के बाद एसपीएफ 15 का सनस्क्रीन लोशन अवश्य प्रयोग करें। यदि सनस्क्रीन लोशन लगाने के बाद भी पिगमेंटेशन की समस्या हो तो ग्लाईसोलिक पील का प्रयोग बहुत लाभदायक होता है। बांहों को जितना अधिक सूर्य के तेज प्रकाश से बचा कर रखेंगी, झुर्रियां उतनी ही देर से दिखाई देंगी।

**टोनिंग के लिए**

हाथों की संपूर्ण टोनिंग के लिए हलके वेट वाले डंबल का प्रयोग करें। रोजाना सुबह आप 20-25 बार डंबल्स से हाथों की एक्सरसाइज करें। धीरे-धीरे वजन भी बढा सकती हैं और संख्या भी। बाद में इसे 35-40 बार तक करें। सूर्य नमस्कार भी बांहों की टोनिंग में लाभकारी है इसे कम से कम 2-3 बार हर रोज करें। साथ ही इसके लिए नीचे बताए जा रहे तरीकों से एक्सरसाइज भी करें -

- किसी समतल जगह पर आराम से बैठें। सीधी बांह ऊपर उठा कर बायीं तरफ धीरे-धीरे जितना अधिक मोड सकती हैं मोडें, फिर पूर्वस्थिति में आ जाएं। इसी तरह दूसरी बांह से करें। प्रत्येक बांह से कम से कम 8-10 तक करें धीरे-धीरे संख्या बढाती जाएं।
- सीधे खडी हो जाएं। दोनों बांहों को कोहनी से मोड कर बारी-बारी से पीठ का पिछला भाग छुएं। ऐसा कम से कम 50-60 बार करें। नियमित ऐसा करने से बांहों की त्वचा में कसाव आता है।
- यदि तैरना जानती हैं तो सर्वोत्तम हैं। तैराकी से बांहों का बहुत अच्छा व्यायाम हो जाता है। बांहों की गठन सुडौल होती है और बांहें मजबूत भी होती हैं।
- यदि इसके बावजूद भी आपकी बांहें सुडौल नहीं हो पा रही हैं तो आप आधुनिक तकनीक जिसे मेटटोथेरैपी कहते हैं, का सहारा ले सकती हैं। इस तकनीक में कुछ खास दवाओं को इंजेक्शन के द्वारा उसी स्थान पर लगाया जाता है, जहां जरूरत हो। इससे उस स्थान से फैट सेल परिवर्तित हो जाते हैं।

**घरेलू नुसखे भी उपयोगी**

बांहों के सौंदर्य में कोहनियों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कोहनियों के काले व खुरदुरेपन को ऐसे दूर करें-

**काली कोहनियों के लिए :** 2 टी स्पून नीबू के रस में 2-3 टी स्पून चीनी, 1/2 टी स्पून ग्लिसरीन मिलाएं। फिर आधा कटे नीबू को उसमें डुबोकर कोहनियों पर रगडें। 10 मिनट तक लगा रहने दे फिर धो दें। ऐसा 4-5 दिन लगातार करें और फर्क देखें।

**बांहों को सुडौल बनाने के लिए :** 4 टी स्पून चावल के आटे में 4 टी स्पून संतरे के छिलके का पाउडर, 4 टी स्पून नीबू के छिलके का पाउडर, 2 टी स्पून मुल्तानी मिट्टी, थोडा सा दूध डालकर पेस्ट तैयार करें। फिर उसे कोहनियों पर और हाथों पर लगाकर सूखने दें। जब सूख जाए तो हाथ में थोडा सा दूध डालकर गीला करें और रगडकर छुडाएं। ऐसा एक महीने लगातार करने पर बांहें सुडौल बनेंगी।

**अंडरआऐर्म्स का कालापन दूर करने के लिए :** 2 टी स्पून चावल का आटा, 2-2 टी स्पून दरदरा बादाम व चंदन पाउडर और थोडा सा दूध मिलाकर पेस्ट बनाएं। तैयार मिश्रण को अंडर आऐर्म्स पर लगा कर कुछ देर हलके हाथ से रगडें फिर धोकर साफ करें।

**टैनिंग दूर करने के लिए :** 5 टी स्पून शहद, 2 टी स्पून चंदन पाउडर, 1 टी स्पून चाइना क्ले, आधा नीबू का रस व थोडा-सा दूध मिलाकर पेस्ट बना लें। इस मिश्रण को प्रभावित स्थान पर लगाएं। सूखने पर दूध के हाथ से थपथपा कर छुडाएं।

**त्वचा में कसाव लाने के लिए :** 5 टी स्पून स्टार्च पाउडर, 4 टी स्पून चावल का आटा, कुछेक गुलाब की पंखुडियां, कुछ बूंदें एरोमा ऑयल की। सारी सामग्री को मिलाकर किसी खुरदुरे कपडे में भरकर पाउच सा बना लें और गीली बांहों पर कुछ देर हलके हाथों से रगडें। कुछ दिन तक नियमित ऐसा करें।

**करें कुछ ऐसा भी :** अपनी बांहों को आकर्षक बनाने के लिए विविध प्रकार के टैटू से सजाएं। इन उपायों को अपनाकर आप निश्चय ही सुंदर, सुडौल व सुगठित बांहों की मलिका बन सकती है। साथ ही आप जो भी पहनेंगी खूबसूरत ही लगेंगी।

# क्रीमी वेजीटेबल्स

**सामग्री :** 1 कप मिक्स कटी सब्जियां (पत्तागोभी, गाजर, शिमला मिर्च, बेबीकॉर्न और प्याज), डेढ़ टीस्पून तेल, सजावट के लिए हरी धनिया।

**ग्रेवी के लिए :** 1 कप दही, 1/4 कप क्रीम, डेढ़ टीस्पून कॉर्नफ्लोर, 2 टीस्पून टोमेटो केचअप, आधा-आधा टीस्पून अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, लहसुन का पेस्ट, गरम मसाला, ऑरिगेनो और स्वादानुसार नमक।

**विधि :** ग्रेवी की सभी सामग्री को अच्छी तरह मिला लें। तेल गर्म करें और सब्जियों को चलाते हुए कुछ मिनट तक भूनें। इसमें ग्रेवी डालें और 5 मिनट तक उबालें। कटी हुई हरी धनिया से सजाकर परोसें।

# रसोई घर में है सौंदर्य की पिटारी

**सुंदर** दिखने की चाहत को पूरी करने के लिए आज बाजार में न जाने कितने प्रकार के सौंदर्य प्रसाधन मौजूद हैं। लेकिन त्वचा को कुदरती चमक और कोमलता प्रदान करने के लिए प्राकृतिक उपादानों का प्रयोग चमत्कारी परिणाम देता है। दरअसल घरेलू उपचार में किसी भी प्रकार के केमिकल नहीं होते। इसीलिए इनके प्रयोग से त्वचा को किसी तरह का नुकसान भी नहीं होता है।

स्थाई सुंदरता पाने के लिए प्राकृतिक चीजों का इस्तेमाल करने में ही समझदारी है। अपने सौंदर्य को बरकरार रखने और बढाने के लिए कहीं दूर जाने की आवश्यकता नहीं है। सौंदर्य विशेषज्ञा शहनाज हुसैन कहती हैं कि अपनी रसोई में झांककर देखें, न जाने ऐसी कितनी चीजें है जो आपके सौंदर्य में चार-चांद लगा सकती हैं। यदि जरा-सी सूझबूझ से काम लिया जाए तो आपका रसोई घर ही ब्यूटी पार्लर बन सकता है। इस तरह रासायनिक प्रसाधनों के दुष्प्रभाव एवं ब्यूटी पार्लर के महंगे खर्च से भी बचा जा सकता है क्योंकि रसोईघर में वह सब कुछ मौजूद होता है जो प्राकृतिक सुंदरता प्रदान कर सके।

**त्वचा को कांति प्रदान करें**

- खानपान का तौर तरीका भी रूप लावण्य को प्रभावित करता है। इसके लिए आवश्यक है कि सुबह के नाश्ते में तली हुई चीजों का सेवन न करके, दूध, दही, अंडा, लस्सी या अंकुरित अनाज को सम्मिलित करें।
- जहां तक संभव हो, मौसमी फल, सब्जियों को नाश्ते में सम्मिलित करें। लौकी के रस में, तुलसी, पुदीना और पिसी हुई काली मिर्च मिलाकर सेवन करें। गुनगुने पानी में नीबू का रस मिला कर पिएं। इससे रंग-रूप में तो निखार आएगा ही, शरीर भी छरहरा बनेगा।

- खीरे का रायता बनाते वक्त थोडा सा कसा हुआ खीरा निकाल लें। उसे आंखों पर कुछ देर रखने से आंखों को आराम मिलेगा और काले घेरे भी दूर होंगे।
- चेहरे के निखार के लिए गाजर, खीरे, टमाटर या संतरे के रस को लगाया जाए तो यह त्वचा के लिए उत्कृष्ट टॉनिक के समान काम करेगा और इससे चेहरे की कांति भी बनी रहेगी।
- केले या पपीते के गूदे को मसल कर शहद के साथ मिलाकर चेहरे पर लगाएं। यह कुदरती मॉस्चराइजर का काम करता है।
- बथुआ उबालने के बाद उसके बचे हुए पानी को फेंकने के बजाय, उससे हाथ धोया जाए तो वे मुलायम रहते हैं।
- चावल के मांड से हाथ धोने पर, हाथों की नमी बनी रहती है।
- मूली का रस चेहरे की झाइयां समाप्त करता है।
- दही में शहद मिलाकर चेहरे पर लगाएं। ये त्वचा की टैनिंग दूर करता है।
- नीबू के छिलकों पर थोडी चीनी डालकर नाखूनों या एडियों पर रगडने से त्वचा का कालापन हट जाता है।
- अधिक तेज धूप में आने-जाने से यदि आपकी त्वचा झुलस गई हो तो दो चम्मच टमाटर के रस में, चार चम्मच छाछ मिलाकर लगाएं। लाभ होगा।
- सांवली त्वचा के लिए चिरौंजी दाना को रात भर दूध में भिगोकर रखें। सुबह पीसकर उसमें हल्दी मिलाकर चेहरे पर लगाएं। एक घंटे बाद धो लें। चेहरे की खुश्की दूर होगी और निखार भी आएगा।


हमारे **संविधान** के लागू होने के **75** वर्ष पूरे होने और

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

# 76वें गणतंत्र दिवस की

सभी देशवासियों को

**हार्दिक शुभकामनाएं**



"देश के अपने समस्त परिवारजनों को गणतंत्र दिवस की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। भारत के लोकतंत्र को मजबूती देने में हमारे देश के संविधान की बहुत बड़ी भूमिका रही है। बाधाएं, रुकावटें, चुनौतियों को परास्त करके एक दृढ़ संकल्प के साथ यह देश चलने के लिए प्रतिबद्ध है।"

***जय हिंद!***

**- नरेन्द्र मोदी**

कर्तव्य पथ से गणतंत्र दिवस समारोह के
विशेष कार्यक्रम का सीधा प्रसारण
**सुबह 9:00 बजे से दूरदर्शन नेटवर्क पर**

CBC 17102/13/0026/2425